नई दिल्ली । गुरुवार, 06 अगस्त, 2026
श्रावण कृष्ण पक्ष अष्टमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 212 / मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सीडब्ल्यूजी...
@ विचार उन्नत बचपन की पहली शर्त ...
@ व्यापार सेंसेक्स 152 अंक उछला...

'मार्क जुकरबर्ग ने भारत सरकार से मांगी माफी'

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने बुधवार को बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम), डीपफेक कंटेंट और ऑपरेटिंग सिस्टम में एरर को लेकर भारत सरकार से माफी मांगी है। यह जानकारी सरकारी सूत्रों की ओर से दी गई।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि मेटा को स्पष्ट कर दिया गया था कि वे मध्यस्थ की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आते। वे ही तय करते हैं कि सामग्री किसे मिलेगी। आईटी एक्ट के तहत सेफ हार्बर उन पर लागू नहीं होता।

उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ खास तरह की सामग्री को बढ़ावा देने के लिए बड़ी रकम का भुगतान किया गया था। उन्होंने माफी मांगी और अपनी गलती पर खेद व्यक्त किया। इससे पहले सरकारी सूत्रों ने बताया था कि आईटी मंत्रालय ने मेटा समेत सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को स्पष्ट कर दिया है कि उन्होंने स्थानीय कानूनों का पालन करना होगा। साथ ही, संसदीय समिति ने फेसबुक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोस्ट को कुछ समय के लिए ब्लॉक करने को लेकर मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग से तीन दिनों के भीतर 'बिना शर्त माफी' मांगने को कहा था।

अगर मेटा तय समय-सीमा के अंदर ऐसा नहीं कर पाता है, तो भारत में उसे मिलने वाली 'सेफ हार्बर प्रोटेक्शन' खत्म हो सकती है। प्रधानमंत्री का वीडियो गलत तरीके से हटाए जाने के मामले पर चर्चा करने के लिए मेटा के एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने राजधानी में आईटी सचिव एस. कृष्णन से मुलाकात की।

अधिकारियों ने मौजूदा नियमों का सख्ती से पालन करने की जरूरत पर जोर दिया और प्लेटफॉर्म के कथित गलत इस्तेमाल की घटनाओं पर चिंता जताई, जिसमें प्रधानमंत्री की पोस्ट को मनमाने ढंग से हटाना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों को तुरंत हल करने की जरूरत है।

जानकारी के मुताबिक, मेटा और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रतिनिधियों ने कहा कि उनके पास पहले से ही कड़े इंटरनल नियम और फैक्ट-चेकिंग सिस्टम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके प्लेटफॉर्म का जान-बूझकर या जानकारी के साथ कोई गलत इस्तेमाल नहीं होने दिया जाता।

राज्यसभा से जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल पास, सुप्रीम कोर्ट में अब 34 की जगह होंगे 38 जज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राज्यसभा ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पारित किया। इस विधेयक का मकसद सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या को मौजूदा 34 से बढ़ाकर 38 करना है।

बहस के दौरान अपनी बात रखते हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, 'न्यायपालिका पर बढ़ते काम के बोझ, न्यायिक मामलों की बदलती प्रकृति और उभरती संवैधानिक व कानूनी व्याख्याओं से जुड़े नए सवालों को देखते हुए, सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाना समय की मांग थी और यह समय पर किया गया सुधार भी है।

यह बिल लोकसभा से पहले ही पास हो चुका था और राज्यसभा में विचार-विमर्श के बाद इसे वापस उसी सदन में भेज दिया गया, जिससे संसदीय मंजूरी की प्रक्रिया पूरी हो गई। यह मई 2026 के उस अध्यादेश की जगह लेगा जिसमें कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाई गई थी। 2019 के बाद सुप्रीम कुर्ती में जजों की यह पहली बढ़ोतरी है।

राज्यसभा में अर्जुनराम मेघवाल ने बताया कि भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने 11 मई को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सुप्रीम कोर्ट में नए मामलों के दाखिले में भारी बढ़ोतरी और मामलों के निपटारे की दर बनाए रखने के लिए अतिरिक्त जजों की जरूरत के बारे में बताया था।

मेटा और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को स्थानीय कानूनों का करना होगा पालनः सरकारी सूत्र

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मेटा समेत सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को स्थानीय कानूनों का पालन करना होगा। यह बयान आईटी मंत्रालय के सूत्रों की ओर से बुधवार को दिया गया।

यह बयान ऐसे समय पर आया जब संसदीय समिति ने फेसबुक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोस्ट को कुछ समय के लिए ब्लॉक करने को लेकर मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग से तीन दिनों के भीतर 'बिना शर्त माफी' मांगने को कहा है।

अगर मेटा तय समय-सीमा के अंदर ऐसा नहीं कर पाता है, तो भारत में उसे मिलने वाली 'सेफ हार्बर प्रोटेक्शन' खत्म हो सकती है। प्रधानमंत्री का वीडियो गलत तरीके से हटाए जाने के मामले पर चर्चा करने के लिए मेटा के एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने राजधानी में आईटी सचिव एस. कृष्णन से मुलाकात की। उनकी मुलाकात इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी होनी थी। अधिकारियों ने मौजूदा नियमों का सख्ती से पालन करने की जरूरत पर जोर दिया और प्लेटफॉर्म के कथित गलत इस्तेमाल की घटनाओं पर चिंता जताई, जिसमें प्रधानमंत्री की पोस्ट को मनमाने ढंग से हटाना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों को तुरंत हल करने की जरूरत है।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मेटा और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रतिनिधियों ने कहा कि उनके पास पहले से ही कड़े इंटरनल नियम और फैक्ट-चेकिंग सिस्टम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके प्लेटफॉर्म का जान-बूझकर या जानकारी के साथ कोई गलत इस्तेमाल नहीं होने दिया जाता। सूत्रों के अनुसार, यह मीटिंग का पहला दौर था और अगला दौर गुरुवार को होना है।

इससे पहले, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव को भेजे गए एक पत्र के अनुसार, समिति ने प्रधानमंत्री के भाषण को हटाए जाने के मामले को बहुत गंभीरता से लिया।

मुझे उन युवाओं पर गर्व है, प्रदर्शनकारियों से मिलकर बोले राहुल गांधी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि मैंने प्रोटेस्ट करने वाले युवाओं से मुलाकात की, जो अलग-अलग राज्यों से हैं। मैं उन युवाओं का धन्यवाद करना चाहता हूं, जिन्होंने एजुकेशन सिस्टम और संविधान की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी। इन्होंने किसी के साथ हिंसा नहीं की, लेकिन फिर भी इन्हें धमकाया जा रहा है, इनका उत्पीड़न हो रहा है। युवाओं का कहना है कि अन्याय चाहे किसी पर भी हो, हमें एक नागरिक के तौर पर उस व्यक्ति की रक्षा करनी चाहिए। मुझे उन सभी युवाओं पर गर्व है, जो अन्याय के खिलाफ खड़े हुए। युवाओं ने कुछ गलत नहीं किया है और उन्हें किसी से माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं है।

राहुल गांधी ने कहा कि हमने कुछ युवा प्रदर्शनकारियों के साथ खुलकर बातचीत की। उन्होंने बताया कि कैसे उन पर हमला किया गया, उन्हें पीटा गया और धमकाया गया। मुझे उन पर और उनके जैसे हजारों युवा भारतीयों ने जो किया है, उस पर बहुत गर्व है। उन्होंने संविधान की रक्षा की है। उन्होंने भारत के विचार और भारत के भविष्य की रक्षा की है। एक दोषपूर्ण और विफल शिक्षा प्रणाली की शिकायत करना कोई अपराध नहीं है, बल्कि इस प्रणाली को बदलने और सुधारने की जरूरत है। हम एक बेहतर शिक्षा प्रणाली, परीक्षा के पेपर लीक होने का अंत और अपने देश के युवाओं के लिए एक सुरक्षित भविष्य चाहते हैं। उनके घरों पर गुंडे भेजकर उनकी माफी स्वीकार करना सरासर बकवास है।

उन्होंने कहा कि युवा लोग भारतीय प्रेस के सामने खड़े हैं। यह साहस का काम है। ये युवा उत्पीड़न, हिंसा और यातना का सामना कर रहे हैं। मुझे गर्व है कि उनमें अपने मन की बात और अपने अनुभवों को व्यक्त करने का साहस है। इस देश को इसी तरह की युवा पीढ़ी की आवश्यकता है।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि छात्रों के खिलाफ हिंसा के लिए भारत के गृह मंत्री जिम्मेदार हैं। वह न तो संसद में आ रहे हैं और न ही इस घटना पर टिप्पणी कर रहे हैं। दो ??संभावनाएं हैं, उन्हें हिंसा की जानकारी नहीं थी, जिसका अर्थ है कि वे अक्षम हैं। उन्होंने छात्रों के खिलाफ हिंसा का आदेश दिया, जो उन्हें दोषी बनाता है। दोनों ही मामलों में वे जिम्मेदार हैं।

इस बीच एक छात्रा रिया अहीर ने कहा कि मैं वही लड़की हूं जिसने मुंबई में पुलिस की वैन को रोका था, और अब मेरे बारे में कई नैरेटिव चलाए जा रहे हैं। मैंने 20 बच्चों को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लिए जाने से रोका था। अब मुझे परेशान किया जा रहा है, जो कि एक क्राइम है। मैंने 27 जुलाई को पुलिस में शिकायत की थी, लेकिन आज 5 अगस्त है और अब तक एफआईआर नहीं हुई है। हालांकि, मुझे खुशी है कि मैं जिन युवाओं के लिए खड़ी हुई, आज वे मेरे साथ खड़े हैं।

झारखंड की रहने वाली नूतन टोप्पो ने कहा कि मैंने खुद देखा था कि हमारी तरफ पैलेट गन लगाकर रखी गई थी। मेरे पीछे मुड़ते ही गन फायर कर दिया गया, जिससे मुझे चोट आई थी। इसके बावजूद मुझे जब भी अन्याय के खिलाफ लड़ने का मौका मिलेगा, मैं जरूर लड़ूंगी।

नागपुर के रहने वाले भारत बनाईत ने कहा कि हमने धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा तो हमारे साथ इतनी बर्बरता की गई, अगर अमित शाह का इस्तीफा मांग लिया होता, तो शायद गोली मार दी जाती।

उत्तर प्रदेश की रहने वाली छात्रा फराह नाज ने कहा कि हम 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। उसी दौरान पुलिस ने हम पर लाठीचार्ज किया। उसके बाद पुलिस ने हमें हिरासत में रखा और हमें देशद्रोही कहा गया, लेकिन कोई कुछ भी सोचे, हम देश और अपने हक के लिए आवाज बुलंद करते रहेंगे।

ट्रंप के दावे 'विरोधाभासी' और 'भरोसे लायक नहीं', 106 बार हमारी हार का कर चुके हैं ऐलानः ईरानी सांसद

एजेंसी ■ तेहरान

पश्चिम एशिया संकट बरकरार है। ईरान और गल्फ देशों पर हमले रुके हुए हैं लेकिन कभी भी हमलों का दौर शुरू हो सकता है। ऐसा पारस्परिक विरोधी बयानों से जाहिर हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालिया बयान में फिर कहा है कि हमले कभी भी शुरू किए जा सकते हैं। अब ईरानी संसद की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी के एक सदस्य इस्माइल कोवसारी ने ट्रंप के तरीके को विरोधाभासी और भरोसे लायक नहीं माना है।

कोवसारी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तंज कसा है। उन्होंने कहा, 'ट्रंप ने 106 बार ईरान की हार और 88 बार तेहरान संग जल्द डील सील करने का दावा किया लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।' उनके अनुसार उनका तरीका 'विरोधाभासी' है और 'भरोसे के लायक नहीं' है।

कोवसारी ने ईरानी ब्रॉडकास्टर ने आगे कहा, 'ट्रंप ने 75 बार दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट खुला है, जबकि असल में ऐसा नहीं था। उन्होंने 106 बार 'ईरान की हार' का दावा किया और 88 बार तेहरान के साथ 'जल्द ही डील' होने का दावा किया।

ट्रंप ने एक दिन पहले ही कहा कि ईरान के साथ डील कुछ ही घंटों में हो सकती है, लेकिन तेहरान ने बार-बार वाशिंगटन के साथ सीधी बातचीत से इनकार किया है। इसके बाद फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट जल्द खुलेगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो ईरान को बहुत तगड़ा जवाब मिलेगा और उसके बाद स्ट्रेट खुल जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि 'अमेरिका द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा हमला करने की तैयारी में था।' लेकिन ईरान की ओर से बातचीत का संदेश मिलने के बाद उस कार्रवाई को फिलहाल रोक दिया गया।

इस बीच, बुधवार को आईआरआईबी ने कहा कि ओमान के साथ जहाजों की आवाजाही पर समझौता होने के बाद भी होर्मुज स्ट्रेट तुरंत नहीं खोला जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान और ओमान के बीच चल रही बातचीत सिर्फ दोनों देशों के बीच है और इसका अमेरिका से कोई संबंध नहीं है। 'ईरान-ओमान के बीच समझौता होने के बाद भी होर्मुज स्ट्रेट तभी खुलेगा, जब अमेरिका कथित उल्लंघन करना बंद करेगा।

राहुल गांधी को भाजपा का जवाब, मासूम बच्चों के कंधों पर बंदूक रखकर राजनीति न चमकाए कांग्रेस

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने पार्टी मुख्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल गांधी पर छात्र आंदोलन को लेकर झूठा नैरेटिव गढ़ने का आरोप लगाया।

भाजपा की प्रतिक्रिया राहुल गांधी की उस मीडिया वार्ता के तुरंत बाद आई, जिसमें उन्होंने जंतर-मंतर प्रदर्शन में शामिल कुछ छात्रों के साथ संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाए जाने का दावा किया था। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने राहुल गांधी के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उनको बेबुनियाद और झूठा करार दिया।

उन्होंने कहा कि अभी कुछ समय पहले राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उनके साथ कुछ बच्चे भी थे, जिन्होंने दिल्ली प्रोटेस्ट में भाग लिया, लेकिन बच्चे तो बच्चे होते हैं, मासूम होते हैं...और ये बच्चे पूरे देश के बच्चे हैं।

उन्होंने कहा कि इससे पहले भी इस मंच पर संसद के अंदर और संसद के बाहर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा था कि 20 जुलाई को दिल्ली में 'संसद चलो' प्रदर्शन के दौरान कोई फायरिंग नहीं हुई थी।

यूनुस ने हत्यारों को खुली छूट दीःशेख हसीना

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मीडिया से वर्चुअल बातचीत में कहा कि मैं उस व्यक्ति के रूप में बोल रही हूं जिसने अपना जीवन बांग्लादेश के लोगों के साथ बिताया और मुझे मेरे देश से दूर कर दिया गया, लेकिन मैं अपने लोगों से कभी अलग नहीं हुई। उन्होंने दो साल पहले हुए हिंसक प्रदर्शनों की निंदा की। मीडिया को संबोधित करते हुए शेख हसीना ने कहा कि पिछले दो सालों में मैंने अपने प्यारे बांग्लादेश को पीड़ित होते हुए देखा है।

'उनकी बातें सुनो, समझो कि वे क्यों चिल्ला रहे हैं', प्रदर्शनकारी छात्रों पर कार्रवाई की मांग पर : सीजेआई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शकारी छात्रों पर कार्रवाई की मांग पर सुनवाई के दौरान बुधवार को टिप्पणी करते हुए कहा कि छात्रों के विरोध प्रदर्शन से निपटते समय अधिकारियों को संयम बरतना चाहिए।

पीठ की अगुवाई कर रहे चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हमें सावधानी से आगे बढ़ना होगा ताकि युवा हिंसा में लिप्त न हों। बेहतर तरीका है कि हम उन्हें समझाएं और शांत करें। सबसे शक्तिशाली हथियार है उनकी बात सुनना। उनकी बात सुनें और समझने की कोशिश करें कि वे क्यों चिल्ला रहे हैं।

कोर्ट ने ये टिप्पणी बुधवार को विरोध प्रदर्शनों के आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान कीं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बाग्ची और वी. मोहना की पीठ ने इस नयी याचिका को भी नीट पेपर लीक के विरोध में जंतर मंतर और देश के अन्य हिस्सों में हुए प्रदर्शन में हिंसा और लाठीचार्ज आदि से संबंधित लंबित याचिकाओं के साथ सुनवाई के लिए संलग्न कर दिया।

पीठ ने कहा कि यह मामला पहले ही कोर्ट के समक्ष लंबित है तो उसी के साथ इस पर भी विचार किया जाएगा। इससे पहले याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने हिंसा करने वाले प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि 20 जुलाई की घटनाओं के लिए पुलिस और सरकार से जवाबदेही मांगी गई है लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी विरोध प्रदर्शन के आयोजकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

आयोजक लगातार भड़काऊ सार्वजनिक बयान दे रहे हैं और परिणामस्वरूप हुई हिंसा के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

वांगचुक की अपील पर देवेंद्रनाथ ने ग्रहण किया जल, अनशन जारी

एजेंसी ■ रांची

झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में चल रहे छात्रों के आंदोलन के बीच आमरण अनशन पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने बुधवार को चौथे दिन जल ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि देश के प्रख्यात इनोवेटर सोनम वांगचुक के साथ वीडियो कॉल पर बातचीत के बाद उनके आग्रह पर उन्होंने पानी पिया।

हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि आमरण अनशन और सत्याग्रह आंदोलन पहले की तरह जारी रहेगा। देवेंद्र महतो ने कहा कि सोनम वांगचुक ने आंदोलन के प्रति समर्थन, मार्गदर्शन और हौसला दिया। उन्होंने वांगचुक से रांची आकर आंदोलनरत छात्रों का मनोबल बढ़ाने का भी आग्रह किया। उधर, आंदोलन के बीच मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पहली बार इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार संवेदनशील है और छात्रों के साथ न्याय होगा। उन्होंने कहा था कि सरकार पूरे मामले को गंभीरता से देख रही है और जांच एजेंसियों की रिपोर्ट आने के बाद संवैधानिक दायरे में उचित निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा था, 'हम जिस समस्या के पीछे पड़ते हैं, उसे ठीक करके ही दम लेते हैं।

छात्र पिछले 12 दिनों से 14वीं जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने, जेपीएससी और जेएसएससी-सीजीएल समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच, ओएमआर शीट और मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं सार्वजनिक करने तथा भर्ती आयोगों में व्यापक सुधार की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं।

आंदोलनकारियों के एक गुट ने पहले ही घोषणा की है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो 6 अगस्त को झारखंड विधानसभा का घेराव किया जाएगा। इस बीच, कथित परीक्षा अनियमितताओं की जांच कर रही सीआईडी ने राज्य के विभिन्न जिलों में कई स्थानों पर छापेमारी कर लैपटॉप, मोबाइल फोन, बैंक दस्तावेज, ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री जब्त की है। इनकी जांच जारी है।

असम बाढ़ः जेपी नड्डा ने राहत शिविरों का किया दौरा, कहा– केंद्र से हर संभव मदद मिलेगी

विश्व केसरी■

गुवाहाटी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने बुधवार को असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर प्रभावित लोगों से मुलाकात की और भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए राज्य को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों के जीवन को फिर से पटरी पर लाने के लिए किसी भी तरह के संसाधनों की कमी नहीं आने दी जाएगी।

केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ शिवसागर जिले के बाढ़ प्रभावित बिहुबोर और नेपाली खुती क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ से प्रभावित परिवारों से बातचीत की और जमीनी हालात का जायजा लिया।

प्रभावित लोगों को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार असम के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा, 'भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से मैं मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और असम के सभी लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि राहत कार्यों के लिए धन या संसाधनों की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। केंद्र सरकार राज्य को पूरी वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है। नड्डा ने बताया कि केंद्र सरकार की टीमें पहले से ही बाढ़ से हुए नुकसान का विस्तृत आकलन कर रही हैं, ताकि पुनर्वास और पुनर्निर्माण का काम तेजी से पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राहत और पुनर्वास की प्रक्रिया में पूरी तरह सक्रिय है। शिवसागर जिले के बिहुबोर और नेपाली खुती क्षेत्रों में आई बाढ़ से भारी तबाही हुई है। सैकड़ों मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं, कृषि भूमि जलमग्न हो गई है और बड़ी संख्या में लोगों का पशुधन भी नष्ट हुआ है। बाढ़ के कारण सड़कें और अन्य सार्वजनिक ढांचा भी प्रभावित हुआ, जिससे कई परिवारों को राहत शिविरों और अस्थायी आश्रयों में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री ने राहत शिविरों में रह रहे विस्थापित परिवारों से मुलाकात की तथा उनके घर, घरेलू सामान, फसल और आजीविका को हुए नुकसान की जानकारी ली। दोनों नेताओं ने अधिकारियों से राहत एवं पुनर्वास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।

गौरतलब है कि असम सरकार बाढ़ प्रभावित जिलों में राहत कार्यों और नुकसान के आकलन का अभियान चला रही है। राज्य सरकार ने क्षतिग्रस्त मकानों, फसलों, पशुधन और आजीविका के नुकसान के लिए मुआवजा एवं वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही क्षतिग्रस्त सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की मरम्मत का काम भी जारी है।

केंद्र सरकार के इस आश्वासन से राज्य में चल रहे पुनर्वास कार्यों को और गति मिलने की उम्मीद है, ताकि बाढ़ प्रभावित हजारों परिवारों को जल्द से जल्द सामान्य जीवन में लौटने में मदद मिल सके।

अदालती कार्यवाही की मीडिया रिपोर्टिंग पर कोई असर नहीं पड़ेगा : सुप्रीम कोर्ट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि कोर्ट की कार्यवाही की ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग के इस्तेमाल को रेगुलेट करने वाले उसके हालिया अंतरिम आदेश से मान्यता प्राप्त समाचार संगठनों की रिपोर्टिंग पर पूरी तरह रोक नहीं लगती है। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी दोहराया है कि ऐसे संस्थान अपनी कवरेज में न्यायिक कार्यवाही के ऑडियो या वीडियो क्लिप का इस्तेमाल नहीं कर सकते।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने यह स्पष्टीकरण तब जारी किया, जब उन्होंने पाया कि देशभर में अदालती कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग और रिकॉर्डिंग के लिए एक समान व्यवस्था लागू करने की याचिका पर 24 जुलाई को दिए गए अंतरिम आदेश के पैराग्राफ 11 को लेकर 'कुछ भ्रम बना हुआ है सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच ने अपने पहले के निर्देशों का दायरा साफ करते हुए कहा, 'उक्त पैराग्राफ से यह स्पष्ट होता है कि इस आदेश का अर्थ यह नहीं लगाया जाना चाहिए कि मान्यता प्राप्त समाचार माध्यमों द्वारा अदालती कार्यवाही की रिपोर्टिंग पर पूरी तरह से रोक लगाई गई है। इसमें आगे कहा गया है कि ऐसे आउटलेट अदालती कार्यवाही की रिपोर्टिंग जारी रख सकते हैं और आम जनता को कानूनी घटनाक्रमों और अदालती फैसलों के बारे में जानकारी दे सकते हैं। ऐसी रिपोर्टिंग के दौरान अदालती कार्यवाही के ऑडियो या वीडियो क्लिप का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। संक्षेप में भले ही समाचार माध्यम अदालती कार्यवाही की रिपोर्टिंग जारी रखें, फिर भी वे पैराग्राफ 10 में बताई गई पाबंदियों से बंधे रहेंगे। इसके अनुसार, शीर्ष अदालत ने कहा कि उसके 24 जुलाई के आदेश का पैराग्राफ 11 'उस हद तक स्पष्ट हो गया है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने प्रतिवादियों को अपने जवाबी हलफनामे दाखिल करने के लिए चार हफ़्ते का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई 18 सितंबर के लिए तय की इससे पहले, 24 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि शीर्ष अदालत के सेक्रेटरी जनरल या संबंधित हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की पूर्व अनुमति के बिना न्यायिक कार्यवाही की ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग को सोशल मीडिया या किसी अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निकाला, फैलाया, उससे पैसे कमाए, पोस्ट, री-पोस्ट, अपलोड, ट्रांसमिट, उसमें बदलाव, स्टोर या होस्ट नहीं किया जा सकता है।

महाराष्ट्र में नकली पनीर पर एक साल का प्रतिबंध, एफडीए ने शुरू की सख्त कारवाई

विश्व केसरी■

मुंबई। खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने एनालॉग या नकली (नॉन-डेयरी) पनीर के निर्माण, भंडारण, वितरण, परिवहन और बिक्री पर तत्काल प्रभाव से पूरे राज्य में एक साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है।

मंगलवार को जारी नोटिफिकेशन में यह आदेश खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम (एफएसएस एक्ट), 2006 की धारा 30(2)(ए) के साथ धारा 18 और 29 के तहत जारी किया गया है। एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे के नेतृत्व में जारी आदेश का असर होटल, रेस्टोरेंट, कैटरिंग सर्विस और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों पर पड़ेगा। यह कदम महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा विधायक विक्रम पचपुते द्वारा राज्य में बढ़ते सिंथेटिक पनीर के कारोबार का मुद्दा बार-बार उठाने के बाद उठाया गया है। विधायक विक्रम पचपुते ने इस फैसले का स्वागत करते हुए एफडीए आयुक्त की सराहना की और कहा, ' 'यह कदम लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और खाद्य धोखाधड़ी पर रोक लगाने के लिए महत्वपूर्ण है।

झारखंड हाई कोर्ट ने सरकार की बुलडोजर कार्रवाई को ठहराया गलत, दुकानदार को मुआवजा देने का आदेश

विश्व केसरी■

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए एक दुकान को प्रशासन द्वारा बुलडोजर से ध्वस्त किए जाने के मामले में राज्य सरकार को बड़ा झटका दिया है। चीफ जस्टिस एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने सरकार की अपील खारिज करते हुए दुकानदार को मुआवजा देने के कोर्ट की एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखा है।

कोर्ट ने कहा कि प्रशासन ने बिना कानूनी अधिकार के दुकान ध्वस्त किया। यह सरकारी शक्ति का गलत इस्तेमाल था। मुख्य न्यायाधीश चतरा के उपायुक्त को एक सप्ताह के भीतर दुकानदार को देय मुआवजे की 5.25 लाख रुपये की राशि हाईकोर्ट की रजिस्ट्री में जमा कराने का निर्देश दिया है।

अदालत ने कहा कि तय समय में राशि जमा कराने की व्यक्तिगत जिम्मेदारी उपायुक्त की होगी। राशि जमा होने के बाद दुकानदार अपनी पहचान और बैंक खाते की जानकारी देकर यह रकम प्राप्त कर सकेंगे। मामला चतरा निवासी राजेंद्र प्रसाद साहू उर्फ राजेंद्र प्रसाद शौंडिक की दुकान से जुड़ा है। उन्होंने वर्ष 2011 में हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे के मुद्दे पर एनएचएआई की कार्रवाई, कंपनी को जारी किया नोटिस

विश्व केसरी■

लखनऊ। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर समस्याओं की पहचान के बाद एनएचएआई ने ठेकेदार, अभियंता और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। प्रभावित हिस्से को बहाल करने और गुणवत्ता आश्वासन तंत्र को मजबूत करने के लिए तत्काल सुधारात्मक उपाय भी शुरू कर दिए गए हैं। फिलहाल, इस स्थान पर यातायात को डायवर्ट किया गया है और सुचारू रूप से चल रहा है। कुल 63 किलोमीटर लंबाई वाले एक्सप्रेसवे में से 26 जुलाई 2026 को किलोमीटर 64 (दाहिनी ओर) के पास लगभग 300 मीटर का भूस्खलन देखा गया। एनएचएआई ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मरम्मत कार्य शुरू किया और प्रभावित क्षेत्र का व्यापक तकनीकी मूल्यांकन करने का आदेश दिया। साथ ही, परियोजना के क्रियान्वयन और पर्यवेक्षण में कमियों के लिए जिम्मेदार पाए गए सभी हितधारकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

आर्टिकल 370 हटाए जाने के सात साल : जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में निकली भव्य तिरंगा रैली

उधमपुर । जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने के सात साल पूरे होने पर बुधवार को उधमपुर में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने के उद्देश्य से युवाओं और छात्रों ने 200 मीटर लंबे राष्ट्रीय ध्वज के साथ भव्य तिरंगा रैली निकाली। रैली में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और हाथों में तिरंगा लेकर देश की एकता, अखंडता और संविधान के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की।

रैली का उद्देश्य 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार द्वारा किए गए संवैधानिक बदलावों को याद करना और युवाओं के बीच राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना था। रैली रामनगर चौक से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए सलेतला तक पहुंची और फिर वापस अपने प्रारंभिक स्थान पर समाप्त हुई।

न्यायालय तहसीलदार बलौदाबाजार
जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

रा.प्र.क. अ/20 (1) वर्ष 2025-2026
ग्राम बलौदाबाजार प.ह.नं. 15

// ईश्तहार //

सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक पवन जैन पिता नेमीचंद जैन निवासी ग्राम बलौदाबाजार तहसील बलौदाबाजार जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) द्वारा नगर बलौदाबाजार प.ह.नं. 15 नवापारा स्थित नजूल भूमि शीट नं. 14 डी प्लाट नं. 138/4 क्षेत्रफल 1828 वर्गफीट 'भूमि भू-भाटक 40.00 (मकान) रूपये, जो कि धारक रमेश, महेन्द्र, पवन, दिनेश, शकुन्तला देवी, सरला देवी, सरोज देवी पिता नेमीचंद जैन सा. बलौदाबाजार के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। लीज/पट्टा अवधि दिनांक 31/03/1995 को समाप्त होना उल्लेखित करते हुए नवीनीकरण किये जाने हेतु शपथं पत्र एवं मेनटेनेंस खसरा की प्रतिलिपि सहित आवेदन पत्र नजूल अधिकारी (रा.) बलौदाबाजार से प्रकरण अग्रिम कार्यवाही हेतु प्राप्त हुआ है। जो इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है।

उक्त भूमि का नवीनीकरण किये जाने से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा-आपत्ति करना हो तो स्वयं अथवा किसी अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 18/08/2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद दावा-आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 03/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
बलौदाबाजार

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्र. / 34112..../ न. पा. नि. जोन के 6/2026
रायपुर, दिनांक 05-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34112
वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR455500006** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **Samaru** पिता / पति श्री/ श्रीमती **Ramaratan** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **Laxmin Bai Dhiwar, Satish Kumar Dhiwar, Sandeep Dhiwar** पिता / पति श्री/श्रीमती **c/o Shyamshundar Dhiwar** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **Sahmati Patra** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (6) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-: : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्र. / 34114..../ न. पा. नि. / जोन के 6/2026
रायपुर, दिनांक 05-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34114
वार्ड का नाम 59 मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 59 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR653000137** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **MUKESH KUMAR BHATIA** पिता / पति श्री/श्रीमती **SARDARI LAL BHATIA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती... **NASIM BANO** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O A. KADIR MEMON** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (6) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. / 34042..../ न. पा. नि. जोन के 9/2026
रायपुर, दिनांक 04-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34042
वार्ड का नाम 11- डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227T0299F** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **SHIV DUBEY** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE RAMRAJ DUBEY** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / रंजीतसिंह सिधु पिता/पति श्री श्रीमती खजानसिंह सिधू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. / 34041..../ न. पा. नि. जोन के 9/2026
रायपुर, दिनांक 04-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34041
वार्ड का नाम - 11 - डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR22700058G** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **HEMANT KUMAR BHARATDWAJ** पिता/पति श्री श्रीमती **GHASI RAM BHARATDWAJ** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती अहिल्या वर्मा पिता/पति श्री श्रीमती भगवान सिंह वर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34040..../ न. पा. नि. जोन के 9/2026
रायपुर, दिनांक 04-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34040
वार्ड का नाम 7-कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226E0101B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **OM PRAKASH, BIRBAL, CHANDRIKA, UTTAM** पिता/पति श्री श्रीमती **LT. GANGARAM SARVA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / **उत्तम कुमार सार्वा** पिता/पति श्री श्रीमती **स्व. गंगाराम सार्वा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, आपसी बटवारा नामा, टैक्स रसीद / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34039..../ न. पा. नि. जोन के 9/2026
रायपुर, दिनांक 04-08-2026

इश्तिहार
नामातरण प्र.क्र. 34039
वार्ड का नाम 7-कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR226E0101A जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **OM PRAKASH, BIRBAL, CHANDRIKA, UTTAM** पिता / पति श्री श्रीमती **LT. GANGARAM SARVA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री **बीरबल प्रसाद सार्वा** पिता/पति श्री श्रीमती स्व. गंगाराम सार्वा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, आपसी बटवारा नामा, टैक्स रसीद / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /33996..../ न. पा. नि. जोन के 9/2026
रायपुर, दिनांक 04-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33996
वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RP R227N00766** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DHANESHWAR PRASHAD VERMA** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE MANGLU RAMVERMA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री **ललित वर्मा** पिता/पति श्री **पिताम्बर वर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /33948..../ न. पा. नि. जोन के 9/2026
रायपुर, दिनांक 04-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33948
वार्ड का नाम 7-कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226E00067** जो की निगम अभिलेख श्री / **HARI RAM DIMAR** पिता/पति श्री **LATE FERAHU RAM DIMAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री **उराज धीवर** पिता पति श्री **हरिराम** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, दानपत्र, टैक्स रसीद / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /33849..../ न. पा. नि. जोन के 9/2026
रायपुर, दिनांक 04-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33849
वार्ड का नाम 7-कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226A00208** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PREMLATA AGRAWAL** पिता/पति श्री श्रीमती **JAIPRAKASH AGARWAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **जीतेश्वरी साहू** पिता / पति श्री/ **संजय कुमार साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत हक त्याग विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /33785..../ न. पा. नि. जोन के 9/2026
रायपुर, दिनांक 04-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33785
वार्ड का नाम 7-कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226ZA0290** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **PREETI JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **SUBODH JAIN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **राजकुमारी निषाद** पिता/पति श्री/ **गणेशराम निषाद** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
-:: संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर :: -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....33902..../ न. पा. नि. / जोन क्र 1/2008, दिनांक 05-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33902
वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई, डी. **RPR803H0490A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **Kartik barle** पिता / पति श्री/श्रीमती **Sukhram** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / **Dheeraj barle** पिता / पति श्री/ **Kartik ram barle** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुरः-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /.33557..../ न. पा. नि. / जोन क्र 1/2008, दिनांक 05-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33557
वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR803G00043** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RAJKUMAR SAHU** पिता / पति श्री/ श्रीमती **BISHAT SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती **BISHAT SAHU** पिता / पति श्री/ **KEJAU RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार **/Sapth patr** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुरः-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /33923..../ न. पा. नि. जोन के 1/2026
रायपुर, दिनांक 05-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33923
वार्ड का नाम 17-ठक्कर बापा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR108A00389** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **NARENDRA KUMAR SAHU** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE ABHIMANYOO SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती **SABITA KUMARI** पिता/पति श्री **W/O RAKESH KUMAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुरः-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /33922...../ न. पा. नि. जोन के 1/2026
रायपुर, दिनांक 05-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33922
वार्ड का नाम 17-ठक्कर बापा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR109D00635** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **MOHAN LAL PATEL** पिता/पति श्री/श्रीमती **PREMJI PATEL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / **PRAKASH CHAND JOSHI** पिता/पति श्री **S/O LATE. RAMKISHORE JOSHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया कार्यकर्ताओं से संवाद

500 कार्यकर्ता पहुँचे सहयोग केन्द्र, आवेदनों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

विश्व केसरी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में बुधवार को सहयोग केंद्र में प्रदेश सरकार के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने प्रदेशभर से पहुँचे पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। सहयोग केंद्र में अपनी बात और समस्याएँ रखने के लिए प्रदेशभर से लगभग 500 कार्यकर्ता पहुँचे थे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं से कुल 176 आवेदन प्राप्त हुए।

उच्च शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने सभी आवेदनों पर बेहद गंभीरता, सार्थक और समाधानकारी दृष्टिकोण के साथ विचार-विमर्श किया। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को इन सभी आवेदनों के त्वरित, निष्पक्ष और पारदर्शी निराकरण के निर्देश दिये।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मंत्री शिवनाथ यादव एवं सहयोग केंद्र प्रभारी सच्चिदानंद उपासने मौजूद रहे।

डीजी जेल हिमांशु गुप्ता ने बिलासपुर केंद्रीय जेल का किया आकस्मिक निरीक्षण

विश्व केसरी

रायपुर महानिदेशक (डीजी जेल) हिमांशु गुप्ता द्वारा आज बिलासपुर स्थित केंद्रीय जेल का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया, कैदियों की समस्याएं सुनीं और जेल के सुदृढ़ीकरण तथा कैदियों के कल्याण हेतु विभिन्न आधुनिक सुविधाओं की स्वीकृति प्रदान की।

निरीक्षण के दौरान डीजी जेल श्री हिमांशु गुप्ता ने एक अनोखी पहल करते हुए कैदियों की अंग्रेजी की क्लास ली और उन्हें पढ़ाई तथा भाषा सुधार से जुड़े महत्वपूर्ण टिप्स दिए। इसके साथ ही उन्होंने कैदियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

जेल को मिलीं ये नई सुविधाएं एवं स्वीकृतियां

जेल में उद्योग संचालन के लिए कलर ऑफसेट प्रिंटिंग मशीन तथा एलईडी बल्ब एवं ट्यूबलाइट निर्माण हेतु मशीन सेटअप की स्वीकृति दी गई। कैदियों की शिक्षा के लिए स्मार्ट बोर्ड तथा जेल लाइब्रेरी के लिए प्रमुख अंग्रेजी समाचार पत्रों (टाइम्स ऑफ इंडिया, इंडियन एक्सप्रेस, हितवाद आदि) की उपलब्धता। कैदियों के लिए 20 नग आरओ वाटर प्यूरीफायर, पाकशाला (रसोई) हेतु ऑटोमेटिक रोटी मेकर मशीन तथा कैदियों के लिए 2,000 थाली सेट की व्यवस्था के निर्देश दिए। महिला जेल परिसर के लिए इन्वर्टर की स्वीकृति शामिल हैं। इस निरीक्षण के दौरान डीआईजी जेल एस.एस. तिग्गा, जेल अधीक्षक खोमेश मंडावी, जेल चिकित्सक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ. सचिन्द्र गोटा और दो नर्सों का निलंबन वापस लेने की मांग, स्वास्थ्य मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर। शासकीय अस्पताल भानुप्रतापपुर में पदस्थ डॉ. सचिन्द्र गोटा एवं दो महिला स्टाफ नर्सों के निलंबन के विरोध में स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, कलेक्टर कांकेर तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नाम अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भानुप्रतापपुर के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर निलंबन आदेश निरस्त करने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि हाल ही में जच्चा-बच्चा की मृत्यु के मामले में सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों में भ्रामक जानकारी प्रसारित होने के बाद शासकीय अस्पताल के डॉक्टर और स्टाफ नर्सों पर निलंबन की कार्रवाई की गई, जबकि वास्तविक स्थिति इससे अलग थी।

ज्ञापन के अनुसार, शासकीय अस्पताल के चिकित्सकीय दल ने मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए समय पर जांच कर उसे उच्च चिकित्सा केंद्र (हायर सेंटर) रेफर किया था। इसके बावजूद परिजन मरीज को निजी गौतम अस्पताल ले गए, जहां कथित रूप से विशेषज्ञ चिकित्सक की अनुपस्थिति और अप्रशिक्षित स्टाफ द्वारा सामान्य प्रसव कराने के दौरान जच्चा-बच्चा की मृत्यु हो गई।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि मामले की मुख्य लापरवाही निजी अस्पताल की थी, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल निजी अस्पताल के डिलीवरी वार्ड को सील किया गया, जबकि अपने कर्तव्य का पालन करने वाले शासकीय अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया।

ज्ञापन सौंपने वालों ने स्वास्थ्य मंत्री एवं जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर डॉ. सचिन्द्र गोटा और दोनों स्टाफ नर्सों का निलंबन तत्काल निरस्त करने तथा दोषियों के विरुद्ध तथ्यों के आधार पर कार्रवाई करने की मांग की है।

अनवर ढेबर को सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

विश्व केसरी

रायपुर। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ के कारोबारी अनवर ढेबर को अंतरिम जमानत देते हुए राज्य से बाहर रहने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड से जुड़े बहुचर्चित कथित शराब घोटाला मामले में कारोबारी अनवर ढेबर को अंतरिम जमानत दे दी है। देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी को यह राहत प्रदान की।

हालांकि, अदालत ने जांच एजेंसी और अभियोजन पक्ष की उस दलील को स्वीकार कर लिया, जिसमें गवाहों को प्रभावित किए जाने की आशंका जताई गई थी। इसके मद्देनजर शीर्ष अदालत ने ढेबर को जमानत अवधि के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य की सीमाओं से बाहर रहने का स्पष्ट निर्देश दिया है।

जमानत की शर्तें

सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार किया। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि अनवर ढेबर को छत्तीसगढ़ से बाहर अपना नया पता और संपर्क नंबर संबंधित जांच अधिकारियों को तुरंत उपलब्ध कराना होगा।

अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया था कि यदि आरोपी राज्य में मौजूद रहता है, तो वह मामले से जुड़े महत्वपूर्ण गवाहों और सबूतों से छेड़छाड़ करने या उन्हें प्रभावित करने का प्रयास कर सकता है। इसी आशंका को ध्यान में रखते हुए पीठ ने आरोपी की स्वतंत्रता और निष्पक्ष जांच के बीच संतुलन बनाते हुए राज्य बदर की यह शर्त रखी है।

छत्तीसगढ़ में संदिग्ध पनीर की बड़ी खेप जब्त

600 किलो संदिग्ध पनीर, बिना बुकिंग अंबिकापुर भेजने की थी तैयारी

विश्व केसरी

रायपुर। रेलवे स्टेशन पर खाद्य सुरक्षा विभाग और रेलवे सुरक्षा बल (RPF) की संयुक्त कार्रवाई में पिछले 24 घंटे के भीतर करीब 600 किलो संदिग्ध पनीर जब्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ में एनालॉग (संदिग्ध/नकली) पनीर पर लगे प्रतिबंध के बावजूद इसकी अवैध तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है। रायपुर रेलवे स्टेशन पर खाद्य सुरक्षा विभाग और रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त कार्रवाई में पिछले 24 घंटे के भीतर करीब 600 किलो संदिग्ध पनीर जब्त किया गया है। इतिहास मिली जानकारी के अनुसार, इसमें से 100 किलो पनीर बिना किसी रेलवे बुकिंग के लिंक एक्सप्रेस के जरिए अंबिकापुर भेजने की तैयारी थी।

अमरकंटक एक्सप्रेस से पहुंची 500 किलो की खेप

वहीं, भोपाल से अमरकंटक एक्सप्रेस के जरिए रायपुर पहुंची 500 किलो की एक अन्य संदिग्ध खेप को भी अधिकारियों ने रोककर अपने कब्जे में ले लिया। प्लेटफॉर्म पर रखी पेटियों पर न तो कोई बारकोड था और न ही रेलवे का लेबल, जिससे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कार्रवाई के दौरान टीम ने कटनी निवासी प्रांशु राय नाम के युवक को हिरासत में लिया है। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि वह आशीष जायसवाल नामक व्यक्ति के कहने पर बिना बुकिंग पनीर ट्रेन में चढ़ाने आया था। युवक के मोबाइल की जांच में सौरभ शर्मा और आशीष जायसवाल के साथ पनीर सप्लाई से जुड़ी लंबी बातचीत और चैट रिकॉर्ड मिले हैं।

सैंपल लैब जांच के लिए भेज दिया

खाद्य सुरक्षा विभाग ने जब्त पनीर के सैंपल लेकर लैब जांच के लिए भेज दिए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगा कि पनीर एनालॉग (नकली) है या मानक के अनुरूप।

कार की चपेट में आने से स्कूटी सवार भाई - बहन की मौत

विश्व केसरी

जांजगीर चांपा। बलौदा थाना क्षेत्र से दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। ग्राम जावलपुर में हुए भीषण सड़क हादसे में भाई-बहन की मौत हो गई। मृतकों की पहचान 21 वर्षीय खुशी और 34 वर्षीय विनोद कुमार के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि दोनों भाई-बहन दहकोनी से जावलपुर की ओर आ रहे थे। इसी दौरान जावलपुर मेन रोड पर तेज रफ्तार और लापरवाही से कार चला रहे चालक ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बलौदा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिए हैं।

वहीं, हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पैरी नदी के उफान से खड़ी फसल को नुकसान , किसान परेशान

विश्व केसरी

गरियाबंद। गरियाबंद जिला में पिछले दिनों हुई लगातार बारिश के कारण जिला में पैरी नदी उफान पर थीं। वहीं सिकासेर जलाशय से भी 44000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। पैरी नदी की धार तेज गति से बहती हुई खेतों में जा घुसी किसान परेशान हैं।भीषण बारिश के बाद पैरी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ ने तर्रा,कुरुस्केरा,कुटेना, सरकड़ा,कोपरा गांव के किसानों की वर्षों की मेहनत पर पानी फेर दिया।

बाढ़ का पानी उतरने के बाद जो तस्वीर सामने आई उसने हर किसी को झकझोर दिया। जहां कुछ दिन पहले तक धान की लहलहाती फसलें किसानों के सुनहरे भविष्य की उम्मीद थीं।वहां आज चारों ओर केवल रेत ही रेत नजर आ रही है।हालात इतने खराब हैं कि कई किसान अपनी ही कृषि भूमि को पहचान नहीं कर पा रहे हैं।बताया जा रहा है कि भारी बारिश के बाद सीकासार जलाशय से पानी छोड़े जाने के पश्चात पैरी नदी उफान पर आ गया था।तेज बहाव के कारण तटबंध टूट गया और बाढ़ का पानी सीधे खेतों में घुस गया।पानी उतरने के बाद खेतों पर मोटी रेत की परत जम गई।जिससे सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि खेती योग्य नहीं रह गई। पैरी नदी में आए बाढ़ से लगभग 150 एकड़ कृषि जमीन को निगल गया है।बढ़ में सबसे ज्यादा कोपरा और तर्रा गांव के किसानों की आंखों में बेबसी और दर्द साफ दे राह हैं।खेतों में खड़ी फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी और उपजाऊ मिट्टी की जगह रेत का विशाल मैदान नजर आ रहा था।किसानों का कहना है कि उन्होंने अपने जीवन में कभी ऐसी तबाही नहीं देखी।किसान नागेश सेन ने बताया कि वे लगभग तीन एकड़ भूमि में धान की खेती करते हैं।इस वर्ष अच्छी फसल की उम्मीद थी।लेकिन बाढ़ ने सब कुछ खत्म कर दिया।अब खेत इतनी रेत से पट गया है कि वे स्वयं अपनी जमीन की सीमाएं नहीं पहचान पा रहे हैं।किसान नंदू तारक ने कहा कि उनके परिवार की आजीविका पूरी तरह खेती पर निर्भर है।फसल के साथ-साथ उनकी कृषि भूमि भी रेत में दब गई है। उन्होंने शासन से फसल क्षति का उचित मुआवजा देने और खेतों से रेत हटाने की विशेष योजना बनाने की मांग की।ग्राम तर्रा के किसान रिपुसुदन निर्मलकर ने कहा कि खेती ही उनके परिवार का एकमात्र सहारा है। अब जब खेत ही रेत में दब गया है।तो पूरा परिवार गहरे सदमे में है और भविष्य की चिंता सता रही है।150 एकड़ से अधिक कृषि भूमि प्रभावित ग्राम पंचायत तर्रा के सरपंच प्रतिनिधि टुकेश साहू ने बताया कि तर्रा और कोपरा की सरहद से लगे क्षेत्र में लगभग 150 एकड़ से अधिक कृषि भूमि बाढ़ से प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि पंचायत किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है।शासन-प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों से किसानों को न्याय दिलाने की मांग करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर किसानों के हित में आंदोलन भी किया जाएगा।उपसरपंच प्रतिनिधि रोहित सेन ने कहा कि किसानों को भारी नुकसान हुआ है। खेतों में इतनी रेत भर गई है कि अब वहां खेती करना संभव नहीं रह गया है।

चार आदतन अपराधी जिलाबदर

विश्व केसरी

बलौदाबाजार। जिले में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आदतन अपराधियों को एक वर्ष के लिए जिलाबदर कर दिया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा पारित आदेश के अनुसार चारों आरोपियों को 24 घंटे के भीतर बलौदाबाजार-भाटापारा सहित सीमावर्ती जिलों की सीमा छोड़नी होगी। आदेश का उल्लंघन करने पर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 3 एवं 5(ख) के तहत यह कार्रवाई की गई है। आदेश के अनुसार जिलाबदर अवधि के दौरान संबंधित आरोपी बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बलौदाबाजार-भाटापारा सहित बिलासपुर, रायपुर, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, मुंगेली, महासमुंद, सक्ती, बेमेतरा तथा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

जिलाबदर किए गए आरोपियों में राकेश डहरे उर्फ मंगलू निवासी ग्राम लिमतरा थाना सिमगा, मदन ओगरे निवासी ग्राम गाडाकुसमी थाना पलारी, रामकुमार साहू निवासी हडहापारा कसडोल थाना कसडोल तथा पवन कुर्रे निवासी वार्ड क्रमांक-3 लवन थाना लवन शामिल हैं। रिकॉर्ड के अनुसार राकेश डहरे वर्ष 2010 से मारपीट और जुआ जैसे अपराधों में संलिप्त रहा है। उसके खिलाफ मारपीट एवं जुआ अधिनियम के तहत 13 आपराधिक प्रकरण तथा 5 प्रतिबंधात्मक कार्रवाई दर्ज हैं।

मदन ओगरे वर्ष 2007 से अवैध शराब बिक्री से जुड़े मामलों में लगातार संलिप्त पाया गया है। उसके विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत 9 प्रकरण और 4 प्रतिबंधात्मक कार्रवाई दर्ज है।रामकुमार साहू वर्ष 2022 से अवैध रूप से शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने के मामलों में आरोपी रहा है। उसके खिलाफ 13 आपराधिक प्रकरण और 6 प्रतिबंधात्मक कार्रवाई दर्ज है।

वहीं पवन कुर्रे वर्ष 2010 से मारपीट, जुआ, चोरी और अवैध शराब बिक्री जैसे मामलों में संलिप्त रहा है। उसके विरुद्ध 6 आपराधिक प्रकरण तथा 14 प्रतिबंधात्मक कार्रवाई दर्ज होने का उल्लेख आदेश में किया गया है। प्रशासन का मानना है कि इन आदतन अपराधियों की गतिविधियां क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और आमजन की सुरक्षा के लिए चुनौती बन रही थीं।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस ने तेज किया अभियान, बूथ स्तर तक जनआंदोलन की रणनीति तैयार

विश्व केसरी

बलौदाबाजार। शहर कांग्रेस कमेटी ने स्मार्ट मीटर के विरोध को लेकर अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। बुधवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित संगठनात्मक बैठक में पार्टी नेताओं ने स्मार्ट मीटर के खिलाफ चल रहे जनसमर्थन अभियान की समीक्षा करते हुए इसे वार्ड और बूथ स्तर तक व्यापक रूप से पहुंचाने का निर्णय लिया। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आगामी जनहित के मुद्दों पर आंदोलन की रणनीति भी तैयार की गई।

बैठक की अध्यक्षता शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सेन ने की। बैठक में कहा गया कि स्मार्ट मीटर के विरोध में चल रहे जनसमर्थन प्रपत्र अभियान को प्रत्येक वार्ड और बूथ तक पहुंचाया जाएगा तथा अधिक से अधिक नागरिकों को इससे जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। कार्यकर्ताओं से घर-घर पहुंचकर जनसमर्थन जुटाने और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने का आह्वान किया गया।

बैठक में संगठन की मजबूती, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा आगामी जनआंदोलनों को प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। नेताओं ने कहा कि आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस सड़क से लेकर संगठन तक सक्रिय भूमिका निभाएगी।

इस दौरान छत्तीसगढ़ के पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता महेंद्र कर्मा की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

वक्ताओं ने उनके संघर्ष, साहस और जनसेवा को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प व्यक्त किया।

बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया। संगठन के विस्तार, जनसंपर्क अभियान और विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर कांग्रेस की सक्रियता बढ़ाने पर सहमति बनी।

बैठक में पूर्व पाठ्य पुस्तक निगम अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राकेश वर्मा, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यदु, ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष दीपक साहू, नेता प्रतिपक्ष सलमान शेख, उपाध्यक्ष डिगेश्वरी रविंद्र नामदेव, संतोष तिवारी, संदीप पांडे, लता साहू, मोहन साहू, नीरज बांधे, गेवेंद्र साहू, सुखदेव साहू, दिगंबर प्रसाद साहू, पंकज मारईया, पार्षद सुभाष राव, गोविंद पात्रे, सुरेश धृत लहरे, मनोज तिवारी, अमन तिवारी, रेशम लाल कुर्रे, संजय साहू, ज्योतिराम साहू, पवन दास मानिकपुरी, शाश्वत यादव, हेमंत ठाकुर, जय सिंह ठाकुर, रामखेलावन पटेल सहित शहर कांग्रेस के पार्षद, छाया पार्षद, मंडल अध्यक्ष, वरिष्ठ नेता एवं बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जंगली भालू के हमलें में दो लोगों की मौत, ग्रामीण में दहशत

विश्व केसरी

कांकेर। मरकाटोला गांव में मादा भालू ने ग्रामीणों पर हमला कर दिया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। वहीं एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीणों में भय का माहौल है। वहीं एक वीडियो भी सामने आया है जिसमे भालू एक ग्रामीण को नोचते दिखाई दे रहा है।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हालात पर नजर बनाए हुए है। बताया जा रहा है कि भालू अभी भी गांव के आसपास मौजूद है, जिससे ग्रामीणों को घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी जा रही है। वन विभाग की टीम भालू की तलाश और उसे सुरक्षित रेस्क्यू करने के प्रयास में जुटी हुई है। फिलहाल पूरे मामले पर नजर रखी जा रही है।

संपादकीय

क्या हिरोशिमा की त्रासदी से मानव ने कोई सबक सीखा है?

आचार्य ललित मुनि

जापान के शहर हिरोशिमा पर 6 अगस्त 1945 पहला परमाणु बम गिराया गया। तीन दिन बाद 9 अगस्त को नागासाकी भी परमाणु हमले का शिकार बना। कुछ ही क्षणों में लाखों लोगों का जीवन बदल गया। हजारों लोग तत्काल मारे गए और आने वाले वर्षों तक विकिरण के कारण लाखों लोग कैंसर, जन्मजात विकृतियों और गंभीर बीमारियों से जूझते रहे। यह केवल दो शहरों का विनाश नहीं था, बल्कि मानव विवेक, विज्ञान और नैतिकता की सबसे बड़ी परीक्षा थी।

हिरोशिमा दिवस प्रत्येक वर्ष हमें यही प्रश्न पूछने के लिए विवश करता है कि क्या मानव ने इस त्रासदी से वास्तव में कोई सबक सीखा है। यदि उत्तर केवल युद्ध न होने तक सीमित है, तो शायद कुछ सीख मिली है। लेकिन यदि उत्तर मानवता, शांति और परमाणु हथियारों से मुक्त विश्व के संदर्भ में खोजा जाए, तो यह प्रश्न आज भी पूरी तरह अनुत्तरित दिखाई देता है।

द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम चरण में संयुक्त राज्य अमेरिका ने हिरोशिमा पर 'लिटिल बॉय' और नागासाकी पर 'फैट मैन' नामक परमाणु बम गिराए। इन विस्फोटों ने कुछ ही सेकंड में पूरे शहर को राख में बदल दिया। अनुमान है कि वर्ष 1945 के अंत तक हिरोशिमा में लगभग एक लाख चालीस हजार और नागासाकी में लगभग सत्तर हजार लोगों की मृत्यु हो चुकी थी। इनमें अधिकांश सामान्य नागरिक थे। यह घटना बताती है कि आधुनिक युद्ध केवल सैनिकों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनका सबसे बड़ा मूल्य आम नागरिक चुकाते हैं।

यह विडंबना है कि जिस विज्ञान का उद्देश्य मानव जीवन को बेहतर बनाना था, उसी विज्ञान का उपयोग मानव इतिहास के सबसे बड़े विनाश के लिए किया गया। विज्ञान स्वयं न तो नैतिक होता है और न अनैतिक। उसका स्वरूप इस बात पर निर्भर करता है कि उसका उपयोग किस उद्देश्य से किया जाता है। परमाणु ऊर्जा बिजली भी दे सकती है और वही ऊर्जा एक पूरे नगर को समाप्त भी कर सकती है। इसलिए विज्ञान के साथ नैतिक विवेक का होना अनिवार्य है।

हिरोशिमा की त्रासदी के बाद विश्व समुदाय ने शांति की आवश्यकता को अधिक गंभीरता से समझा। संयुक्त राष्ट्र की भूमिका मजबूत हुई। परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने के लिए अनेक अंतरराष्ट्रीय संधियां बनीं। परमाणु अप्रसार संधि, व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि जैसी पहलें इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। अनेक देशों ने निरस्त्रीकरण की मांग भी की। यह मानवता द्वारा सीखा गया एक महत्वपूर्ण सबक था।

लेकिन दूसरी ओर वास्तविकता यह भी है कि परमाणु हथियार समाप्त नहीं हुए। आज भी विश्व के कई देशों के पास हजारों परमाणु हथियार मौजूद हैं। अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल जैसे देशों के परमाणु कार्यक्रम यह बताते हैं कि सुरक्षा और शक्ति की राजनीति अभी भी समाप्त नहीं हुई है। शीत युद्ध भले समाप्त हो गया हो, किंतु परमाणु प्रतिरोध की नीति आज भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति का हिस्सा बनी हुई है।

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष तथा पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने यह चिंता और गहरी कर दी है कि यदि किसी भी स्तर पर परमाणु हथियारों का प्रयोग हुआ, तो उसका प्रभाव केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहेगा। पूरा विश्व उसके परिणाम भुगतेगा। इसलिए हिरोशिमा की चेतावनी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी वर्ष 1945 में थी।

भारतीय चिंतन इस विषय पर एक अलग दृष्टि प्रस्तुत करता है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा शक्ति के साथ संयम की भी शिक्षा देती है। उपनिषदों का 'शान्तिः शान्तिः शान्तिः ', बुद्ध का करुणा मार्ग, भगवान महावीर का अहिंसा सिद्धांत और महात्मा गांधी का सत्य तथा अहिंसा का दर्शन यह बताते हैं कि स्थायी विजय हथियारों से नहीं, बल्कि विश्वास और संवाद से प्राप्त होती है।

महात्मा गांधी ने कहा था कि 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' हिरोशिमा की घटना इस कथन को प्रत्यक्ष रूप से सत्य सिद्ध करती है। युद्ध का प्रतिशोध यदि सामूहिक विनाश में बदल जाए, तो विजेता और पराजित दोनों अंततः मानवता के सामने हार जाते हैं।

रवीन्द्रनाथ टैगोर ने भी विज्ञान और सभ्यता के संबंध में चेतावनी दी थी कि यदि नैतिक चेतना का विकास नहीं होगा, तो भौतिक प्रगति मनुष्य के लिए संकट बन सकती है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी और परमाणु विज्ञान के युग में यह विचार पहले से अधिक प्रासंगिक हो गया है। तकनीक जितनी शक्तिशाली होती जाएगी, नैतिक उत्तरदायित्व भी उतना ही बढ़ेगा। हिरोशिमा हमें पर्यावरण के बारे में भी सोचने के लिए विवश करता है। परमाणु विस्फोट केवल मनुष्यों को ही नहीं मारता, बल्कि मिट्टी, जल, वनस्पति और समूचे पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित करता है। विकिरण का प्रभाव दशकों तक बना रहता है। इसलिए परमाणु युद्ध केवल मानव विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति विरोधी भी है। क्या नई पीढ़ी इस इतिहास को पर्याप्त गंभीरता से समझ रही है? यह भी विचारणीय प्रश्न है। डिजिटल युग में जानकारी उपलब्ध है, लेकिन संवेदना का विकास अपने आप नहीं होता।

उन्नत बचपन की पहली शर्त- स्वस्थ भोजन, स्वस्थ भविष्य

ललित गर्ग

विकसित भारत का स्वप्न केवल आधुनिक इमारतों, तेज अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचनाओं से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं। यदि बचपन स्वस्थ, संस्कारित, ऊर्जावान और मानसिक रूप से सुदृढ़ है, तो राष्ट्र का भविष्य स्वतः सुरक्षित हो जाता है। यदि बचपन ही अस्वस्थ, मोटापे, मधुमेह, कुपोषण और गलत खान-पान की आदतों से घिर जाए, तो विकास की पूरी अवधारणा खोखली सिद्ध होने लगती है। इसलिए बच्चों का स्वास्थ्य केवल स्वास्थ्य मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के सभी स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री, वितरण तथा प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टि का परिचायक है। यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का गंभीर संदेश है। यह स्वीकार करने का साहसिक प्रयास है कि बच्चों की सेहत बाजार के मुनाफे से कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि यह निर्णय प्रभावी ढंग से लागू होता है तो यह पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है।

भौगोलिकसंदर्भ

आज सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बच्चे भोजन कम खा रहे हैं, बल्कि यह है कि वे पोषण कम और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अधिक खा रहे हैं। रंग-बिरंगे पैकेट, आकर्षक विज्ञापन, कार्टून पात्रों की ब्रांडिंग, सोशल मीडिया का प्रभाव और हर गली-मोहल्ले में उपलब्ध फास्ट फूड ने बच्चों की स्वादेंद्रियों पर ऐसा कब्जा कर लिया है कि घर का पौष्टिक भोजन उन्हें फीका लगने लगा है। यह परिवर्तन केवल खान-पान की आदत का बदलाव नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे उनके शरीर, मस्तिष्क और व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है। वैज्ञानिक शोध लगातार यह बताते रहे हैं कि अधिक वसा, अधिक नमक और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों में मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन तथा मानसिक एकाग्रता में कमी जैसी अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जो बीमारियां पहले चालीस-पचास वर्ष की आयु में दिखाई देती थीं, वे अब किशोरावस्था और बचपन में ही दस्तक देने लगी हैं। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आने वाले समय में देश की उत्पादक क्षमता और मानव संसाधन पर भी गहरा प्रभाव डालने वाला संकट है।

बचपन की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वाद नहीं, पोषण है। शरीर के विकास के साथ-साथ मस्तिष्क का तीव्र विकास भी बचपन में ही होता है। यदि इस अवस्था में बच्चों को संतुलित भोजन, ताजे फल, हरी सब्जियां, दूध, दालें, मोटे अनाज और प्राकृतिक खाद्य पदार्थ पर्याप्त मात्रा में मिलें, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास कहीं अधिक प्रभावी होता है। इसके विपरीत जंक फूड क्षणिक स्वाद तो देता है, लेकिन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं देता। परिणामस्वरूप बच्चा बाहर से स्वस्थ दिखाई देता है, किंतु भीतर से अनेक पोषण संबंधी कमियों का शिकार बनने लगता है। दुर्भाग्य यह है कि जंक फूड आज केवल भोजन नहीं रहा, बल्कि एक आक्रामक व्यावसायिक संस्कृति बन चुका है। विज्ञापनों के माध्यम से बच्चों के मन में यह धारणा बैठा दी गई है कि आधुनिकता का अर्थ पैकेटबंद भोजन है। लोकप्रिय खिलाड़ी,

फिल्मी कलाकार और डिजिटल प्रभावक अनजाने में बच्चों को ऐसे उत्पादों की ओर आकर्षित करते हैं, जिनका अत्यधिक सेवन उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ऐसे में केवल परिवारों को दोष देना उचित नहीं होगा। सरकार, उद्योग, विद्यालय, अभिभावक और समाज-सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि जीवनशैली का निर्माण करने वाली प्रयोगशाला भी हैं। यदि स्कूल परिसर में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, पोषण शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, विद्यालयों में रसोई बाग विकसित किए जाएं, बच्चों को स्वयं पौधे लगाने और प्राकृतिक भोजन के महत्व से जोड़ा जाए, तो यह परिवर्तन अधिक स्थायी होगा। केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। स्वस्थ विकल्पों को स्वादिष्ट, आकर्षक और सुलभ बनाना भी उतना ही आवश्यक है। भारत की पारंपरिक भोजन संस्कृति विश्व की सबसे संतुलित और वैज्ञानिक भोजन प्रणालियों में मानी जाती है। बाजरा, ज्वार, रागी, दालें, छाछ, दही, अंकुरित अनाज, मौसमी फल, सब्जियां और घर का ताजा भोजन हमारे पूर्वजों की स्वस्थ जीवनशैली की पहचान रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता के नाम पर अपनी इस समृद्ध खाद्य संस्कृति को त्यागने के बजाय उसे नए स्वरूप में बच्चों तक पहुंचाएं। यदि विद्यालयों की कैंटीन में स्थानीय और पारंपरिक पौष्टिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाएं, तो बच्चे धीरे-धीरे उसी स्वाद के अभ्यस्त हो सकते हैं।

यह भी समझना होगा कि जंक फूड का प्रश्न केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अस्वस्थ बचपन का अर्थ है भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता खर्च, कार्यक्षमता में कमी, उत्पादकता का ह्रास और राष्ट्रीय आय पर प्रतिकूल प्रभाव। आज यदि बच्चों के पोषण पर निवेश किया जाता है तो वह आने वाले दशकों में स्वस्थ, सक्षम और नवाचारी नागरिकों के रूप में अनेक गुना लाभ देता है। इसलिए बच्चों के स्वास्थ्य पर खर्च को व्यय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे लाभकारी निवेश माना जाना चाहिए। अभिभावकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि घर में ही पैकेटबंद स्नैक्स, शीतल पेय और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ नियमित रूप से उपलब्ध होंगे, तो बच्चे उनसे दूर नहीं रह पाएंगे। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि परिवार स्वयं संतुलित भोजन करेगा, साथ बैठकर भोजन करने की परंपरा विकसित करेगा और बच्चों को रसोई से जोड़कर भोजन बनाने की प्रक्रिया में सहभागी बनाएगा, तो उनमें स्वस्थ भोजन के प्रति स्वाभाविक रुचि विकसित होगी।

सरकारों को भी केवल स्कूलों तक सीमित न रहकर व्यापक नीति अपनानी होगी। बच्चों को लक्षित करने वाले भ्रामक खाद्य विज्ञापनों पर नियंत्रण, पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी, अत्यधिक चीनी और नमक वाले उत्पादों की पहचान को सरल बनाना, खेल मैदानों की संख्या बढ़ाना, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण जागरूकता अभियान तथा स्थानीय स्तर पर सामुदायिक भागीदारी जैसे कदम समान रूप से आवश्यक हैं। यदि स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग मिलकर साझा रणनीति बनाएं तो परिणाम कहीं अधिक प्रभावी होंगे। आज समय की मांग है कि जंक फूड के विरुद्ध संघर्ष को केवल प्रतिबंध तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे स्वस्थ जीवनशैली के राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप दिया जाए। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाया, उसी प्रकार स्वस्थ भोजन और पोषण को भी राष्ट्रीय जन-जागरण का विषय बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह समझाना होगा कि वास्तविक ऊर्जा किसी पैकेट में नहीं, बल्कि प्रकृति के निकट रहने वाले भोजन में छिपी है।

महाराष्ट्र सरकार का निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने यह स्वीकार किया है कि बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राजनीतिक या आर्थिक हित से बड़ा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी राज्य इस दिशा में समान साहस और दूरदर्शिता दिखाएं। विकसित भारत की आधारशिला स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि स्वस्थ बच्चे हैं। यदि बचपन सुरक्षित रहेगा तो भविष्य सुरक्षित रहेगा। यदि बच्चों की थाली पौष्टिक होगी तो राष्ट्र की प्रगति भी संतुलित होगी। आने वाले भारत की पहचान केवल तकनीकी शक्ति से नहीं, बल्कि स्वस्थ, सशक्त, अनुशासित और जागरूक नई पीढ़ी से होगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकल्प यही होना चाहिए कि हर बच्चे को ऐसा वातावरण मिले, जहाँ स्वाद से पहले स्वास्थ्य, सुविधा से पहले पोषण और तात्कालिक आकर्षण से पहले दीर्घकालिक जीवन-सुरक्षा को महत्व दिया जाए। यही उन्नत बचपन का मार्ग है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव।

कलम की ताकत : मुक्ति का शाश्वत माध्यम

गोलेन्द्र पटेल

मानव सभ्यता की सबसे विलक्षण उपलब्धि अग्नि, पहिया अथवा मशीन का आविष्कार मात्र नहीं है; उससे भी बड़ी उपलब्धि विचारों को अभिव्यक्त, संरक्षित और पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित करने की क्षमता है। मनुष्य ने जब पहली बार अपने अनुभव को किसी शिला, वृक्ष की छाल अथवा ताड़पत्र पर अंकित किया होगा, उसी क्षण इतिहास ने स्मृति से ज्ञान और ज्ञान से सभ्यता की ओर अपना निर्णायक कदम बढ़ाया होगा। उस दिन से लेकर आज के डिजिटल युग तक अभिव्यक्ति के साधन बदलते रहे हैं, किंतु विचार की आत्मा अपरिवर्तित रही है। इसी आत्मा का सबसे विश्वसनीय प्रतीक कलम है। इसलिए कलम को केवल लेखन का उपकरण मानना उसके वास्तविक स्वरूप को सीमित कर देना होगा; वह मनुष्य की सृजनात्मक चेतना, बौद्धिक स्वतंत्रता और नैतिक उत्तरदायित्व का मूर्त प्रतीक है। इतिहास का गंभीर अध्ययन यह स्पष्ट करता है कि किसी भी सभ्यता का उत्थान या पतन केवल उसकी सैन्य शक्ति से निर्धारित नहीं हुआ। साम्राज्य तलवारों के बल पर स्थापित हुए, परंतु उनकी स्थायित्व-शक्ति विचारों से निर्धारित हुई। हिंसा भय उत्पन्न कर सकती है, किंतु भय कभी स्थायी संस्कृति का निर्माण नहीं कर सकता। मनुष्य का बाह्य आचरण बल से नियंत्रित किया जा सकता है, पर उसका अंतःकरण केवल विचारों से प्रभावित होता है। यही कारण है कि तलवार की विजय सीमित होती है, जबकि कलम की विजय कालातीत होती है। शब्द मनुष्य को पराजित नहीं करते, बल्कि उसके भीतर सोई हुई चेतना को जागृत करते हैं। कलम का सबसे बड़ा चमत्कार यह है कि वह मनुष्य को स्वयं से परिचित कराती है। लेखन केवल भाषा का अभ्यास नहीं, बल्कि आत्मबोध की प्रक्रिया है। अनेक विचार तब तक अस्पष्ट रहते हैं, जब तक वे शब्दों का रूप नहीं ग्रहण कर लेते। जब लेखक लिखता है, तब वह केवल समाज का वर्णन नहीं करता; वह अपने अंतर्मन की परतों को भी उद्घाटित करता है। इसीलिए श्रेष्ठ लेखन आत्मसंवाद और लोकसंवाद का अद्वितीय संगम है। लेखक की कलम जितनी बाहर की दुनिया को पढ़ती है, उतनी ही भीतर की दुनिया को भी।

दार्शनिक दृष्टि से विचार ही मनुष्य की वास्तविक शक्ति हैं। विचार ही संस्कृति का निर्माण करते हैं, मूल्य गढ़ते हैं और सामाजिक संस्थाओं को दिशा देते हैं। किसी भी युग का साहित्य, दर्शन और विज्ञान उस युग की सामूहिक चेतना का दस्तावेज़ होता है। इसलिए कलम केवल घटनाओं का विवरण नहीं लिखती, बल्कि वह समय की आत्मा को शब्द देती है। एक संवेदनशील लेखक अपने युग का मौन इतिहासकार भी होता है और भविष्य का संभावित निर्माता भी। उसकी लेखनी वर्तमान की सीमाओं को पार कर आने वाली पीढ़ियों के साथ संवाद स्थापित करती है। साहित्य का उद्देश्य केवल सौंदर्यबोध उत्पन्न करना नहीं, बल्कि मनुष्य की नैतिक चेतना को परिष्कृत करना भी है। महान साहित्य मनुष्य को मनोरंजन से अधिक मनन प्रदान करता है। वह जीवन के जटिल प्रश्नों से मुठभेड़ कराता है, स्थापित मान्यताओं की समीक्षा करता है और समाज के विवेक को निरंतर जाग्रत रखता है। जब व्यवस्था अन्याय को सामान्य बनाने लगती है, तब साहित्य प्रतिरोध की नैतिक भाषा बन जाता है। उसकी शक्ति किसी राजनीतिक नारे में नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना के उस गहन स्पर्श में निहित होती है, जो मनुष्य को दूसरे मनुष्य के दुःख से जोड़ देता है। कलम का संबंध केवल साहित्य से नहीं, समूचे सार्वजनिक जीवन से है। न्यायपालिका का निर्णय, संसद का विधेयक, विश्वविद्यालय का शोध, वैज्ञानिक की खोज, पत्रकार की रिपोर्ट, शिक्षक की टिप्पणी और प्रशासक का आदेश—इन सबके मूल में लेखन ही उपस्थित रहता है। इसलिए किसी दस्तावेज़ पर किया गया।

बोध कथा

ब्रम्हचर्य में बल है

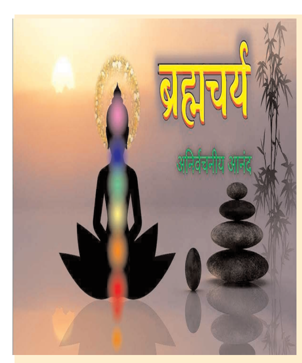

यादगार शास्त्र रामायण में हनुमान जी का चरित्र ऐसे पात्र के रूप में जाना जाता है जो निश्छल और निस्वार्थ भाव से प्रभु के कार्य में मददगार रहे। इसीलिए उन्हें सभी जगह बड़ी श्रद्धा और भक्ति भाव से स्मरण किया जाता है। जहां भी श्रीराम जी की पूजा होती है, वहां हनुमान का स्थान अवश्य होता है।

हनुमान जी अखंड ब्रह्मचारी थे। उनकी पूजा में उनके इस गुण का बखान अवश्य होता है। ब्रह्मचर्य में ही बल है। आज भी पहलवानों के अखाड़े में हनुमान जी का मंदिर पाया जाता है। भले ही पहलवान स्वयं इस व्रत का पालन करते हों या नहीं, लेकिन पूर्ण श्रद्धा भाव से इन्हें ही अपना इष्ट स्वीकार करते हैं। पवित्रता केवल शारीरिक नहीं बल्कि दृष्टि और वृत्ति की भी हो, इसका उदाहरण रामायण में भी है। ऐसा कहा जाता है कि जब हनुमान जी सीता जी की खोज करने के लिए लंका में गए तो वहां महलों में तमाम महिलाओं को उन्होंने देखा। जब वे लौटे तो उन्हें इस बात से बहुत ग्लानि हुई कि उन्होंने अनेकों स्त्रियों के मुख देखे। इस पर जामवंत ने उन्हें समझाया कि आप पश्चाताप ना करें क्योंकि आपकी दृष्टि में कोई विकारी भाव नहीं था बल्कि स्त्रियों के मुख देखने के पीछे सीता माता की खोज ही आपका उद्देश्य था।

आज लोग रामचरितमानस बड़े भाव से पढ़ते और सुनते हैं। फिर भी महिलाओं के प्रति अत्याचारों में दिन-प्रतिदिन बढ़ोतरी होती जा रही है। यदि उपरोक्त भावना और भाव जनमानस में पैदा हो जाए तो समाज में काम विकार के कारण हो रहे अधिकांश अपराधों पर लगाम लग जाए।

चुटकुले

टीचर- लॉफर और ऑफर में क्या फर्क है?

राजू- बहुत आसान है मैम
आई लव यू अगर लड़का कहे तो लॉफर
लड़की कहे तो ऑफर......

एक काला आदमी मरने के बाद स्वर्ग गया
स्वर्ग में उसे परी मिली और बोली- तुम कौन हो?
काला आदमी परी को इम्प्रेस करने के लिए बोला-
मैं टाइटैनिक का हीरो हूं
परी- टाइटैनिक डूबी थी, जली नहीं थी.....

एक बार पति-पत्नी में झगड़ा हो रहा था
जब झगड़ा बहुत ही बढ़ गया तो पति ने गुस्से में कहा-
अब तुम एक शब्द भी मत बोलना,
वरना मेरे अंदर जो पशु बैठा है, वह जाग जाएगा
पत्नी बोली- जागने दो तुम्हारे अंदर के पशु को,
भला चूहे से भी कोई डरता है?

व्यंग्य केसरी

विचारधारा का कुर्ता

रणविजय राव

आजकल विचारधारा को लेकर हमारे आसपास के परिवेश में बड़ी उहापोह की स्थिति है। पर जहां तक रामखेलावन का संबंध है, वह विचारधारा के मामले में बड़े आज़ाद ख्याल का व्यक्ति है। उसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह विचारों को सिर पर नहीं, बल्कि जेब में रख कर चलता है। जेब में इसलिए कि ज़रूरत पड़ते ही निकाले, झाड़े, पहने और अपना काम बनते ही फिर तह करके रख दिए।

कुछ लोग विचारधारा को जीवन भर का न टूटने वाला संबंध मानते हैं। रामखेलावन का विचार सीधा इसके उलट है। वह तो मौसम के उतार-चढ़ाव के माफिक विचारधारा के कुर्ते को पहनते निकालते रहता है। उसने तो हरे, पीले, नीले और केसरिया रंग के कुर्ते बनवा रखा है। जब जिसकी जरुरत पड़ती है, इस्तेमाल कर लेता है।

बचपन में पिता जी जिस विचारधारा के समर्थक थे, रामखेलावन उसी के नारे लगाता था। कॉलेज पहुँचा तो देखा कि छात्रसंघ दूसरी विचारधारा से छात्रवृत्ति दिलवा रहा है। उसने तत्काल वैचारिक क्रांति कर ली। नौकरी मिली तो दफ़्तर की विचारधारा अपनाई। बॉस बदला तो उसकी आत्मा भी नई विचारधारा में पुनर्जन्म ले चुकी थी। लोग उसे अवसरवादी कहते थे। उसे कोई फर्क नहीं पड़ता था।

उसका मानना था --

'लोगों का काम है कहना, कहते रहें जो है उन्हें कहना।'

धीरे-धीरे उसने विचारधारा प्रबंधन की ऐसी कला विकसित कर ली कि घर में एक विचारधारा, दफ़्तर में दूसरी, मंच पर तीसरी और सोशल मीडिया पर चौथी चलती थी।

उसकी अलमारी में कपड़ों से ज़्यादा विचारधाराएं टंगी रहतीं। विरोधियों के बीच जाता तो क्रांतिकारी बन जाता, सत्ता के सामने पहुँचते ही राष्ट्रवाद का चोला धारण कर लेता। शाम को साहित्यिक गोष्ठी में मानवता का दुपट्टा ओढ़ लेता।

एक मित्र ने पूछा, 'तुम्हारी असली विचारधारा कौन-सी है ?'

वह मुस्कुराया, 'भाई, असली वाली को कभी सार्वजनिक नहीं करते। कहीं वह भी बदलनी पड़ गई तो पुरानी बातों के स्क्रीनशॉट कौन डिलीट करेगा ?'

अब तो उसने बाकायदा 'विचारधारा मैनेजमेंट कंसल्टेंसी' खोल ली है। नेताओं, बुद्धिजीवियों, साहित्यकारों और प्रभावशाली लोगों को प्रशिक्षण दिया करता है कि कब किस सिद्धांत पर अडिग दिखना है और कब किस सिद्धांत को ही अपने पक्ष में खड़ा दिखाना है। उसका नारा है - 'विचार वही, चोला नई।'

आजकल विचारधारा का सबसे बड़ा सिद्धांत यही है कि अपना सिद्धांत कभी इतना मज़बूत मत बनाइए कि ऑपर्च्युनिटी (अवसर) उसके नीचे दब जाए। पर कुछ लोग आज भी रीढ़ सीधी रखकर बनी-बनाई विचारधारा पर चलने की भूल कर बैठते हैं। बेचारे समझ नहीं पाते कि इस युग में रीढ़ से ज़्यादा उपयोगी चीज़ गर्दन है, जो हर दिशा में आसानी से घूम जाती है।

इतिहास

6 अगस्त का इतिहास दुनिया के सबसे बड़े नरसंहार और भारत की कुछ महत्वपूर्ण वैज्ञानिक व राजनीतिक उपलब्धियों के लिए दर्ज है।

6 अगस्त की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ:

1945 (हिरोशिमा दिवस): द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर 'लिटिल बॉय' नामक पहला परमाणु बम गिराया था? इस भीषण हमले में लगभग 1,40,000 लोग मारे गए थे और पूरा शहर राख में बदल गया था।

1862: भारत में मद्रास उच्च न्यायालय (Madras High Court) की स्थापना की गई थी?

1906: महान स्वतंत्रता सेनानी चित्तरंजन दास और अन्य नेताओं ने 'वंदे मातरम' समाचार पत्र का प्रकाशन शुरू किया था?

1962: जमैका को यूनाइटेड किंगडम (UK) से पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी।

80 लाख की स्वीकृति, मंदिरों के जीर्णोद्धार की रफ्तार धीमी

डोंगरगांव जनपद के 16 मंदिरों के लिए राशि जारी, कई ग्राम पंचायतों में निर्माण अब भी प्रारंभ नहीं

विश्व केसरी

राजनांदगांव (डोंगरगांव)। धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मद के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद पंचायत डोंगरगांव क्षेत्र की 13 ग्राम पंचायतों के 16 गांवों के मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए लगभग 80 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। निर्माण कार्य की एजेंसी संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच होंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रत्येक मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य के लिए 4.98 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। कार्य प्रारंभ कराने के लिए संबंधित ग्राम पंचायतों को प्रथम किस्त के रूप में 1 लाख 99 हजार 200 रुपये जारी किए जा चुके हैं। इस राशि का उपयोग निर्माण सामग्री की खरीद, आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था तथा निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों के भुगतान के लिए किया जाएगा।

जनपद पंचायत डोंगरगांव द्वारा 8 अप्रैल 2026 की स्थिति में सभी संबंधित ग्राम पंचायतों को प्रथम किस्त जारी कर दी गई है। विभागीय प्रावधानों के अनुसार सभी कार्य छह माह के भीतर पूर्ण करना अनिवार्य होगा। निर्माण की गुणवत्ता एवं समय-सीमा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए हैं। इन मंदिरों का होगा जीर्णोद्धार रामपुर के शिव मंदिर एवं महादेव मंदिर, च. टोलागांव के शीतला मंदिर, मोहभट्ठा के शीतला मंदिर, बनभेड़ी के शिव मंदिर, सिंगापुर के शीतला मंदिर, जंगलपुर के शीतला मंदिर, कोटरासरार के बजरंगबली मंदिर, कुम्ही भाठागांव के शीतला मंदिर, करमतरा के हनुमान मंदिर, बनहरदी के शीतला मंदिर, मलईडबरी के शीतला मंदिर, ओड़ारबांध के शीतला मंदिर, ढाबा के शिव मंदिर, किरगी (ब) के शिव मंदिर तथा आरगांव के नायकदेव मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा।

चार माह बाद भी कई जगह धीमी रफ्तार

क्षेत्र से मिली जानकारी के अनुसार अधिकांश गांवों में निर्माण कार्य अप्रारंभ है, जबकि कुछ स्थानों पर अभी निर्माण सामग्री एकत्रित की जा रही है। कहीं साफ-सफाई का कार्य चल रहा है तो कहीं निर्माण की शुरुआती प्रक्रिया जारी है। हालांकि स्वीकृति मिलने के चार माह बाद भी कई ग्राम पंचायतों में कार्य अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पाया है, जिससे निर्माण की रफ्तार पर सवाल उठ रहे हैं।

टायलेट में गिरी 3 लाख रुपये की सोने की अंगूठी यात्री को सकुशल लौटाई गई

विश्व केसरी

बिलासपुर । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा रेल मदद पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण की दिशा में एक और सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया गया। मैकेनिकल विभाग की तत्परता, तकनीकी दक्षता एवं समर्पित प्रयासों से लगभग 3 लाख रुपये मूल्य की सोने की अंगूठी उसके वास्तविक स्वामी को सुरक्षित वापस सौंप दी गई।

घटना के संबंध में, ट्रेन संख्या 20845 बिलासपुर-बीकानेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के एम-1 कोच की लैवेटरी का उपयोग करते समय यात्री श्री मुकेश पालीवाल की सोने की अंगूठी अनजाने में बायो-टॉयलेट में गिर गई। इसके तुरंत बाद यात्री ने रेल मदद पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत प्राप्त होते ही मैकेनिकल विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रेन के बिलासपुर पहुँचने पर संबंधित कोच को अनुरक्षण हेतु कोचिंग डिपो में लिया। वहाँ बायो-टॉयलेट मेंटेनेंस टीम ने विशेष सावधानी एवं तकनीकी विशेषज्ञता के साथ बायो-टॉयलेट टैंक खोलकर गहन जांच प्रारंभ की।

बायो-टॉयलेट मेंटेनेंस स्टाफ हेमंत रजक, महेंद्र भार्गव एवं मनोज ने अथक परिश्रम, धैर्य एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए टैंक के एस-ट्रैप से सोने की अंगूठी सुरक्षित बरामद कर ली।

यह कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद टीम ने अपनी तकनीकी दक्षता और प्रतिबद्धता से सफलतापूर्वक पूरा किया।

बरामद अंगूठी को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं मैकेनिकल विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में उसके वास्तविक स्वामी मुकेश पालीवाल को विधिवत सुपुर्द किया गया। अपनी बहुमूल्य अंगूठी वापस प्राप्त कर यात्री ने विशेष रूप से मैकेनिकल विभाग की तत्परता, कर्मचारियों की ईमानदारी एवं समर्पित कार्यशैली की सराहना करते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का आभार व्यक्त किया।

यह घटना यात्रियों की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान, विभागों के उत्कृष्ट समन्वय तथा यात्री सेवा के प्रति दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की प्रतिबद्धता का एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

संक्षिप्त खबरें

करोड़ों के रैक प्वाइंट पर मिली खामियां, पूर्व मंत्री धनेन्द्र साहू ने निरीक्षण बाद उठाए सवाल

अभनपुर। अभनपुर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन द्वारा करोड़ों की लागत से रैक प्वाइंट बनाया गया। लेकिन निर्माण पूरा होते ही इसकी गुणवत्ता की पोल खुल गई है। निरीक्षण करने पहुंचे पूर्व मंत्री धनेन्द्र साहू ने मौके पर कई अनियमितताएं देखीं। 80 फीट चौड़ा प्लेटफार्म कई जगह सेटल होकर बैठ गया है, उसमें सिंक और बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं। कहीं रेलवे ट्रैक खिसक गया है तो कहीं ट्रैक डैमेज नजर आ रहा है। बारिश के कारण पूरे रैक प्वाइंट की पानी निकासी नाली जाम है। बाहरी निकासी के पास जमीन धंसने से किसानों के खेतों में मिट्टी बह गई है। सुधार कार्य में भी गिट्टी की मात्रा कम-ज्यादा पाई गई। अंदेशा है कि ठेकेदार की लापरवाही पर करोड़ों के प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार की आशंका जताई। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतने बड़े काम में अब तक कोई नागरिक सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया, जिससे पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं।

महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया, चार आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में एक दर्दनाक और सिहरन पैदा करने वाली घटना सामने आई है। कोरिया जिले की रहने वाली एक महिला अपने रिश्तेदार के घर आई हुई थी। वापस घर लौटने के दौरान उसकी बस छूट गई। वह सड़क किनारे दूसरे वाहन का इंतजार कर रही थी। तभी चार युवकों ने उसे अकेला पाकर निशाना बनाया और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

पीड़िता किसी तरह वहां से निकलने में सफल रही। वह कोरिया जिले पहुंचकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराने गई। चूंकि घटना सूरजपुर के चांदनी थाना क्षेत्र की थी, इसलिए प्रकरण सूरजपुर पुलिस को ट्रांसफर कर दिया गया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

शिकायत मिलते ही चांदनी थाना पुलिस ने जांच शुरू की। चारों आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

महारूद्राभिषेक में शामिल हुऐ रमन सिहं

विश्व केसरी

महासमुंद । पावन श्रावण मास में विशाल मेगा मार्ट परिसर, महासमुंद में लगातार एक माह तक चलने वाले महारुद्राभिषेक एवं हवन-पूजन कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह शामिल हुए। उन्होंने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का रुद्राभिषेक एवं हवन-पूजन किया।

इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली की मंगलकामना की। कार्यक्रम में महासमुंद विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा परिवार एवं जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

114 किलो गांजा के साथ तीन अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

विश्व केसरी

महासमुंद। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोमाखान पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अंतरराज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 114 किलो अवैध गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 57 लाख रुपए है, जब्त किया है। इसके अलावा तस्करी में प्रयुक्त टाटा हैरियर कार, तीन मोबाइल फोन और दो लाख रुपए नकद सहित कुल 74 लाख 30 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की गई है।

पुलिस के अनुसार 5 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा से छत्तीसगढ़ की ओर एक सफेद रंग की टाटा हैरियर कार (क्रमांक एमएच-48-बीएच-8222) में तीन व्यक्ति बड़ी मात्रा में गांजा लेकर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही ग्राम टेमरी जांच नाका पर पुलिस टीम ने वाहन जांच शुरू की।

कुछ देर बाद संदिग्ध वाहन दिखाई देने पर पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने कार की रफ्तार बढ़ाकर भागने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने पीछा कर घेराबंदी की और कोमाखान चौकड़ी स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-353 पर वाहन को रोककर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपनी पहचान नागराज पारधी (26 वर्ष), निवासी अंबिकानगर, शिरपुर, जिला धुले (महाराष्ट्र), दिनेश माली (28 वर्ष), निवासी बालाजी कॉलोनी, शिरपुर, जिला धुले (महाराष्ट्र) तथा सतपाल सिंह राजपूत (38 वर्ष), निवासी शिरपुर, जिला धुले (महाराष्ट्र) के रूप में बताई।

तलाशी के दौरान कार की पिछली डिक्की से 114 किलो गांजा बरामद हुआ। आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे यह गांजा बालीगुड़ा (ओडिशा) से लेकर नारदाना, जिला धुले (महाराष्ट्र) ले जा रहे थे।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना कोमाखान में अपराध क्रमांक 115/2026 के तहत धारा 20(B)(II)(C) एवं 29 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की विवेचना जारी है। जब्त सामग्री में 114 किलो गांजा (कीमत 57 लाख रुपए), एक टाटा हैरियर कार (कीमत 15 लाख रुपए), तीन मोबाइल फोन (कीमत 30 हजार रुपए) तथा दो लाख रुपए नकद शामिल हैं।

05 जुआरियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

विश्व केसरी

कसडोल। आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना 'दृष्टि हेल्पलाइन' प्रारंभ* किया गया है, जिसकी सहायता से किसी प्रकार की भी सूचना, शिकायत अथवा अपराधिक गतिविधि की जानकारी 'दृष्टि हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। 'दृष्टि हेल्पलाइन' के माध्यम से आपराधिक कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड में भी लगातार कामयाबी मिल रही है।

इसी क्रम में दृष्टि हेल्पलाइन में प्राप्त सूचना के आधार पर आज *दिनांक 04.08.2026 को थाना कसडोल की पुलिस टीम द्वारा ग्राम छरछेद में जुआ खेलते हुए 05 जुआरियों को गिरफ्तार* किया गया है। *दो अलग-अलग मामलों में आरोपी जुआरियों से नगदी रकम ?1880 एवं 52 पत्ती ताश जप्त किया गया है।* आरोपी जुआरियों के विरूद्ध थाना कसडोल में 13 जुआ एक्ट एवं छ.ग. जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया है।

आरोपी जुआरियों के नाम

राजेन्द्र कुमार कैवर्त्य पिता: शिवचरण उम्र: 41 साल निवासी: छरछेद थाना कसडोल

नरेन्द्र यादव पिता: नम्भू यादव उम्र: 19 साल निवासी: छरछेद थाना कसडोल

रामकुमार पिता: जगतराम कैवर्त्य उम्र: 35 साल निवासी: छरछेद थाना कसडोल

रोहित कुमार कैवर्त्य पिता: रामसाय उम्र: 35 साल निवासी: छरछेद थाना कसडोल

धर्मेन्द्र लहरे पिता: हेमचंद लहरे उम्र: 37 साल निवासी: छरछेद थाना कसडोल।

केशकाल पहुंची संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती कलश वंदन रथ यात्रा का भव्य स्वागत

विश्व केसरी

विधायक नीलकंठ टेकाम ने किए दर्शन, श्रद्धालुओं संग किया अभिनंदन

केशकाल। संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में राजधानी रायपुर से निकली कलश वंदन रथ यात्रा बुधवार को केशकाल पहुंची। रथ यात्रा के आगमन पर नगर में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

केशकाल के प्रवेश द्वार पंचवटी में केशकाल विधानसभा के विधायक नीलकंठ टेकाम ने श्रद्धापूर्वक कलश के दर्शन कर संत शिरोमणि गुरु रविदास जी को नमन किया।

इसके बाद केशकाल बस स्टैंड में विधायक नीलकंठ टेकाम, भाजपा जिला अध्यक्ष सेवकराम नेताम, नगर पंचायत अध्यक्ष बिहारीलाल शोरी, पार्षदों में महेश् तारम, नम्रता भारद्वाज, वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण दत्त उपाध्याय, राजकिशोर राठी, जनप्रतिनिधियों, हमाल संघ के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने कलश वंदन रथ यात्रा का पुष्पवर्षा एवं जयघोष के साथ भव्य स्वागत किया।

श्रद्धालुओं ने गुरु रविदास जी के बताए समरसता, समानता और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। स्वागत कार्यक्रम के उपरांत कलश वंदन रथ यात्रा को श्रद्धापूर्वक कोंडागांव मुख्यालय के लिए रवाना किया गया।

लायंस क्लब बिलासपुर ने 150 जरूरतमंद बच्चों को रेनकोट, कॉपी एवं पेन वितरित किए

विश्व केसरी

बिलासपुर। लायंस क्लब बिलासपुर द्वारा लायंस भवन में सेवा कार्य के अंतर्गत जरूरतमंद बच्चों के लिए रेनकोट, कॉपी एवं पेन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर लगभग 150 बच्चों को रेनकोट एवं अध्ययन सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष हरदीप सिंह सलूजा ने की। उन्होंने कहा कि लायंस क्लब का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सेवा पहुँचाना है तथा बच्चों की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हर संभव सहयोग करना क्लब की प्राथमिकता है।

क्लब के सचिव मनीष चंदेल ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि कोषाध्यक्ष सीए रौनक अग्रवाल ने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजित मिश्रा, अध्यक्ष, बिलासपुर प्रेस क्लब ने लायंस क्लब द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ-साथ बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन श्रीकांत सहारे ने किया ।

कार्यक्रम में लायंस क्लब बिलासपुर के सीए विनोद मित्तल, डॉ अरुण शुक्ला, इत्तफाक सागरी, एन के भंडारी, जी एल जैन, देवेंद्र टुटेजा, मोहन होनप, श्रीकांत सहारे, नरेश लिखमानिया, विमल केडिया, रमेश अग्रवाल, विजय क्रांति तिवारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में सभी ने भविष्य में भी इसी प्रकार के जनसेवा कार्य निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया।

शासकीय प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को वितरित किए छाते

बिलासपुर। एनटीपीसी सीपत की संगवारी महिला समिति द्वारा 05अगस्त 2026 को समाजिक कल्याण गतिविधियों के अंतर्गत परियोजना प्रभावित क्षेत्र के शासकीय प्राथमिक विद्यालय रांक, देवरी और जांजी में अध्ययनरत लगभग 400 छात्र-छात्राओं को छातों का वितरण किया गया। वर्षा ऋतु के दौरान बच्चों को विद्यालय आने-जाने में होने वाली असुविधा को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई। संगवारी महिला समिति की अध्यक्षा शिखा मंडल के नेतृत्व में समिति की सदस्याओं ने सभी विद्यार्थियों को छाते वितरित किए। इस अवसर पर बच्चों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा समिति के इस सहयोग के लिए आभार जताया। उल्लेखनीय है कि संगवारी महिला समिति द्वारा परियोजना प्रभावित गांवों में महिलाओं, बालिकाओं एवं बच्चों के कल्याण और सर्वांगीण विकास के लिए समय-समय पर विभिन्न सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों का आयोजन किया जाता है।

छात्र-छात्राओं को पढ़ाया गया यातायात नियमों का 'सुरक्षा पाठ'!

विश्व केसरी

कसडोल । जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा बच्चों व युवाओं में प्रारंभ से ही यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदारी व सतर्कता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से एक विशेष यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 05.08.2026 को पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय (ढ्ढक्क) के कुशल निर्देशन तथा उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) श्री संजय कुमार साहू के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस टीम द्वारा सर्वा , मनोहरा , मल्दा ,गुरूकुल स्कूल भाटापारा में जागरूकता कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम बच्चो को सुरक्षा मानक: नाबालीग को वाहन न चलाने, दोपहिया वाहन चलाते समय गुणवत्तापूर्ण हेलमेट पहनना और कार/चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है। सुरक्षित ड्राइविंग: यातायात संकेतों का पालन करना, दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी (ट्रिपल राइडिंग) न बैठाना, खतरनाक स्टंटबाजी से बचना और बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलाना अति आवश्यक है। तकनीकी निगरानी: नियमों का उल्लंघन करने वालों पर ई-चालान एवं शहर में लगे आधुनिक सिटी सर्विलांस कैमरों के माध्यम से की जा रही सतत निगरानी के बारे में अवगत कराया गया। नशा विरोधी संदेश: विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की प्रेरणा दी गई और नशे के शारीरिक, मानसिक व सामाजिक दुष्प्रभावों से विस्तार से अवगत कराया गया।

विश्व केसरी

उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद भारतीय शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 152 अंक उछला

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर को अपरिवर्तित रखने और पश्चिम एशिया में तनाव के नए संकेतों के बाद तेल की कीमतों में वृद्धि के चलते हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार दिन के उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने अपने अधिकांश इंट्राडे लाभ को खो दिया और अपने दिन के उच्चतम स्तर से नीचे आ गए।

इस बीच, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 152 अंक यानी 0.19 प्रतिशत बढ़कर 78,581 पर बंद हुआ, तो वहीं एनएसई निफ्टी 50 करीब 10 अंक यानी 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,624.65 पर बंद हुआ।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 78,428.95 से 0.79 प्रतिशत की तेजी के साथ 79,055.38 पर खुला, जो इसका इंट्रा-डे हाई रहा और एक समय इसने 78,285.74 का दिन का निचला स्तर छुआ।

वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 24,614.90 से 0.22 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,669.20 पर खुला, और दिन के कारोबार में एक समय इसने 24,677.60 का इंट्रा-डे हाई तो एक समय 24,497.95 का इंट्रा-डे लो बनाया।

व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमश: 0.18 प्रतिशत और 0.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

वहीं, सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मेटल, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी बैंक का प्रदर्शन खराब रहा।

निफ्टी50 इंडेक्स में श्रीराम फाइनेंस, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंडाल्को, एनटीपीसी और बजाज-ऑटो सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे, जबकि टीसीएस, अपोलो हॉस्पिटल, एचसीएल टेक, सन फार्मा, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और एसबीआई लाइफ के शेयरों में सबसे ज्यादा कमजोरी देखने को मिली।

इस बीच, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पिछले सत्र के 489.5 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 492.2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया, जिससे निवेशकों को एक ही सत्र में 2.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का मुनाफा हुआ।

आरबीआई द्वारा किसी भी अप्रत्याशित बदलाव से बचने और ब्याज दरों में यथास्थिति बनाए रखने के बाद बाजार का माहौल काफी हद तक सकारात्मक बना रहा। एमपीसी ने अगस्त 2026 की नीति बैठक में नीतिगत रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा और 'तटस्थ' रुख बनाए रखा।

इसके अलावा, केंद्रीय बैंक ने इस बात पर जोर दिया कि वित्त वर्ष 2027 में भारत की आर्थिक वृद्धि 6.7 प्रतिशत पर स्वस्थ बनी रहेगी।

भारत में मजबूत निजी खपत से अर्थव्यवस्था को मिल रही रफ्तार: आरबीआई गवर्नर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसलों का ऐलान करते हुए कहा कि देश में निजी खपत मजबूत बनी हुई है। पूंजीगत निवेश, निर्माण और बैंक क्रेडिट जैसे सूचकांक इस ओर इशारा कर रहे हैं कि देश में निवेश बढ़ रहा है। इन सभी कारकों से वैश्विक अस्थिरता के बीच भी देश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिल रही है।

आरबीआई गवर्नर ने आगे कहा कि बाहरी मांग भी बनी हुई है, क्योंकि सर्विस निर्यात में अच्छी बढ़ोतरी के साथ-साथ वस्तु निर्यात में भी सुधार हुआ।

उन्होंने कहा कि आगे चलकर, दुनिया भर में आर्थिक हालात में उतार-चढ़ाव का असर देश की आर्थिक गतिविधियों पर पड़ सकता है।

मल्होत्रा ??ने कहा, 'ऊर्जा की कीमतें और आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव अभी भी अधिक और अनिश्चित बने हुए हैं। सप्लाई से जुड़े कई उपायों से इनके बुरे असर को रोकने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, हालात अभी भी बदल रहे हैं, लेकिन अल-नीनो की वजह से दक्षिण-पश्चिम मानसून की कमी और असमान बारिश से कृषि सेक्टर और ग्रामीण इलाकों में मांग को लेकर कुछ जोखिम पैदा हो गए हैं।'

उन्होंने बताया कि इसके बावजूद, फसल विविधीकरण और जल संचयन व संरक्षण जैसी सरकारी पहलों से इस असर को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

इसके अलावा, सर्विस सेक्टर में लगातार तेजी, जीएसटी में सुधार का जारी असर और रोजगार की स्थिर स्थिति से शहरी मांग को समर्थन मिलता रहेगा।

मल्होत्रा ??ने कहा, 'क्षमता का भरपूर इस्तेमाल, क्रेडिट का अच्छा प्रवाह और इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकार का लगातार जोर निवेश गतिविधियों को बनाए रखेगा। साथ ही, सर्विस निर्यात के बने रहने की उम्मीद है, वहीं हालिया ट्रेड एग्रीमेंट और विविधीकरण पर जोर से वस्तु निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

तमिलनाडु : धर्मपुरी-कृष्णागिरी में बनेगा आम औद्योगिक कॉरिडोर, सरकार ने बनाया पांच प्रसंस्करण पार्क का प्रस्ताव

विश्व केसरी ■

कृष्णागिरी । तमिलनाडु सरकार ने धर्मपुरी और कृष्णागिरी जिलों को राज्य के आम औद्योगिक कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है, जिसके तहत 'वेत्री तमिलगम विजन' दस्तावेज के हिस्से के रूप में पांच एकीकृत आम प्रसंस्करण पार्क प्रस्तावित किए गए हैं।

पश्चिमी तमिलनाडु की कृषि और खाद्य प्रसंस्करण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस पहल में, आम के उत्पादन के दो प्रमुख जिलों में आम की खेती, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, भंडारण और निर्यात के लिए एक एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र की परिकल्पना की गई है।

विजन दस्तावेज के अनुसार, पांचों प्रसंस्करण पार्कों में कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं और आम के गूदे के निर्माण की इकाइयां स्थापित की जाएंगी। प्रत्यक्ष निर्यात को सुगम बनाने के लिए बुनियादी ढांचा भी विकसित किया जाएगा, जिससे उत्पादकों और प्रसंस्करणकर्ताओं को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक बेहतर पहुंच प्राप्त हो सकेगी। एक आम मूल्यवर्धन केंद्र का भी प्रस्ताव है। कृष्णागिरी में उत्पादित आमों को निर्यात के लिए सीधे चेन्नई और बेंगलुरु के हवाई अड्डों तक पहुँचाने में सक्षम बनाने के लिए माल परिवहन सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा।

कृष्णागिरी और धर्मपुरी में मिलाकर लगभग 51,000 हेक्टेयर भूमि पर आम की खेती होती है। अकेले कृष्णागिरी में ही 24 आम के गूदे के प्रसंस्करण उद्योग हैं, जो इस क्षेत्र को तमिलनाडु में आम उत्पादन और प्रसंस्करण के महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक बनाते हैं। आम किसान संघ के अध्यक्ष केएम ने प्रस्तावों का स्वागत किया और कहा कि इनके प्रभावी कार्यान्वयन से किसानों को काफी लाभ मिल सकता है।

उन्होंने कहा कि उत्पादकों ने पहले प्रत्येक ब्लॉक में एक आम गूदा प्रसंस्करण इकाई की मांग की थी, लेकिन दोनों जिलों में पांच एकीकृत पार्कों का प्रस्ताव फिर भी उत्साहजनक है। सौंदराजन ने कहा कि कृष्णागिरी के आम किसानों को पिछले पांच वर्षों में प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों के कारण पैदावार में भारी गिरावट का सामना करना पड़ा है। उन्होंने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की सरकार से कृषि क्षेत्र में कथित भ्रष्टाचार को दूर करने का भी आग्रह किया। कृष्णागिरी मैंगो पल्प प्रोसेसर्स फेडरेशन के महासचिव ई. माधवन ने अधिक सतर्क प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उद्योग इन प्रस्तावों से केवल आंशिक रूप से ही संतुष्ट है।

डीआरआई ने 364 मीट्रिक टन प्रतिबंधित पाकिस्तानी सूखा खजूर जब्त किया, यूएई से किए जा रहे थे आयात

विश्व केसरी ■

मुंबई । राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने कांडला बंदरगाह पर आयातित सूखे खजूर के 13 कंटेनरों को जब्त किया है। इस खेप को यूएई से आयात होने की गलत जानकारी दी गई थी जबकि खेप पाकिस्तान से आई थी। यह जानकारी वित्त मंत्रालय द्वारा बुधवार को दी गई।

मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में, डीआरआई के अधिकारियों ने कांडला बंदरगाह पर आयातित 364 मीट्रिक टन सूखे खजूर से भरे 13 कंटेनरों को जब्त किया, जिनकी कीमत लगभग 3 करोड़ रुपए आंकी गई है। जांच में पता चला कि खजूर संयुक्त अरब अमीरात से आया हुआ बताया गया था, जबकि असल में पाकिस्तान से आया था।

जांच से पता चला कि खजूर को पहले पाकिस्तान से दुबई ले जाया गया और फिर उसे दूसरे कंटेनरों में स्थानांतरित करके भारत निर्यात किया गया। आयातकों पर आरोप है कि उन्होंने पाकिस्तान से आयातित माल के आयात पर लगे भारत के प्रतिबंध से बचने के लिए महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया और खजूर के मूल देश के बारे में गलत जानकारी दी। तदनुसार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की संबंधित धाराओं के तहत पूरी खेप जब्त कर ली गई है।

इससे पहले पिछले सप्ताह, डीआरआई के अधिकारियों ने तूतीकोरिन बंदरगाह पर लगभग 1.4 करोड़ रुपए मूल्य के लगभग 14 मीट्रिक टन पाकिस्तानी गुग्गुल राल के आयात के प्रयास का पर्दाफाश किया था। गुग्गुल राल के इस खेप को सोमालिया से उत्पन्न प्राकृतिक राल के रूप में गलत तरीके से घोषित किया गया था और दुबई के रास्ते भेजा गया था।

भारत और पाकिस्तान के शुष्क क्षेत्रों में पाई जाने वाली गुग्गुल राल (कॉमिफोरा राल) प्रजाति को सीआईटीईईएस परिशिष्ट द्वद्व में सूचीबद्ध किया गया है और आईयूसीएन की रेड लिस्ट में इसे 'अत्यंत संकटग्रस्त' श्रेणी में रखा गया है। जांच में पता चला कि खेप में गुग्गुल राल थी, जो पाकिस्तान से आई थी और जाली दस्तावेजों का उपयोग करके इसे दूसरे देश में भेजा गया था। इस साजिश में शामिल दो लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है।

आरबीआई द्वारा रेपो रेट को स्थिर रखने से कारोबार भरोसा मजबूत होगा और निवेश को बढ़ावा मिलेगा: इकोनॉमिस्ट्स

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बुधवार को रेपो रेट को बिना किसी बदलाव के यथावत रखने के फैसले का उद्योग जगत और अर्थशास्त्रियों ने व्यापक रूप से स्वागत किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से कारोबारी भरोसा मजबूत होगा और निवेश गतिविधियों को गति मिलेगी।

एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) ने कहा कि ब्याज दरों में स्थिरता बनाए रखने का फैसला व्यापार जगत के लिए सकारात्मक संकेत है। इससे कारोबारी विश्वास बढ़ेगा, निवेश को समर्थन मिलेगा और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बनी रहेगी।

एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल के. मिंडा ने कहा कि आरबीआई का फैसला भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत मैक्रोइकोनॉमिक बुनियादों में विश्वास को दर्शाता है। उनके अनुसार, नीतिगत ब्याज दरों में स्थिरता निवेश को प्रोत्साहित करेगी और आर्थिक विकास को बनाए रखने में मदद करेगी, साथ ही वैश्विक परिस्थितियों में होने वाले बदलावों के अनुरूप प्रतिक्रिया देने की लचीलापन भी प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा, 'नीतिगत दरों को यथावत रखना इस बात का संकेत है कि आरबीआई विकास को बढ़ावा देने, महंगाई को नियंत्रित रखने और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के बीच संतुलित दृष्टिकोण अपना रहा है।'

एसोचैम ने आरबीआई द्वारा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत किए जाने का भी स्वागत किया। उद्योग संगठन ने कहा कि यह उसके स्वयं के लगभग 7 प्रतिशत वृद्धि दर के अनुमान के काफी करीब है।

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की मुख्य अर्थशास्त्री माधवी अरोड़ा ने आरबीआई की मौद्रिक नीति को 'सतर्क लेकिन सकारात्मक' करार दिया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक ने मध्य पूर्व में जारी तनाव, वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों के कड़े होने और अल नीनो से जुड़े जोखिमों को ध्यान में रखते हुए भी घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती और विदेशी मुद्रा प्रवाह के सकारात्मक संकेतों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया है।

माधवी अरोड़ा ने कहा कि पहली तिमाही में महंगाई दर आरबीआई के अनुमान से कम रहने के बावजूद मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने अल नीनो से जुड़े जोखिमों पर अपना फोकस बरकरार रखा है। उन्होंने बताया कि आरबीआई का मानना है कि निकट भविष्य में यदि कीमतों पर दबाव बढ़ता है तो वह मुख्य रूप से आपूर्ति पक्ष से जुड़ा होगा।

पुरानी कारों को ऑटो एलपीजी में बदलने के लिए राष्ट्रीय रेट्रोफिट नीति जरूरी: इंडस्ट्री

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत का तेजी से बढ़ता सेकेंड-हैंड कार बाजार शहरी प्रदूषण कम करने का एक तेज और व्यावहारिक अवसर प्रदान करता है। इसी को देखते हुए सरकार को इस्तेमाल में मौजूद पेट्रोल और डीजल वाहनों को ऑटो एलपीजी में बदलने के लिए समयबद्ध राष्ट्रीय रेट्रोफिट नीति लागू करनी चाहिए। यह मांग बुधवार को इंडस्ट्री की ओर से की गई।

भारत में ऑटो एलपीजी को बढ़ावा देने वाली प्रमुख संस्था आईएसी ने कहा कि देश में हर साल सेकेंड-हैंड कारों की बिक्री करीब 60 लाख के स्तर पर पहुंच रही है, ऐसे में एक समर्पित रेट्रोफिट नीति की तत्काल जरूरत है।

उद्योग संगठन के अनुसार, ऐसी नीति देश के तेजी से बढ़ते प्री-ओन्ड वाहन बाजार को वाहन प्रदूषण कम करने और वायु गुणवत्ता सुधारने का प्रभावी माध्यम बना सकती है। खासकर दिल्ली एनसीआर और अन्य प्रदूषण प्रभावित शहरों में इसका बड़ा लाभ मिलेगा।

रिपोर्ट में उद्योग के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा गया है कि सेकेंड-हैंड वाहनों का कारोबार नई कारों की बिक्री की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2023 में लगभग 46 लाख सेकेंड-हैंड वाहनों के लेन-देन का आंकड़ा 2030 तक 1 करोड़ से अधिक पहुंच सकता है। इस दौरान इसकी वार्षिक औसत वृद्धि दर (सीएजीआर) 12-13 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत में हर नई कार की बिक्री पर एक से अधिक पुरानी गाड़ी का स्वामित्व बदलता है। यदि भारतीय सड़कों पर चल रहे करोड़ों पेट्रोल और डीजल वाहनों में से केवल एक हिस्से को भी ऑटो एलपीजी में बदला जाए, तो वायु प्रदूषण में बड़ी कमी लाई जा सकती है।

एनसीएस पोर्टल पर 6.64 करोड़ से अधिक नौकरी चाहने वालों ने कराया पंजीकरण

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए सरकारी पोर्टल एनसीएस (नेशनल करियर सर्विस) बड़ा सहारा बना है। श्रम मंत्रालय के मुताबिक अब तक 6.64 करोड़ से ज्यादा नौकरी चाहने वाले इस पोर्टल पर रजिस्टर कर चुके हैं। इनमें से 2.89 करोड़ लोग अभी भी एक्टिव हैं।

बुधवार को लोकसभा में केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडवि ?या ने जानकारी दी कि एनसीएस अब सिर्फ जॉब सर्च का प्लेटफॉर्म नहीं रहा। यह एक डिजिटल हब बन गया है जहां नौकरी, करियर सलाह, स्किल ट्रेनिंग और सरकारी-निजी दोनों तरह की नौकरियों की जानकारी एक ही जगह मिलती है।

सरकार के आंकड़ों के अनुसार पोर्टल शुरू होने के बाद से अब तक 10.05 करोड़ से ज्यादा नौकरियों की जानकारी यहां जोड़ी गई है। 15 जुलाई तक 17.68 लाख वैकेंसी अभी भी एक्टिव हैं।

मंत्रालय ने बताया कि एनसीएस को अब क्लाउड बेस्ड और ओपन सिस्टम में बदला गया है। इसमें लगातार नए फीचर जोड़े जा रहे हैं।

अब एआई की मदद से आपकी प्रोफाइल के हिसाब से नौकरी मिलती है। स्किल में क्या कमी है यह भी पता चलता है। पर्सनल जॉब सुझाव, एआई इंटरव्यू कोच और कई भाषाओं में सुविधा के लिए भाषिणी का सपोर्ट भी दिया गया है। नियोक्ताओं और नौकरी चाहने वालों के लिए क्लाउड ऐप और वेरिफिकेशन सिस्टम भी बेहतर किया गया है।

रोजगार के मौके बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने 40 से ज्यादा कंपनियों और प्लेटफॉर्म से हाथ मिलाया है। इसमें एपीएनए, स्विगी, रैपिडो, जोमैटो, अमेजन, टीसीएस आईओएन, क्विकर और फाउंडइट जैसे नाम शामिल हैं। इससे युवाओं को प्राइवेट सेक्टर में भी सीधे मौके मिल रहे हैं।

एनसीएस को उद्यम, ई-श्रम, स्किल इंडिया डिजिटल हब, ईपीएफओ, ईएसआईसी, डिजीलॉकर जैसे सरकारी पोर्टल से भी जोड़ा गया है। यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड और एएसआरबी जैसी भर्ती एजेंसियों की जानकारी भी यहां मिल जाती है।

जमीनी स्तर पर रोजगार सेवाएं मजबूत करने के लिए सरकार ने 407 मॉडल करियर सेंटर मंजूर किए हैं।

इनमें 370 रोजगार कार्यालय शामिल हैं जिन्हें अपग्रेड करियर काउंसलिंग, जॉब फेयर और कंपनी से जुड़ाव की सुविधा दी जा रही है। अभी 31 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश एनसीएस से जुड़ चुके हैं। इनमें 8 राज्य सीधे इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं।

चावल बनाने का जापानी तरीका, हर दाना होता है स्वाद और खुशबू से भरपूर, मिलता है परफेक्ट टेक्सचर

चावल बनाना बहुत ही आसान काम है, लेकिन जरूरी है आपको सही तरीका और ट्रिक पता हो. भारत की तरह ही जापान में भी चावल भोजन थाली का अहम हिस्सा होता है. सबसे खास बात ये है कि यहां चावल को कई तरीके से पकाया जाता है, जो इसे अधिक स्वादिष्ट और खिले-खिले बनाते हैं. यहां आप इन तरीकों के बारे में जान सकते हैं.

भारतीय थाली की तरह ही चावल जापानी कुजीन का भी अहम हिस्सा है. लेकिन यहां चावल को बहुत ही अलग तरीके से बनाया जाता है, जिससे स्वाद, सुगंध के साथ परफेक्ट टेक्सचर आता है. जापान में स्वादिष्ट और मुलायम चावल बनाने का राज सिर्फ अच्छे चावल चुनने में नहीं, बल्कि उन्हें सही तरीके से धोने, भिगोने और पकाने में छिपा है.

यहां पारंपरिक तकनीकें चावल के स्वाद और बनावट को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. आज भले ही अधिकांश जापानी घरों में मॉर्डन राइस कुकर का इस्तेमाल होता हो, लेकिन कई पारंपरिक तरीके अब भी लोकप्रिय हैं. इन तरीकों से बने चावल का स्वाद, खुशबू और टेक्सचर अलग ही निकल कर आता है. आइए जानते हैं जापान में चावल पकाने के चार तरीकों के बारे में और यह भी कि उन्हें इतना खास क्यों माना जाता है.

इलेक्ट्रिक राइस कुकर

आज के समय में जापान में चावल पकाने का सबसे आम तरीका इलेक्ट्रिक राइस कुकर है. यह मशीन टेंपरेचर, भाप और रेस्टिंग के समय को अपने आप कंट्रोल करती है, जिससे चावल समान रूप से पकते हैं. आधुनिक राइस कुकर में अलग-अलग प्रकार के चावल, खिचड़ी और मिक्स्ड राइस बनाने के विकल्प भी मिलते हैं. यही वजह है कि यह लगभग हर जापानी घर का जरूरी हिस्सा बन चुका है.

डोनाबे

डोनाबे एक पारंपरिक जापानी मिट्टी का बर्तन है, जिसका उपयोग खास स्वाद वाले चावल बनाने के लिए किया जाता है. इसकी मोटी मिट्टी की दीवारें गर्मी को धीरे-धीरे और समान रूप से फैलाती हैं, जिससे हर दाना अच्छी तरह पकता है. डोनाबे में पकाए गए चावल के नीचे हल्की कुरकुरी परत बन जाती है, जिसे 'ओकोगे' कहा जाता है. यह परत चावल में हल्का स्मोकी स्वाद और अलग से टेक्सचर जोड़ती है.

हगामा

बिजली से चलने वाले डिवाइस आने से पहले जापानी लोग हगामा नामक भारी लोहे के बर्तन में चावल पकाते थे. इसे पारंपरिक चूल्हे पर रखा जाता था और पकाने के दौरान आंच को सावधानी से कंट्रोल किया जाता था. इस तरीके से बने चावल चमकदार, मीठे स्वाद वाले और अलग-अलग दानों वाले होते हैं. आज भी कई पारंपरिक रेस्तरां इसी विधि का इस्तेमाल करते हैं.

कमाडो

कमाडो जापान का सबसे पुराना चावल पकाने का तरीका माना जाता है. यह लकड़ी या कोयले से चलने वाला पारंपरिक चूल्हा होता है, जिस पर हगामा बर्तन रखा जाता है. आग की गर्मी को कंट्रोल करके चावल पकाए जाते हैं. इस विधि से बने चावल में विशेष खुशबू, गहरा स्वाद और हल्की सख्त बनावट होती है, जिसे कई शेफ सबसे बेहतरीन मानते हैं.

तैयारी भी है उतनी ही जरूरी

जापानी विशेषज्ञों का मानना है कि चावल पकाने का बर्तन जितना जरूरी है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी तैयारी भी है. चावल को सही मात्रा में नापना, हल्के हाथों से धोना, 30 से 60 मिनट तक भिगोना और पकने के बाद कुछ देर आराम देना बेहद जरूरी माना जाता है. इन आसान चरणों से चावल का स्वाद, मिठास और बनावट बेहतर होती है तथा हर दाना समान रूप से पकता है।

अचार में डल गया है खूब सारा सरसों का तेल? लीक होने से ऐसे बचाएं, टिफिन में ले जाने पर भी नहीं लगेगा डर

अचार में ज्यादा सरसों का तेल होने की वजह से अक्सर टिफिन या बैग में लीक होने की समस्या हो जाती है. अगर आप भी इस परेशानी से जूझते हैं, तो कुछ आसान किचन ट्रिक्स अपनाकर अचार को बिना रिसे सुरक्षित तरीके से स्टोर और सफर में साथ ले जा सकते हैं.

भारतीय घरों में आम, नींबू, मिर्च या मिक्स वेज का अचार खाने का स्वाद कई गुना बढ़ा देता है. अचार को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए उसमें भरपूर मात्रा में सरसों का तेल डाला जाता है. लेकिन यही तेल कई बार परेशानी की वजह बन जाता है. अगर अचार को टिफिन या सफर के दौरान साथ ले जाना हो, तो तेल बाहर निकलकर पूरे बैग या डिब्बे को गंदा कर सकता है. ऐसे में कुछ आसान उपाय अपनाकर आप अचार को बिना लीक हुए आराम से कहीं भी ले जा सकते हैं.

अचार रखने के लिए हमेशा अच्छी क्वालिटी का एयरटाइट कंटेनर चुनें. कांच का जार लंबे समय तक स्टोरेज के लिए अच्छा होता है, लेकिन सफर या ऑफिस ले जाने के लिए मजबूत फूड-ग्रेड प्लास्टिक या स्टील का लीक-प्रूफ कंटेनर ज्यादा सुरक्षित रहता है. ढक्कन में सिलिकॉन रिंग (गैस्केट) वाला डिब्बा तेल रिसने की संभावना काफी कम कर देता है.

डिब्बा पूरा भरने की गलती न करें

अक्सर लोग अचार को डिब्बे में ऊपर तक भर देते हैं. इससे ढक्कन बंद करते समय तेल बाहर निकल सकता है. कंटेनर में थोड़ा खाली स्थान छोड़ें, ताकि हिलने-डुलने पर तेल को फैलने की जगह मिल सके और दबाव न बने.

डिब्बा बंद करने से पहले उसके किनारों और ढक्कन पर लगे तेल को साफ कपड़े या टिश्यू से अच्छी तरह पोंछ दें. अगर किनारों पर तेल रह जाएगा, तो ढक्कन पूरी तरह सील नहीं हो पाएगा और रिसाव की संभावना बढ़ जाएगी.

प्लास्टिक रैप की छोटी-सी ट्रिक

अगर आपको अचार लेकर यात्रा करनी है, तो ढक्कन लगाने से पहले कंटेनर के मुंह पर फूड-ग्रेड प्लास्टिक रैप या बटर पेपर की एक परत बिछा दें. इसके बाद ढक्कन कसकर बंद करें. यह अतिरिक्त सील की तरह काम करता है और तेल बाहर आने का खतरा कम हो जाता है.

टिफिन में ऐसे रखें

अचार के डिब्बे को हमेशा सीधी स्थिति में रखें. अगर संभव हो, तो उसे छोटे ज़िप-लॉक बैग या कपड़े के पाउच में रखकर टिफिन बैग में रखें. इससे अगर कुछ बूंदें भी निकलें, तो बाकी सामान खराब नहीं होगा.

जरूरत भर ही निकालें

अगर रोज ऑफिस या स्कूल अचार ले जाते हैं, तो पूरे जार की बजाय छोटी मात्रा अलग कंटेनर में निकालें. इससे बार-बार बड़े जार को खोलने की जरूरत नहीं पड़ेगी और अचार भी लंबे समय तक अच्छी स्थिति में रहेगा।

दादा-दादी और पोते-पोतियों के रिश्ते में आ गई है दूरी? अपनाएं ये आसान तरीके, बढ़ेगा अपनापन

दादा-दादी और पोते-पोतियों के रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए नियमित बातचीत, साथ समय बिताना, कहानियां सुनना, वीडियो कॉल, पारिवारिक गतिविधियां और सम्मान का माहौल सबसे असरदार तरीके हैं. छोटे प्रयास इस रिश्ते में फिर से अपनापन और भावनात्मक जुड़ाव ला सकते हैं.

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में परिवार साथ रहते हुए भी कई बार एक-दूसरे से दूर हो जाता है. सबसे ज्यादा असर उस रिश्ते पर पड़ता है, जो कभी घर की सबसे बड़ी ताकत माना जाता था दादा-दादी और पोते-पोतियों का रिश्ता. पहले जहां बच्चों की परवरिश में दादा-दादी की अहम भूमिका होती थी, वहीं अब मोबाइल, व्यस्त दिनचर्या और न्यूक्लियर फैमिली के कारण बातचीत का समय लगातार कम होता जा रहा है.

ऐसे में बच्चों और बुजुर्गों के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ना स्वाभाविक है. अच्छी बात यह है कि कुछ छोटे-छोटे बदलाव अपनाकर इस रिश्ते में फिर से वही अपनापन और गर्माहट लाई जा सकती है. इसके लिए बड़े प्रयास नहीं, बल्कि नियमित समय, धैर्य और दिल से जुड़ने की जरूरत होती है.

दादा-दादी और बच्चों के रिश्ते में दूरी क्यों बढ़ रही है?

हर परिवार की परिस्थितियां अलग होती हैं, लेकिन कुछ वजहें लगभग हर घर में देखने को मिलती हैं. बच्चों का अधिक समय पढ़ाई, ऑनलाइन क्लास या मोबाइल पर बीतता है. वहीं दादा-दादी अक्सर अपने अनुभव साझा करना चाहते हैं, लेकिन बच्चों की रुचि अलग होती है. कई परिवारों में नौकरी के कारण अलग-अलग शहरों में रहना भी इस दूरी की बड़ी वजह बन जाता है. धीरे-धीरे बातचीत कम होती है और रिश्ता केवल औपचारिक मुलाकातों तक सीमित रह जाता है.

रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए महंगे उपहार नहीं, बल्कि साथ बिताया गया समय सबसे ज्यादा मायने रखता है.

रोज कुछ मिनट बातचीत की आदत बनाएं

अगर बच्चे रोज केवल 15-20 मिनट भी दादा-दादी के साथ बैठकर बातें करें, दिनभर के अनुभव साझा करें या उनकी बातें सुनें, तो धीरे-धीरे भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होने लगता है. यह आदत बच्चों में सम्मान और अपनापन दोनों बढ़ाती है।

खूबसूरत वादियों तक! ये हैं भारत की 5 सबसे शानदार टॉय ट्रेन राइड्स, आज ही करें प्लान, सफर बन जाएगा यादगार

अगर आप इस बार किसी अनोखे और यादगार सफर पर जाना चाहते हैं, तो भारत में टॉय ट्रेन की ये 5 राइड्स निश्चित रूप से आपकी ट्रैवल लिस्ट में शामिल होनी चाहिए. पहाड़ों, सुरंगों, घनी हरियाली और बादलों के बीच से गुज़रना न सिर्फ़ एक रोमांचक अनुभव है, बल्कि यह आपको प्रकृति के बेहद करीब भी ले आता है.

अगर आपको ट्रेन से सफ़र करना पसंद है और आप कुदरत की खूबसूरती को करीब से देखना चाहते हैं, तो भारत की टॉय ट्रेन की सवारी एक शानदार अनुभव देती है. पहाड़ों, जंगलों, घाटियों और सुरंगों से गुज़रती हुई ये प्यारी-सी छोटी ट्रेनें ऐसे नज़ारे दिखाती हैं जिन्हें आप ज़िंदगी भर याद रखेंगे. इनमें से कुछ रेल रूट को तो UNESCO वर्ल्ड हेरिटेज का दर्जा भी मिला है. आइए भारत की 5 सबसे शानदार टॉय ट्रेन यात्राओं के बारे में जानते हैं...

1. दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे, पश्चिम बंगाल

दार्जिलिंग की टॉय ट्रेन भारत की सबसे मशहूर हेरिटेज ट्रेनों में से एक है. यह न्यू जलपाईगुड़ी से दार्जिलिंग तक चलती है और रास्ते में चाय के बागानों, पहाड़ों और खूबसूरत घाटियों के शानदार नज़ारे दिखाती है. इस रेलवे रूट को UNESCO की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल किया गया है.

2. कालका-शिमला टॉय ट्रेन, हिमाचल प्रदेश

96 किलोमीटर लंबा यह रेलवे रूट अपनी 100 से ज़्यादा सुरंगों और सैकड़ों पुलों के लिए मशहूर है. पहाड़ों से गुज़रने वाली यह ट्रेन मानसून और सर्दियों के मौसम में बहुत खूबसूरत लगती है. इसे भी UNESCO की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल किया गया है.

3. नीलगिरि माउंटेन रेलवे, तमिलनाडु

मेट्टुपालयम से ऊटी तक चलने वाली यह टॉय ट्रेन दक्षिण भारत के सबसे लोकप्रिय ट्रेन रूट में से एक है. रास्ते में घने जंगल, झरने, चाय के बागान और बादलों से घिरी पहाड़ियां इस सफ़र को यादगार बनाती हैं. यह रेलवे लाइन भी UNESCO की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट का हिस्सा है.

4. माथेरान हिल रेलवे, महाराष्ट्र

मुंबई के पास मौजूद माथेरान की टॉय ट्रेन प्रकृति प्रेमियों के लिए एक खास आकर्षण है. यह छोटी लेकिन बेहद खूबसूरत यात्रा हरियाली, घाटियों और शांत माहौल का आनंद लेने का शानदार मौका देती है. मानसून के दौरान यहां का नज़ारा और भी खूबसूरत हो जाता है.

5. कांगड़ा वैली रेलवे, हिमाचल प्रदेश

पठानकोट से जोगिंदर नगर तक चलने वाली यह नैरो गेज ट्रेन धौलाधार रेंज, हरे-भरे खेतों और छोटी नदियों से होकर गुज़रती है. यह उन यात्रियों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो कम भीड़ और शांत माहौल पसंद करते हैं.

(Disclaimer : इस खबर में दी गई जानकारी और सलाह विशेषज्ञों से हुई बातचीत पर आधारित है।

घर पर मिनटों में ऐसे तैयार होगा रेस्टोरेंट स्टाइल टोमैटो पास्ता, शेफ ने बताया ये सीक्रेट

अगर आपका भी मन बार-बार टोमैटो पास्ता खाने का करता है, तो अब आपको बाहर जाने की जरूरत नहीं है. कुछ आसान सामग्री और सही तरीका अपनाकर आप घर पर ही मिनटों में लाजवाब टोमैटो पास्ता तैयार कर सकते हैं.

अगर आपका अक्सर क्रीमी, स्वादिष्ट, रेस्टोरेंट-स्टाइल टोमैटो पास्ता खाने का मन करता है, तो अब आपको इसके लिए बाहर जाने की ज़रूरत नहीं है. बस कुछ आसान चीज़ों और सही तरीके से, आप घर पर ही मिनटों में ज़बरदस्त टोमैटो पास्ता बना सकते हैं. इस रेसिपी की सबसे अच्छी बात यह है कि इसका स्वाद बिल्कुल रेस्टोरेंट जैसा होता है और इसे बनाना बहुत आसान है...

सामग्री

2 कप पास्ता, 2 बड़े टमाटर, 1 प्याज़, 5-6 लहसुन की कलियां, 1 बड़ा चम्मच बटर, 1 बड़ा चम्मच ऑलिव ऑयल, 1/2 छोटा चम्मच चिली फ्लेक्स, 1/2 छोटा चम्मच ओरिगैनो, 2 बड़े चम्मच टोमैटो सॉस, 2-3 बड़े चम्मच फ्रेश क्रीम, स्वादानुसार नमक, काली मिर्च पाउडर, कद्दूकस किया हुआ चीज, फ्रेश बेसिल या धनिया.

टमाटर पास्ता कैसे बनाएं

1. सबसे पहले, एक बर्तन में पानी उबालें. इसमें थोड़ा नमक और तेल डालें, फिर पैकेट पर दिए गए निर्देशों के अनुसार पास्ता पकाएं. पकने के बाद, पास्ता का पानी निकाल दें और उसे अलग रख दें. पास्ता पकाने वाले पानी में से थोड़ा पानी बचाकर रखें, क्योंकि यह सॉस की कंसिस्टेंसी को बेहतर बनाने में मदद करता है.

रेस्टॉरेंट में इस्तेमाल होने वाला 'एनालॉग पनीर' क्या है, जानें कैसे बनाता है, सेहत के लिए कितना सेफ

पनीर भारतीय डिलक्स थाली का अहम हिस्सा है और इसे प्रोटीन का अच्छा सॉर्स भी माना जाता है. ज्यादातर लोग मार्केट में मौजूद असली और नकली पनीर के बारे में ही जानते हैं. लेकिन एक और तरह का पनीर भी है, जिसे आप शायद रोज खा रहे हैं. खासबात ये है कि ये पनीर न तो असली है और न ही नकली, ये है एनालॉग पनीर. यदि आप भी इसके बारे में नहीं जानते हैं, तो इस लेख में जानिए ये कैसे तैयार किया जाता है और आपकी सेहत के लिए किया सेफ है.

द्यएनालॉग पनीर ऐसा उत्पाद है जो पारंपरिक दूध से बने पनीर की तरह दिखने और स्वाद देने के लिए तैयार किया जाता है, लेकिन इसे बनाने की प्रक्रिया और सामग्री अलग होती है. यह हमेशा दूध से नहीं बनता, बल्कि इसमें वनस्पति तेल, दूध पाउडर, स्टार्च और अन्य खाद्य सामग्री का उपयोग किया जा सकता है. इसका उपयोग कुछ खाद्य उद्योगों, रेस्तरां और प्रोसेस्ड फूड उत्पादों में लागत कम करने और एक जैसी गुणवत्ता बनाए रखने के लिए किया जाता है.

एनालॉग पनीर कैसे बनाया जाता है? पारंपरिक पनीर दूध को फाड़कर बनाया जाता है, जबकि एनालॉग पनीर में वनस्पति वसा, प्रोटीन, इमल्सीफायर, स्टार्च और फ्लेवरिंग एजेंट्स को मिलाकर पनीर जैसी बनावट तैयार की जाती है. इसके बाद मिश्रण को सांचे में जमाया जाता है. रेस्टॉरेंट में आप जो पनीर की रेसिपी खाते हैं, उनमें एनालॉग पनीर का इस्तेमाल किया जाता है. इसलिए कई बार इसका टेक्सचर थोड़ा अलग सा लगता है.

क्या एनालॉग पनीर नकली पनीर है? जरूरी नहीं. यदि इसे निर्धारित खाद्य मानकों के अनुसार बनाया और सही तरीके से लेबल किया गया है, तो इसे अवैध या नकली नहीं कहा जा सकता. समस्या तब होती है जब इसे असली पनीर बताकर बेचा जाए.

क्या एनालॉग पनीर हेल्थ के लिए हानिकारक है? इसका जवाब इसकी सामग्री पर निर्भर करता है. यदि इसमें अधिक मात्रा में प्रोसेस्ड फैट, नमक या एडिटिव्स हों, तो इसका बार-बार सेवन स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं माना जाता.

असली और एनालॉग पनीर में क्या अंतर है? असली पनीर मुख्य रूप से दूध से बनता है और इसमें प्राकृतिक दूध प्रोटीन तथा कैल्शियम अधिक होता है. एनालॉग पनीर में पोषण प्रोफाइल अलग हो सकती है, क्योंकि इसकी सामग्री निर्माता के अनुसार बदलती रहती है.

ध्यान रखें एनालॉग पनीर अपने आप में कोई जहरीला या बैन प्रॉडक्ट नहीं है. इसकी गुणवत्ता, उपयोग की गई सामग्री और सेवन की मात्रा यह तय करती है कि यह आपके लिए कितना उपयुक्त है. इसलिए खरीदारी करते समय लेबल पढ़ना और सही ब्रांड चुनना जरूरी है।

'खतरनाक स्टंट करने की हिम्मत देते हैं', फरहाना भट्ट ने रोहित शेट्टी को बताया मजबूत सपोर्ट

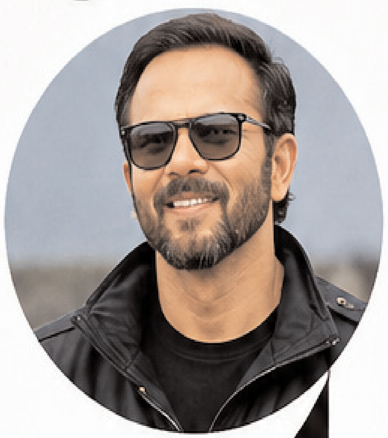

मुंबई । स्टंट आधारित शो 'खतरों के खिलाड़ी' में कंटेस्टेंट्स को शारीरिक ताकत के साथ-साथ मानसिक मजबूती भी दिखानी पड़ती है। ऐसे में होस्ट की भूमिका काफी अहम हो जाती है, क्योंकि उनका हौसला बढ़ाना कई बार कंटेस्टेंट्स को अपने डर पर जीत हासिल करने में मदद करता है। इस कड़ी में अभिनेत्री फहाना भट्ट ने शो के होस्ट और फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि रोहित खिलाड़िडीं में ऐसा आत्मविश्वास भर देते हैं कि वे उन स्टंट को भी करने के लिए तैयार हो जाते हैं, जिनसे वे शुरुआत में डर रहे होते हैं।

"बिग बॉस 19' में नजर आ चुकीं फरहाना भट्ट ने आईएएनएस से खास बातचीत में रोहित शेट्टी के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, "रोहित एक शानदार होस्ट हैं और उनकी सबसे बड़ी खाशियत यह है कि वह कंटेस्टेंट्स को लगातार प्रेरित करते रहते हैं। कई बार ऐसा होता है कि कोई स्टंट देखकर आपको डर लगने लगता है और आपको लगता है कि शायद आप उसे नहीं कर पाएंगे। लेकिन अगर उसी समय रोहित शेट्टी आपके पास खड़े हों और आपका साथ दे रहे हों, तो आपको अलग ही हिम्मत मिलती है।"

उन्होंने आगे कहा, "रोहित के सपोर्ट के साथ कोई भी कंटेस्टेंट मौत के कुएं जैसे डरावने स्टंट में भी उतरने का साहस जुटा सकता है।"

शो को लेकर फरहाना ने कहा, "इस शो में जीतने के लिए सिर्फ ताकत नहीं, बल्कि पूरी ईमानदारी और सौ फीसदी समर्पण की जरूरत होती है।"

फरहाना ने कहा, "मेरा मानना है कि इस शो में वही आगे बढ़ सकता है, जो हर स्टंट में अपना सौ फीसदी देता है। जब आप बिना डरे पूरी मेहनत के साथ चुनौती का सामना करते हैं, तभी आपका असली प्रदर्शन सामने आता है। दर्शक भी उसी कंटेस्टेंट को पसंद करते हैं, जो हर टास्क में पूरी लगन और हिम्मत दिखाता है। आखिर में दर्शक ही तय करते हैं कि कौन इस शो का असली विजेता बनने के योग्य है।"

> रोहित शेट्टी का सपोर्ट मिलता है तो मौत के कुएं जैसे स्टंट भी आसान लगते हैं।
> – फरहाना भट्ट

फरहाना की खास बातें

- रोहित शेट्टी कंटेस्टेंट्स को लगातार प्रेरित करते हैं।
- उनके सपोर्ट से खतरनाक स्टंट करने की हिम्मत मिलती है।
- शो में सफलता के लिए 100% समर्पण जरूरी।
- दर्शक ही तय करते हैं असली विजेता का हकदार कौन है।

'खतरों के खिलाड़ी 15' का टेलीकास्ट कलर्स टीवी पर

'आधा समय काम और खाने की चर्चा में बीतता है', रकुल प्रीत सिंह ने शेयर किया पति जैकी भगनानी के साथ काम करने का अनुभव

विश्व केसरी

मुंबई । अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और निर्माता-अभिनेता जैकी भगनानी की जोड़ी ने अपने रिश्ते को हमेशा निजी रखा है, लेकिन समय-समय पर सोशल मीडिया के जरिए अपनी जिंदगी से जुड़ी खूबसूरत झलकियां भी साझा करते रहते हैं।

हाल ही में रकुल ने जैकी के साथ अपने काम और निजी रिश्ते को लेकर एक खास बात साझा की, जिसमें उन्होंने बताया कि पति के साथ काम करना उनके लिए कितना खास और मजेदार अनुभव है।

रकुल प्रीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर जैकी भगनानी के साथ कुछ तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में दोनों के बीच की खास बॉन्डिंग नजर आ रही है। पोस्ट में रकुल ने फैंस द्वारा पूछे जाने वाले उस सवाल का जवाब दिया कि पति के साथ काम करना कैसा होता है।

रकुल ने अपने कैप्शन में लिखा, ''जब लोग मुझसे पूछते हैं कि साथ काम करने का अनुभव कैसा है, तो इसका जवाब बहुत आसान है। हम दोनों का आधा समय काम को लेकर बातचीत करने में और बाकी समय हंसी-मजाक करने और खाने की चर्चा करने में बीतता है। मुझे यह अच्छा लगता है, क्योंकि हमारी सोच और तालमेल एक जैसी है। जब दो लोग किसी काम को लेकर एक जैसी एनर्जी और उत्साह रखते हैं तो साथ मिलकर कुछ नया बनाना और भी खास हो जाता है।''

अभिनेत्री ने आगे लिखा, ''साथ मिलकर जिंदगी बनाना अपने आप में एक अलग अनुभव है, लेकिन जब आप दोनों मिलकर ऐसी चीज बनाने की कोशिश करते हैं, जिसे लेकर दोनों उत्साहित हों, तो वह सफर और भी खास बन जाता है।''

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने साल 2021 में अपने रिश्ते का खुलासा किया था। इसके बाद दोनों ने 2024 में गोवा में शादी की थी। उनकी शादी में परिवार के करीबी लोग और खास दोस्त शामिल हुए थे। शादी के बाद भी दोनों अपने-अपने काम में सक्रिय हैं और अक्सर एक-दूसरे को सहयोग करते नजर आते हैं।

सोहा अली खान ने शेयर की पूरे हफ्ते की खास बातें, डाइजेस्टिव टी से लेकर पुल-अप तक का बताया अनुभव

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान सोशल मीडिया पर अपनी फिटनेस, किताबों और लाइफस्टाइल से जुड़ी अपडेट देती रहती हैं। इस बार उन्होंने अपने फैंस को बताया कि इस हफ्ते उन्हें कौन-कौन सी चीजें सबसे ज्यादा पसंद आईं। सोहा ने अपनी रोजमर्रा की आदतों, पढ़ने की पसंद और फिटनेस से जुड़ी चीजों के बारे में बात की। सोहा अली खान ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए अपनी इस हफ्ते की तीन पसंदीदा चीजों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मैं रात के खाने के बाद एक खास डाइजेस्टिव टी पीती हूं, जो मेरी शाम की दिनचर्या का हिस्सा बन गई है। यह चाय पेट को हल्का रखने में मदद करती है। अभिनेत्री ने बताया, ''यह डाइजेस्टिव टी घर पर आसानी से तैयार की जा सकती है। इसमें दालचीनी, अदरक, तुलसी और सौंफ जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। यह पेय मुझे काफी सुकून देता है, और अब यह मेरी छोटी सी शाम की आदत बन चुकी है। हालांकि, यह चाय हर किसी के लिए सही नहीं हो सकती। खासकर गर्भवती महिलाओं, ब्लड थिनर लेने वाले लोगों, एसिडिटी या रिफ्लक्स की समस्या से जूझ रहे लोगों और डायबिटीज की दवा लेने वालों को इसे लेने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। सोहा ने अपनी पोस्ट में अपनी पढ़ने की आदत के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया, ''मैं इन दिनों जापानी लेखक केइगो हिगाशिनो की किताब 'मैलिस' पढ़ रही हूं। मैं इस लेखक की किताबों को पढ़ना पसंद करती हूं, क्योंकि इनकी कहानियां हमेशा पाठकों को हैरान करती हैं और अंत तक बांधे रखती हैं।

मल्लिका शेरावत के साथ नजर आए तेज प्रताप यादव, सोशल मीडिया पर शेयर किया खास वीडियो

विश्व केसरी

पटना । बिहार की राजनीति में अपने अलग अंदाज और बेबाक बयानों के लिए पहचाने जाने वाले जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव इन दिनों मनोरंजन जगत में अपनी मौजूदगी को लेकर लगातार चर्चा में हैं।

हाल ही में उन्होंने रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' के जरिए लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा और अब एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर उन्होंने फिर सुर्खियां बटोर ली हैं। इस वीडियो में तेज प्रताप बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत के साथ नजर आ रहे हैं। दोनों को एक साथ देखकर इंटरनेट पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

दरअसल, तेज प्रताप यादव ने अपने आधिकारिक एक्स टाइमलाइन पर यह वीडियो साझा किया है। वीडियो में वह अभिनेत्री मल्लिका शेरावत के साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं। दोनों के बीच बातचीत होती नजर आ रही है। वीडियो में तेज

प्रताप अपने मोबाइल फोन में मल्लिका शेरावत को कुछ दिखा रहे हैं, वहीं मल्लिका भी पूरे ध्यान से मोबाइल की ओर देखती हैं और बीच-बीच में तेज प्रताप से बातचीत करती दिखाई देती हैं।

इस वीडियो को और खास बनाने के लिए इसके बैकग्राउंड में फिल्म 'धुरंधर' का रोमांटिक गाना 'गहरा हुआ' लगाया गया है। गाने के साथ तैयार किया गया यह छोटा वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है।

तेज प्रताप यादव ने वीडियो के साथ यह जानकारी साझा नहीं की है कि उनकी और मल्लिका शेरावत की यह मुलाकात कब और किस मौके पर हुई, लेकिन उन्होंने कैप्शन के जरिए कुछ दिलचस्प सा संकेत जरूर दिया है।

उन्होंने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, ''जल्द ही कुछ रोमांचक आने वाला है''

वीडियो के सामने आने के बाद कई लोग इसे किसी शूटिंग या कार्यक्रम के दौरान हुई मुलाकात मान रहे हैं, जबकि कुछ लोग इसे 'भोजपुरी बवाल' से जोड़कर भी देख रहे हैं।

दरअसल, तेज प्रताप यादव ने रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में हिस्सा लिया है।

अजय देवगन और तनिषा मुखर्जी ने काजोल के जन्मदिन पर शेयर किए फनी मूमेंट्स

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री काजोल देवगन बुधवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनके परिवार के सदस्यों अजय देवगन और बहन तनिषा मुखर्जी ने सोशल मीडिया के जरिए जन्मदिन की बधाई दी।

अभिनेता अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर काजोल के साथ वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में काजोल के हंसी वाले मूमेंट शामिल हैं। अभिनेता ने इस वीडियो के जरिए काजोल के लिए लिखा, 'पता चला कि मेरे सबसे अच्छे जोक्स को इतने सालों से वही ऑडियंस मिली है। हैप्पी बर्थडे, काजोल।

अभिनेत्री काजोल की छोटी बहन तनिषा मुखर्जी ने भी जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम पर काजोल के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों फनी मूमेंट्स शेयर करती दिख रही हैं। तनिषा ने अपनी बहन के लिए लिखा, 'मेरी प्यारी कैडी (काजोल), तुम जिंदगी भर हंसती रहो। जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएं मेरी प्यारी बहन। ढेर सारा प्यार। अभिनेत्री की बात करें, तो कला उन्हें विरासत में मिली थी। दरअसल, अभिनेत्री की मां तनुजा बीते

जमाने जानी-मानी अभिनेत्री थीं और पिता शोमू मुखर्जी एक जाने-माने फिल्म निर्माता और निर्देशक थे।

1992 से फिल्म 'बेखुदी' से करियर की शुरुआत करने के बाद, अभिनेत्री को 1993 की थ्रिलर फिल्म 'बाजीगर' से पहचान मिली थी। उन्होंने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', और 'कभी खुशी कभी गम' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया। उन्हें छह बार फिल्मफेयर पुरस्कार और 2011 में पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है।

साल 1995 में फिल्म 'हलचल' के सेट पर काजोल और अजय देवगन की प्रेम कहानी की शुरुआत हुई। पहले दोस्ती और फिर प्यार परवान चढ़ा और लगभग चार साल डेटिंग के बाद, दोनों ने 24 फरवरी 1999 को मुंबई में अजय देवगन के आवास पर बहुत ही सादगी और निजी तरीके से शादी कर ली। आज उनके दो बच्चे, बेटी न्यासा और बेटा युग हैं।

शादी के कुछ सालों के बाद ब्रेक लेने के बाद, अभिनेत्री ने 2006 में फिल्म 'फना' से शानदार वापसी की और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार जीता। 2010 में, 'माई नेम इज खान' में बेहतरीन अभिनय किया। 2023 में, वेब सीरीज 'द ट्रायल' के जरिए डिजिटल स्ट्रीमिंग की दुनिया में कदम रखा।

एक समाज के तौर पर हम जेन जी को लेकर ज्यादा जजमेंटल हो गए हैं : अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह ने युवा पीढ़ी को लेकर नजरिया बदलने की जरूरत पर जोर दिया है। उनका कहना है कि एक समाज के तौर पर हम अक्सर बहुत जल्दी राय बना लेते हैं। जबकि किसी भी पीढ़ी का व्यवहार काफी हद तक उसी माहौल पर निर्भर करता है जो हम उन्हें देते हैं।

अभिनेत्री ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि आज के बच्चे बस उसी माहौल को दिखाते हैं जिसमें वो बड़े हुए हैं। साथ ही, उनकी तुलना पिछली पीढ़ियों से करना बेहद गलत है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक समाज के तौर पर ज्यादा जजमेंटल हो गए हैं। अगर बच्चे ऐसे हो गए हैं, तो इसके पीछे की कोई तो वजह होगी। बच्चे तो वैसे ही होंगे, जैसा उनको माहौल मिलेगा। अगर आप माहौल बदल देंगे, तो बच्चे भी बदल जाएंगे। तो इसमें उनकी कोई गलती नहीं है। अभिनेत्री से मीडिया ने सवाल किया, 'बच्चों को अक्सर माता-पिता और समाज द्वारा बनाए गए व्यवहार के लिए जिम्मेदार क्यों ठहराया जाता है?'

इस पर अभिनेत्री ने कहा, 'अगर कल मेरे नाती-पोते होंगे और वे किसी खास तरह का व्यवहार करेंगे और फिर, मैं उनसे तुलना करूं कि मेरे बच्चे ऐसे नहीं करते थे, तो ये गलत होगा ना। बच्चे कुछ भी सीखकर पैदा नहीं होते, आप उन्हें सिखाते हैं, समाज सिखाता है।'

जेन जी में टेक्नोलॉजी के बढ़ते असर पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि 'जेन जी' उन हालातों में बड़ी हो रही है, जो पिछली जेनरेशन के एक्सपीरियंस से बहुत अलग हैं। उन्होंने कहा, 'हम एक खास समय में पैदा हुए थे, इसलिए हमने उस समय के हिसाब से बर्ताव किया। जेन जी टेक्नोलॉजी के युग में पैदा हुए हैं। उनके हाथों में गैजेट्स जल्दी आ गए। बच्चे पहले भी गलत बर्ताव करते थे, लेकिन आजकल, उनके पास जो गैजेट्स हैं, कंप्यूटर समेत वो सब कुछ है, जिनके बारे में हमने सपनों में भी नहीं सोचा था, जब वे ऐसी दुनिया में पैदा हुए हैं, तो उन्हें उसी के हिसाब से ढलना पड़ेगा यही उनकी जिंदगी है।

कोलंबो पहुंचे विदेश सचिव विक्रम मिस्री, शीर्ष नेतृत्व से करेंगे मुलाकात

विश्व केसरी

कोलंबो। विदेश सचिव विक्रम मिस्री बुधवार को श्रीलंका के एक दिवसीय दौरे पर कोलंबो पहुंचे। इस दौरान उनका राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके, प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या, विदेश मंत्री विजिता हेराथ और अन्य लोगों से मिलने का कार्यक्रम है।

श्रीलंका स्थित भारतीय उच्चायोग ने इसकी जानकारी दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारत और श्रीलंका के बीच नियमित उच्च स्तरीय बातचीत को आगे बढ़ाते हुए, यह दौरा द्विपक्षीय रिश्तों को और मजबूत करेगा और जरूरी पहलों की रफ्तार बढ़ाएगा।'

पड़ोसी देशों की मदद को हमेशा तत्पर भारत ने एक दिन पहले ही डेंगू के प्रसार पर लगाम लगाने के लिए भी अहम योगदान दिया था। भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने मंगलवार को श्रीलंका के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नलिंदा जयतिस्सा को 500 लीटर टेक्निकल मैलाथियान (कीटनाशक रसायन) सौंपा। झा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'भारत डेंगू के खिलाफ लड़ाई में श्रीलंका के साथ खड़ा है। भारत सरकार और जनता की ओर से उपहार स्वरूप 500 लीटर टेक्निकल मैलाथियान स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नलिंदा जयतिस्सा को सौंपकर खुशी हुई। इससे श्रीलंका में चल रहे डेंगू नियंत्रण प्रयासों को बल मिलेगा। भारत ने यह मदद ऐसे समय की है जब श्रीलंका भर के अस्पतालों में डेंगू वार्ड अभी भी भरे हुए हैं। हालांकि रोजाना आने वाले मामलों की संख्या में कमी आई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, श्रीलंका में डेंगू के दैनिक मामले जो कभी 1000 के आसपास पहुंच गए थे, अब घटकर लगभग 500 रह गए हैं। इससे पहले, 27 जुलाई को विभिन्न परियोजनाओं का जिक्र करते हुए झा ने कहा था कि श्रीलंका में विकास परियोजनाओं के लिए भारत की सहायता 7.5 अरब डॉलर से अधिक हो गई है। ये परियोजनाएं श्रीलंका के सभी 25 जिलों को कवर करती हैं।

भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर लिखा, '7.5 अरब डॉलर से अधिक की सहायता, जिसमें 850 मिलियन डॉलर से अधिक अनुदान शामिल है, के साथ भारत की जन-केंद्रित परियोजनाएं आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, रेलवे, ऊर्जा और आजीविका के क्षेत्र में श्रीलंका में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। 14 जुलाई को संतोष झा और श्रीलंका के स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव अनिल जासिंघे ने देनियाया के बेस अस्पताल में चिकित्सा उपकरण आपूर्ति हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

इसके तहत भारत सरकार एसएलआर (श्रीलंकाई मुद्रा) 600 मिलियन का अनुदान देगी।

पुर्तगाली पीएम ने अपने देश के प्रवासन मॉडल का किया बचाव

विश्व केसरी

लिस्बन। स्पेन के स्यूटा प्रवासी संकट को लेकर मंगलवार को ईयू विदेश मंत्रियों की इस समस्या पर अहम बैठक हुई। जिसमें सीमाओं को सुरक्षित रखने पर जोर दिया गया और इसे 'साझा जिम्मेदारी' करार दिया। इस बीच, पुर्तगाल के प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो ने अपने देश के प्रवासन मॉडल को बेहतरीन करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल अन्य देशों में दिखने वाली 'प्रवासन प्रवाह के नियमन की कमी' के बिल्कुल उलट है।

लूसा न्यूज एजेंसी के मुताबिक, मोंटेनेग्रो ने कहा कि पुर्तगाल यह सुनिश्चित करता है कि उसके देश में आने वाले प्रवासियों को नौकरी, आवास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा से संबंधित सुविधाएं तरह से मिले और वो सम्मान से अपना जीवन यापन कर सकें। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने तर्क दिया कि जिन देशों में पुल-इफेक्ट माइग्रेशन पॉलिसी होती हैं, वे अक्सर प्रवासियों को सही हालात दिए बिना ही अट्रैक्ट कर लेते हैं।

यूरोपियन यूनियन (ईयू) के गृह मंत्रियों की स्यूटा संकट पर बुलाई ऑनलाइन बैठक के बाद जारी बयान पर उन्होंने अपने विचार साझा किया। यूरोपीय संघ (ईयू) ने बाहरी सीमाओं की सुरक्षा को 'साझा जिम्मेदारी' बताते हुए बाहरी सीमाओं को और मजबूत करने के साथ ही प्रवासियों की वापसी के सही तरीके अपनाने पर जोर दिया। स्पेन के गृहमंत्री ने कहा कि पिछले हफ्ते 24 घंटे के अंदर लगभग 72,000 लोग अचानक स्यूटा में दाखिल हो गए थे, जिनमें से लगभग 70,000 तब से मोरक्को लौट गए हैं।

इससे पहले 31 जुलाई को, पुर्तगाली सरकार ने कहा था कि वह स्पेन के उत्तर अफ्रीकी इलाके स्यूटा में माइग्रेशन संकट को लेकर गंभीर है और शेंगेन इलाके में सख्त सीमा नियंत्रण को लेकर प्रतिबद्ध है। पुर्तगाली प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो के कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, सरकार ने संकट में मारे गए लोगों के लिए दुख जताया और कहा कि स्पेनिश सरकार उसे इस संकट की लगातार जानकारी देती रही है।

संक्षिप्त खबर

न्यूजीलैंड : 15 साल बाद वेलिंगटन में बर्फबारी, कई प्रमुख राजमार्ग बंद

विश्व केसरी

वेलिंगटन। एक तरफ जहां यूरोप के कई इलाके भीषण गर्मी की मार अब भी झेल रहे हैं वहीं ओशिनिया के द्वीपीय देश न्यूजीलैंड की राजधानी बर्फबारी और कड़ाके की ठंड का सामना कर रहा है।

अंटार्कटिका से आई भीषण शीत लहर के प्रभाव से न्यूजीलैंड के बड़े हिस्से में भारी बर्फबारी और कड़ाके की ठंड पड़ रही है। वेलिंगटन में करीब 15 वर्षों बाद समुद्र तल तक बर्फबारी दर्ज की गई, जबकि दक्षिणी शहर डुनेडिन में लोगों ने दुनिया की सबसे खड़ी सड़क पर स्कीइंग कर इस दुर्लभ मौसम का आनंद लिया। स्थानीय मीडिया आउटलेट स्टफ के अनुसार, राजधानी वेलिंगटन में बर्फबारी से शहर सफेद चादर में ढक गया। लंबे समय बाद हुई इस बर्फबारी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग घरों और कार्यालयों से बाहर निकल आए। सोशल मीडिया पर बर्फबारी की तस्वीरें और वीडियो भी तेजी से साझा किए जा रहे हैं। दक्षिणी शहर डुनेडिन में भारी बर्फबारी के कारण कई स्कूल बंद कर दिए गए। बर्फ से ढकी दुनिया की सबसे खड़ी सड़क 'बाल्डविन स्ट्रीट' पर स्थानीय लोगों ने स्की और स्नोबोर्ड चलाकर मौसम का आनंद लिया, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को देश के कई हिस्सों में तापमान शून्य से नौ डिग्री सेल्सियस नीचे तक पहुंच गया।

भारत समेत चार देशों के दौरे पर अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री एस. पॉल कपूर, रणनीतिक साझेदारी मुख्य एजेंडा

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिका के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री एस. पॉल कपूर 5 से 12 अगस्त तक भारत, उज्बेकिस्तान, किर्गिज गणराज्य और कजाकिस्तान की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरे का उद्देश्य क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और अमेरिका की दक्षिण एवं मध्य एशिया नीति को आगे बढ़ाना है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। विदेश विभाग के अनुसार, कपूर अपनी यात्रा के दौरान वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे और रक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, संपर्क परियोजनाओं तथा क्षेत्रीय सुरक्षा सहित कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करेंगे। भारत यात्रा में अमेरिका-भारत व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी, मुक्त एवं समावेशी हिंद-प्रशांत, उभरती प्रौद्योगिकियों, रक्षा सहयोग और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर विशेष जोर रहने की संभावना है। भारत के बाद कपूर उज्बेकिस्तान, किर्गिज गणराज्य और कजाकिस्तान जाएंगे। मध्य एशिया के इन देशों के साथ अमेरिका ऊर्जा सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स), आतंकवाद-रोधी सहयोग, सीमा सुरक्षा, डिजिटल और भौतिक संपर्क परियोजनाओं तथा क्षेत्रीय स्थिरता के मुद्दों पर सहयोग बढ़ाना चाहता है। एस. पॉल कपूर भारतीय मूल के अमेरिकी रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ हैं। उनका जन्म नई दिल्ली में हुआ था ।

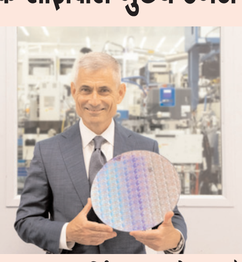

स्पेन और मोरक्को के बीच आरोप-प्रत्यारोप, 2,500 अवैध प्रवासी अभी भी स्यूटा में फंसे

विश्व केसरी

स्यूटा। स्पेन के शहर स्यूटा में प्रवासी संकट के एक स?ताह बाद भी करीब 2,500 अवैध प्रवासी अब भी स्यूटा में मौजूद हैं। इनमें ज्यादातर मोरक्को के नागरिक हैं, लेकिन कुछ लोग उप-सहारा अफ्रीका के देशों से भी हैं।

स्यूटा में, प्रवासियों के भारी संख्या में आने से यूरोपीय संघ (ईयू) स्तर पर पैदा हुए संकट के चार दिन बाद, शहर का केंद्र धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में लौट रहा है। अखबार 'एल पेस' के अनुसार, ताराजाल बीच, जो पिछले हफ्ते मोरक्को से आने वाले प्रवासियों का मुख्य प्रवेश बिंदु था, वहां कल कुछ लोग समुद्र किनारे घूमते और नहाते हुए दिखाई दिए। संकट शुरू होने के बाद यह पहली बार था।

शहर के केंद्र में, जहां सिविल गार्ड और सेना तैनात हैं, पर्यटक फिर से लौटने लगे हैं। लेकिन मुख्य इलाके से बाहर हालात अलग हैं। स्पेनिश अधिकारियों के मुताबिक, करीब 2,500 अवैध प्रवासी अभी भी स्यूटा में मौजूद हैं। इतालवी समाचार एजेंसी एडीएनक्रोनोस की रिपोर्ट के अनुसार, शहर का प्रवासी स्वागत केंद्र पूरी तरह भर चुका है और वहां अब किसी नए व्यक्ति के लिए जगह नहीं बची है।

रिपोर्टों के अनुसार, कई लोगों ने सिदी एम्बारेक मुस्लिम कब्रिस्तान में शरण ले रखी है। वे कब्रों के ऊपर सोते हैं और वहीं किसी तरह अपनी साफ-सफाई भी कर लेते हैं। 'एल पेस' के रिपोर्टर के मुताब?िक, प्रवासियों और स्यूटा के स्थानीय लोगों में मीडिया के प्रति काफी नाराजगी है। इसकी वजह यह है कि दुनिया भर से बड़ी संख्या में पत्रकार इस इलाके में पहुंचे हैं। हाडू इलाके के एक निवासी ने बताया कि यहां 'चीन और रूस' सहित कई देशों के पत्रकार भी आए हुए हैं।

इस बीच, संकट को संभालने के तरीके को लेकर स्पेन और मोरक्को के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। मोरक्को का कहना है कि उसने पहले ही स्पेन को उस खतरे के बारे में आगाह कर दिया था, जो स्पेन के सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद पैदा हो सकता था।

ब्राजील ने राजदूत के खिलाफ अमेरिकी वीजा कार्रवाई की निंदा की

विश्व केसरी

रियो डी जनेरियो। अमेरिका द्वारा ब्राजील की राजदूत का वीजा रद्द करने पर ब्राजील सरकार ने कड़ी नाराजगी जताई। ब्राजील ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय के इस फैसले को गलत और आधारहीन बताया।

मामला ब्राजील की वाशिंगटन में तैनात राजदूत मारिया लुइजा रिबेरो वियोटी के वीजा से जुड़ा है। अमेरिकी सरकार ने पिछले महीने ब्राजील द्वारा दो अमेरिकी अधिकारियों को वीजा न देने और ट्रंप प्रशासन के नए राजदूत की नियुक्ति में देरी करने के जवाब में यह कदम उठाया।

विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि जिन दो अमेरिकी अधिकारियों को वीजा देने से मना किया गया था, वे ब्राजील के चुनावी सिस्टम की जांच करने आना चाहते थे। ब्राजील ने इसे देश के आंतरिक मामलों में अस्वीकार्य दखल करार दिया। नए अमेरिकी राजदूत की नियुक्ति पर भी ब्राजील ने सफाई देते हुए कहा कि अमेरिका ने डेनियल पेरेज का नाम सार्वजनिक रूप से घोषित कर दिया था जबकि औपचारिक मंजूरी के लिए अनुरोध बाद में भेजा गया। ब्राजील के मुताबिक यह वियना कन्वेंशन के अनुच्छेद 4 का उल्लंघन है।

बयान में कहा गया, 'वियना कन्वेंशन में कहीं यह नहीं लिखा कि मंजूरी कितने दिन में देनी है। अमेरिका का प्रस्ताव अभी हमारी समीक्षा में है।' ब्राजील ने यह भी याद दिलाया कि अमेरिका ने पहले ही ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जजों और वरिष्ठ अधिकारियों पर एकतरफा प्रतिबंध लगाए हुए हैं। इन अधिकारियों के अमेरिकी वीजा भी रद्द किए जा चुके हैं। आरोप है कि उन्होंने राजनीतिक उत्पीड़न किया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया को बताया कि राजदूत का वीजा तभी बहाल होगा जब स्थिति सुलझ जाएगी।

दक्षिण कोरिया में जुलाई रहा तीसरा सबसे गर्म महीना, नया रिकॉर्ड बना

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया हीट वेव की चपेट में है। बढ़ा तापमान दिन पर दिन नए रिकॉर्ड गढ़ रहा है। इस वर्ष जुलाई का महीना रिकॉर्ड पर तीसरा सबसे गर्म जुलाई दर्ज किया गया। देश के मौसम विभाग ने बुधवार को बताया कि जुलाई के दौरान देश का औसत तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

कोरिया मौसम प्रशासन (केएमए) के अनुसार, 1973 से उपलब्ध आंकड़ों में सबसे अधिक औसत जुलाई तापमान 1994 में 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जबकि दूसरे स्थान पर पिछले वर्ष का 27.1 डिग्री सेल्सियस रहा। इस वर्ष का औसत तापमान तीसरा सबसे अधिक रहा। योनहाप न्यूज एजेंसी ने रिपोर्ट के हवाले से बताया कि, जुलाई में देशभर में 'उष्ण रातों' (ट्रॉपिकल नाइट्स) की औसत संख्या 9.7 दिन रही, जो अब तक का सबसे अधिक रिकॉर्ड है। 'उष्ण रात' उस स्थिति को कहा जाता है, जब रात के दौरान न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक बना रहता है।

मौसम विभाग ने बुधवार को राजधानी क्षेत्र के और इलाकों में उच्चतम स्तर की हीटवेव चेतावनी जारी कर दी। इसके साथ ही ग्रेटर सोल क्षेत्र के 43 प्रतिशत हिस्से में अब उच्चतम स्तर का हीट अलर्ट लागू हो गया है। केएमए के अनुसार, बुधवार सुबह 11 बजे से इंचियोन के दक्षिणी हिस्से और ग्योंगगी प्रांत के नौ शहरों एवं जिलों, जिनमें ग्वांगम्योंग, योनचॉन और ह्वासियोंग शामिल हैं, में उच्चतम स्तर की हीटवेव चेतावनी प्रभावी हो गई। इसके बाद राजधानी क्षेत्र के 46 मौसम सलाहकार क्षेत्रों में से 20 इस श्रेणी में आ गए हैं। वहीं, दक्षिण चुंगच्योंग प्रांत के चेओंगयांग में भी पहली बार यह उच्चतम चेतावनी जारी की गई है।

मेलबर्न की रक्षा उपकरण बनाने वाली कंपनी पर हुए हमले की जांच आतंकवादी घटना के तौर पर शुरू

विश्व केसरी

मेलबर्न। मेलबर्न की एक डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कंपनी पर 2025 में हुए हमले की जांच आतंकवाद की घटना के तौर पर की जा रही है। यह जानकारी ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने बुधवार को दी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 5 जुलाई 2025 की सुबह मेलबर्न के उत्तर-पूर्वी उपनगरों में स्थित 'लोविट टेक्नोलॉजीज' को निशाना बनाया गया। वहां कई गाड़ियों में आग लगा दी गई और परिसर में तोड़-फोड़ की गई।

ऑस्ट्रेलियाई फेडरल पुलिस (एएफपी), ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा खुफिया संगठन (एएसआईओ) और विक्टोरिया पुलिस ने बुधवार को एक संयुक्त बयान में कहा कि इस मामले की जांच आतंकवाद की घटना के तौर पर की जा रही है।

उन्होंने बताया कि इन तीनों एजेंसियों की संयुक्त पहल, 'विक्टोरियन जॉइंट काउंटर टेररिज्म टीम' (जेसीटीटी) इस हमले की जांच आतंकवाद की घटना के रूप में कर रही है। आशंका है कि इस हमले को अराजकतावादी और क्रांतिकारी विचारधारा वाले अति-वामपंथी चरमपंथियों ने अंजाम दिया है। जेसीटीटी का आरोप है कि एक ग्रुप के नकाबपोश सदस्यों ने बाद में ऑनलाइन एक वीडियो पोस्ट करके हमले की ज़िम्मेदारी ली। वीडियो में कथित दोषियों ने फिलिस्तीन के लिए अपना समर्थन जताया और आग लगाने वाला डिवाइस बनाने के तरीके बताए। माना जाता है कि जुलाई 2025 के हमले में इसी तरह के डिवाइस का इस्तेमाल किया गया था।

घटना के बाद नकाब पहने एक व्यक्ति ने ऑनलाइन वीडियो शेयर किया। उसने 'एनॉनिमस सेल' की तरफ से बात करने का दावा करते हुए फिलिस्तीन का समर्थन किया और कहा कि लवित टेक्नोलॉजीज को इसलिए निशाना बनाया गया, क्योंकि वह ग्लोबल एफ-35 जॉइंट स्ट्राइक फाइटर प्रोग्राम में शामिल थी ।

वैश्विक अस्थिरता के बीच कोरियाई प्रायद्वीप में शांति और स्थिरता बनाए रखना सबसे जरूरी : ली जे-म्युंग

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने कोरियाई प्रायद्वीप में शांति बनाए रखने पर जोर दिया है। उन्होंने बुधवार को कहा कि मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के दौर में प्रायद्वीप में शांति और स्थिरता बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ली के अनुसार शांति केवल सुरक्षा का नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन से भी जुड़ा मसला है।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, राष्ट्रपति ली ने विदेश, एकीकरण और रक्षा मंत्रालयों से नीतिगत ब्रीफिंग लेने से पहले कहा, 'दुनिया इस समय बड़े बदलाव और उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में कोरियाई प्रायद्वीप में शांति और स्थिरता बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया पहले भी शांति भंग होने के दुष्परिणाम देख चुका है, इसलिए शांति के महत्व को जितना भी रेखांकित किया जाए, वह कम है। उन्होंने कहा, 'शांति ही भोजन है, शांति ही अर्थव्यवस्था है।' राष्ट्रपति के अनुसार, प्रायद्वीप में स्थिरता बनाए रखने से आर्थिक गतिविधियों और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होता है।

ली ने इस बात पर भी खेद जताया कि दक्षिण कोरिया में सुरक्षा और कूटनीति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे राजनीतिक दलों के बीच टकराव का विषय बन गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार शोर मचाने के बजाय अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए ठोस परिणाम देने पर ध्यान देगी।

राष्ट्रपति ने एकीकरण मंत्रालय को निर्देश दिया कि उत्तर कोरिया की ओर से लगातार सकारात्मक प्रतिक्रिया न मिलने के बावजूद शांति और सह-अस्तित्व की नीति जारी रखी जाए।

पिछले 3 महीने में 1,000 से ज्यादा जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकाला : सेंटकॉम

विश्व केसरी

वाशिंगटन। खाड़ी में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने कहा कि रणनीतिक रूप से होर्मुज स्ट्रेट का दक्षिणी मार्ग व्यापारिक जहाजों के लिए खुला है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंटकॉम के मुताबिक, पिछले तीन महीनों में अमेरिकी सेना ने 1,000 से ज्यादा जहाजों को इस रास्ते से सुरक्षित पार कराया है।

सेंटकॉम ने 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया, 'होर्मुज स्ट्रेट का दक्षिणी मार्ग सभी व्यापारिक जहाजों के लिए खुला और सुरक्षित है। पिछले तीन महीनों में अमेरिकी सेनाओं ने ईरान के अनुचित रवैये के बावजूद 1,000 से ज्यादा जहाजों को इस अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग से सफलतापूर्वक निकलवाया है। यह सिलसिला अब भी जारी है। सेंटकॉम ने कहा कि वह इलाके में नौवहन की सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रहा है। अमेरिका ने खाड़ी में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रखी है ताकि अंतरराष्ट्रीय पानी में व्यापारिक आवाजाही बेरोकटोक हो सके। सेंटकॉम ने जानकारी दी कि 4 अगस्त तक अमेरिकी बलों ने 45 व्यापारिक जहाजों का रास्ता बदला, 2 जहाजों को निष्क्रिय किया और 2 जहाजों की तलाशी ली ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। अमेरिकी युद्धपोत यूएस बॉक्सर भी इस समय तैनात है और निगरानी कर रहा है।

होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक है। यहीं से दुनिया के तेल और गैस का बड़ा हिस्सा जहाज से परिवहन के जरिए गुजरता है। इसी बीच अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि वाशिंगटन ईरान से बातचीत कर रहा है। उन्हें उम्मीद है कि अगले एक-दो दिन में होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने को लेकर समझौता हो सकता है।

सिन्हुआ के मुताबिक, सीएनबीसी को दिए इंटरव्यू में स्कॉट बेसेंट ने कहा, 'हम ईरानियों से बात कर रहे हैं। मुझे लगता है कि आज या कल तक होर्मुज स्ट्रेट खोलने और इस संघर्ष को सामान्य स्थिति की तरफ ले जाने का समझौता हो सकता है।

टीवीके सरकार पेश करेगी पहला बजट, नई योजनाओं और सुधारों पर रहेगा फोकस

विश्व केसरी

चेन्नई। टीवीके के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार बुधवार को विधानसभा में 2026-27 के लिए अपना पहला बजट पेश करेगी, जिसमें राज्य की वित्तीय प्राथमिकताओं और विकास एजेंडा को ऐसे समय में निर्धारित किया जाएगा जब राज्य महत्वपूर्ण वित्तीय बाधाओं से जूझ रहा है।

वित्त, योजना और विकास मंत्री एन. मैरी विल्सन पदभार ग्रहण करने के बाद अपना पहला बजट पेश करेंगी, जिससे यह प्रक्रिया नई सरकार का एक महत्वपूर्ण नीतिगत बयान बन जाएगी। जनता की तरफ से इस बजट का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है ताकि यह पता चल सके कि प्रशासन सीमित वित्तीय संसाधनों के साथ अपने चुनावी वादों और विकास प्राथमिकताओं को कैसे संतुलित करने का इरादा रखता है।

सरकार ने अब तक बड़ी कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा करने में सावधानी बरती है, जिसका मुख्य कारण धन की कमी है। वित्तीय चुनौतियों के बावजूद, बजट में कई नई घोषणाओं, नीतिगत पहलों और प्रशासनिक सुधारों के शामिल होने की उम्मीद है। शासन को मजबूत करने, सार्वजनिक सेवाओं की बेहतर डिलीवरी सुनिश्चित करने और प्रमुख क्षेत्रों में विकास को गति देने के उद्देश्य से उठाए गए उपायों को प्रमुखता मिलने की संभावना है।

सरकार की व्यय प्रबंधन और अतिरिक्त राजस्व जुटाने की रणनीति पर भी ध्यान दिया जाएगा, ताकि जनता पर अत्यधिक बोझ न पड़े। बजट से टीवीके प्रशासन द्वारा राज्य के वित्त के प्रति अपनाए गए दृष्टिकोण और शेष वित्तीय वर्ष के लिए उसकी प्राथमिकताओं की पहली व्यापक तस्वीर सामने आएगी। बजट पेश होने के तुरंत बाद, विधानसभा की कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) सत्र की अवधि तय करने और चर्चाओं के लिए समय सारणी को अंतिम रूप देने के लिए बैठक करेगी।

सरकार का पहला कृषि बजट गुरुवार को पेश किया जाएगा। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री आर. विनोद अलग से बजट पेश करेंगे, जिसमें किसानों, सिंचाई, कृषि उत्पादकता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए प्रशासन की योजनाओं का विवरण दिए जाने की उम्मीद है। इसके बाद सदस्य आम बजट और कृषि बजट दोनों पर एक सामान्य चर्चा में भाग लेंगे। सरकार से उम्मीद की जा रही है कि वह बहस के दौरान विपक्ष और अन्य सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब देगी। इसके बाद विधानसभा अलग-अलग विभागों की अनुदान मांगों पर विचार करेगी, जिसके दौरान मंत्री अपने विभागीय वित्त पोषण संबंधी आवश्यकताओं को रखेंगे और क्षेत्र-विशिष्ट घोषणाएं करेंगे।

बजट सत्र लगभग 25 दिनों तक चलने की उम्मीद है, जिससे यह टीवीके सरकार के सत्ता में आने के बाद से उसके लिए पहली बड़ी विधायी परीक्षा बन जाएगी।

'ये मेरे लिए जेनरेशन होप है', सीएम हिमंता सरमा ने 'जेन-जी' को लेकर दिया बयान

विश्व केसरी

गुवाहाटी। केंद्र सरकार के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में हुए जेन-जी के हालिया विरोध प्रदर्शनों की भूमिका पर चल रही बहस के बीच मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को एक अप्रत्यक्ष राजनीतिक संदेश देते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को राजनीतिक लेबल से परिभाषित करने के बजाय, वे 'उम्मीद की पीढ़ी' का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित राहत शिविरों का दौरा करने के बाद ये टिप्पणियां कीं, जहां उन्होंने हाल की बाढ़ से विस्थापित हुए बच्चों से बातचीत की। मुख्यमंत्री सरमा ने एक्स पर इस यात्रा की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'इन्हें जेनरेशन जी या जेनरेशन अल्फा कहा जा सकता है। मेरे लिए ये जेनरेशन होप हैं। इन विनाशकारी बाढ़ के बीच उनकी हंसी, मासूमियत और आशावाद हमें याद दिलाते हैं कि उम्मीद हमेशा कठिनाई से अधिक मजबूत होती है। 'हालांकि मुख्यमंत्री ने सीधे तौर पर किसी राजनीतिक घटनाक्रम का जिक्र नहीं किया, लेकिन उनकी ये टिप्पणी राजधानी के जंतर-मंतर पर किए गए छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के संदर्भ में आई है। इसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी अपना इस्तीफा दे दिया था।

इस पोस्ट को मुख्यमंत्री सरमा द्वारा युवाओं के बारे में धारणा बदलने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें उन्हें राजनीतिक टकराव के बजाय लचीलेपन और आशावाद के प्रतीक के रूप में चित्रित किया गया है। अपनी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने राहत शिविरों में शरण लिए हुए बच्चों और परिवारों से बातचीत की राहत व्यवस्थाओं की समीक्षा की और प्रभावित लोगों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार सामान्य स्थिति बहाल होने तक हर संभव सहायता प्रदान करती रहेगी।

असम राज्य और पड़ोसी क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ की लगातार लहरों से जूझ रहा है।

कई जिलों में हजारों लोग विस्थापित हैं और सरकार शिविरों के माध्यम से राहत और पुनर्वास प्रयासों को जारी रखे हुए है ।

संक्षिप्त खबर

वित्त वर्ष 27 में महंगाई दर 5 प्रतिशत रहने का अनुमान, छोटी अवधि में होगी बढ़ोतरी : आरबीआई

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को वित्त वर्ष 27 के लिए खुदरा महंगाई दर 5 प्रतिशत रहने का अनुमान जारी किया है। साथ ही कहा कि वैश्विक अस्थिरता के कारण छोटी अवधि में महंगाई दर में बढ़ोतरी हो सकती है। आरबीआई एमपीसी के फैसलों का ऐलान करते हुए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि लगातार 16 महीनों तक केंद्रीय बैंक के लक्ष्य 4 प्रतिशत से नीचे रहने के बाद खुदरा महंगाई दर जून में बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने बताया कि पहली तिमाही में महंगाई दर आरबीआई के पहले के अनुमान से 30 आधार अंक कम रही, जिससे पता चलता है कि इनपुट लागत के दबाव का असर सीमित रहा। खाने-पीने की चीजों और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद, कोर महंगाई (जिसमें खाने-पीने की चीजें और ईंधन शामिल नहीं हैं) मई और जून के दौरान 3.9 प्रतिशत पर स्थिर रही। कीमती धातुओं को छोड़कर, कोर महंगाई और भी कम, यानी 2.3-2.5 प्रतिशत रही, जिससे पता चलता है कि मांग-पक्ष से जुड़ी महंगाई का दबाव कम बना हुआ है। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और इसे घरेलू मांग, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर की लगातार गतिविधियों, अच्छे निवेश ट्रेंड और मजबूत निर्यात का सहारा मिल रहा है।

भारत की विकास दर वित्त वर्ष 27 में 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान, बना रहेगा दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था : आरबीआई

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) के फैसलों का ऐलान करते हुए कहा कि भारत वित्त वर्ष 27 में 6.7 प्रतिशत की विकास दर के साथ दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आरबीआई द्वारा अगस्त एमपीसी में जारी किया गया विकास दर अनुमान पिछले अनुमान 6.6 प्रतिशत से 10 आधार अंक ज्यादा है। उन्होंने कहा कि जून 2026 के बाद से पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण आपूर्ति पक्ष पर पड़ने वाला दबाव कुछ कम हुआ है। हालांकि, जुलाई के पहले हफ्ते से टकराव के फिर से बढ़ने की वजह से एनर्जी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बढ़ गया है और सप्लाई चेन को लेकर अनिश्चितता फिर से पैदा हो गई है। लगातार बनी हुई ग्लोबल अनिश्चितता के बावजूद, घरेलू आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं, जैसा कि पहली तिमाही के हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर्स से पता चलता है। मल्होत्रा ने कहा कि पहली तिमाही के शुरुआती कॉर्पोरेट नतीजों से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भी अच्छे प्रदर्शन का संकेत मिलता है। आरबीआई गवर्नर के मुताबिक, हेडलाइन महंगाई दर बढ़ने का अनुमान है, जिसकी मुख्य वजह खाने-पीने की चीजों और ईंधन की आपूर्ति से जुड़े दबाव हैं, जबकि मुख्य महंगाई दर सामान्य बनी हुई है और तीसरी तिमाही में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद इसके कम होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून, अल नीनो, भू-राजनीतिक अस्थिरता और ग्लोबल ट्रेड पॉलिसी को लेकर अनिश्चितताओं के बीच भविष्य की स्थिति अभी साफ नहीं है।

वह ऐतिहासिक तारीख जब कश्मीर को मिला नया सवेरा और अयोध्या में गूंजे राम नाम के जयकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। इतिहास के पन्नों में कुछ तारीखें महज 24 घंटे का समय नहीं होतीं। वे एक पूरे युग के अंत और एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक बन जाती हैं। आधुनिक भारत के इतिहास में '5 अगस्त' एक ऐसी ही अमिट तारीख है। यह वही दिन है जब 7 साल पहले कश्मीर से एक पुरानी व्यवस्था की विदाई हुई थी, और ठीक 6 साल पहले अयोध्या में एक सदी पुरानी प्रतीक्षा का अंत हुआ था।

5 अगस्त 2019 वह दिन था जब भारत सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटा दिया और राज्य को विशेष दर्जे से मुक्त कर दिया। आज इस फैसले के पूरे 7 साल हो चुके हैं। एक वक्त था जब कश्मीर में अलगाववाद और आतंकवाद का साया था। वहां भारत के संविधान की जगह एक अलग व्यवस्था और 'रणबीर दंड संहिता' लागू थी। लेकिन 2019 के फैसले ने इस पूरी तस्वीर को पलट दिया। जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया, जिसका सीधा मतलब था कि कानून और व्यवस्था अब सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के हाथ में आ गई। इस एक कदम से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को खुली छूट मिली। इन एजेंसियों ने जब जांच शुरू की, तो चौंकाने वाले सच सामने आए। पता चला कि पाकिस्तान से भारी मात्रा में पैसा आ रहा था। स्थानीय पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के बीच बेहतरीन तालमेल से ओजीडब्ल्यू नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया गया। हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठन आज वहां अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं। अनुच्छेद 35ए के खात्मे के बाद महिलाओं के अधिकार बहाल हुए। अब गैर-कश्मीरी से शादी करने पर भी महिलाओं के संपत्ति और निवास के अधिकार नहीं छिनते। घरेलू हिंसा और बाल शोषण के खिलाफ जो कानून पूरे देश की महिलाओं की रक्षा करते हैं, वे अब कश्मीर में भी पूरी तरह लागू हैं।

स्थानीय निकायों और 2024 में हुए विधानसभा चुनावों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को फिर से मजबूत किया है। अब वहां स्कूल हिंसा के डर से बंद नहीं होते, बल्कि नई शिक्षा नीति के तहत बच्चे अपना भविष्य गढ़ रहे हैं।

यादगीर तालुक के रासायनिक रिसाव के कारण तीन श्रमिकों की मौत, 2 घायल

विश्व केसरी

यादगीर। यादगीर तालुक के कादेचुर औद्योगिक क्षेत्र में एक दवा निर्माण इकाई में कथित तौर पर रसायन रिसाव के कारण तीन श्रमिकों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान विक्रम सिंह (30), संजय सिंह (29) और गणेश (25) के रूप में हुई है। घायल शिवकुमार और हेमंत को रायचूर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आरआईएमएस) अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

यह घटना मंगलवार देर रात कादेचुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक दवा निर्माण कंपनी में हुई। प्रारंभिक जांच के अनुसार, कारखाने के अंदर रासायनिक रिसाव के कारण श्रमिकों को नुकसान पहुंचा। पुलिस को आशंका है कि यह रसायन सांस के जरिए पीड़ितों के शरीर में पहुंचा और घातक साबित हुआ। रिसाव का सटीक कारण और रसायन की प्रकृति का अभी पता लगाया जाना बाकी है। घटना की सूचना मिलते ही सैदापुरा पुलिस स्टेशन के कर्मी मौके पर पहुंचे और उन्होंने जांच शुरू कर दी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जबकि अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या इस त्रासदी के पीछे कोई लापरवाही या औद्योगिक सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन था। आगे की जांच जारी है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

इसी साल, 15 फरवरी को भी ऐसी ही एक घटना सामने आई थी। मांड्या जिले के कारेकाट्टे गांव के पास स्थित कीर्ति केमिकल्स इंडस्ट्रीज में गैस कटर का उपयोग करके कारखाने की मशीनरी को अलग करते और स्थानांतरित करते समय एक टैंक में विस्फोट और रिसाव हुआ ।

केरल में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हुई, राज्य सरकार ने राहत पैकेज का किया ऐलान

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। केरल के कई इलाकों में बाढ़ का पानी धीरे-धीरे कम हो रहा है लेकिन अगले पांच दिनों में भारी बारिश और तेज हवाओं का अनुमान है। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने बुधवार को बाढ़ पीड़ितों के लिए एक बड़ा राहत पैकेज जारी किया। साथ ही, हर साल मॉनसून से होने वाली तबाही को रोकने के लिए आपदा से निपटने की क्षमता बढ़ाने वाला एक दीर्घकालिक कार्यक्रम भी घोषित किया।

मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि इस साल बारिश से जुड़ी घटनाओं में 26 लोगों की मौत हुई है, 11 लोग घायल हुए हैं और चार लोग अभी भी लापता हैं। फिलहाल, 462 राहत कैंपों में 27,048 लोग रह रहे हैं। सरकार यह पक्का कर रही है कि रहने की स्थिति बेहतर बनाने के लिए किसी भी कैंप में 150 से ज़्यादा लोग न हों। उन्होंने कहा कि शुरुआती आकलन से पता चलता है कि 1,882 हेक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है, जिससे अनुमानित 67 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है जबकि 23,507 किसान प्रभावित हुए हैं। कैबिनेट ने राहत के कई बेहतर उपायों को मंजूरी दी। मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजे के तौर पर 8 लाख रुपये मिलेंगे, जबकि जिन परिवारों के घर पानी में डूब गए हैं, उन्हें तुरंत मदद के तौर पर 10,000 रुपये दिए जाएंगे। अंतिम संस्कार के खर्च के लिए अतिरिक्त 10,000 रुपये दिए जाएंगे। पूरी तरह से नष्ट हुए घरों के लिए सहायता राशि बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दी गई है, जबकि फसल के मुआवजे में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाएगी।

राज्य में पहली बार बाढ़ से प्रभावित छोटे व्यापारियों और दुकान मालिकों को 10,000 रुपये दिए जाएंगे। कैबिनेट ने एमएसएमई होमस्टे और दूसरे योग्य उद्यमों के लिए एक खास पुनर्वास पैकेज को भी मंजूरी दी, जिसके तहत 12 लाख रुपये तक के आसान लोन दिए जाएंगे।

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र गुरुवार से, छात्र आंदोलन का मुद्दा गूंजेगा, सर्वदलीय बैठक में वार्ता की मांग

विश्व केसरी

रांची। झारखंड विधानसभा का छह दिवसीय मानसून सत्र गुरुवार से शुरू होगा। सत्र से पहले बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो की अध्यक्षता में सत्र के सुचारू संचालन को लेकर सर्वदलीय बैठक हुई। बैठक के दौरान रांची में चल रहे छात्रों के आंदोलन का मुद्दा प्रमुखता से उठा। विभिन्न दलों के नेताओं ने सरकार से आंदोलनरत छात्रों से शीघ्र बातचीत कर समाधान निकालने की पहल करने की मांग की।

माना जा रहा है कि जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं का मुद्दा मानसून सत्र में प्रमुखता से गूंजेगा। बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, जेएलकेएम विधायक जयराम महतो, आजसू विधायक निर्मल महतो, लोजपा विधायक सुरेश पासवान और अन्य दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक में सदन की कार्यवाही लोकतांत्रिक परंपराओं और संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप संचालित करने पर सहमति बनी। जेएलकेएम विधायक जयराम महतो ने बैठक में रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में चल रहे छात्रों के आंदोलन का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि सरकार बिना विलंब आंदोलनरत छात्रों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करे। उन्होंने नियुक्ति घोटाले पर सदन में कम से कम दो घंटे की विशेष चर्चा कराने और राज्य में सूखे की स्थिति पर भी विस्तृत बहस की मांग की। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बैठक के बाद कहा कि विधानसभा जनता की आकांक्षाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों का सर्वोच्च मंच है। सरकार जनहित के हर मुद्दे पर सार्थक चर्चा, जवाबदेही और सकारात्मक संवाद के लिए प्रतिबद्ध है।

कोलकाता में स्वतंत्रता दिवस की झांकियों में केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को दिखाया जाएगा

विश्व केसरी

कोलकाता। अन्नपूर्णा योजना और विकसित भारत-जी राम जी योजना से लेकर पीएम आवास योजना और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा तक, इस बार कोलकाता में स्वतंत्रता दिवस की झांकियां केंद्र सरकार और पश्चिम बंगाल सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की थीम पर सजाई जाएंगी।

एक सरकारी अधिकारी ने बुधवार को बताया कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस परेड के दौरान रेड रोड पर 11 झांकियां दिखाई जाएंगी। इसके अलावा, जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान को भी एक झांकी में दिखाया जाएगा। राज्य में भाजपा सरकार ने कई नए प्रोजेक्ट और कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। इस बार स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में उन सभी को दिखाया जाएगा। लोक निर्माण, स्वास्थ्य, परिवहन, बिजली और पंचायत समेत कुल 10 विभाग अपनी अलग-अलग योजनाओं के आधार पर अपनी झांकियां सजा रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार के समय भी स्वतंत्रता दिवस परेड के दौरान अच्छी तरह से सजाई गई झांकियों में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को दिखाया जाता था।

उजनी बांध से पानी छोड़ने की मात्रा में कमी, भीमा नदी में डिस्चार्ज घटाकर किया गया 1 लाख क्यूसेक

विश्व केसरी

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित उजनी बांध में पानी की आवक कम होने के कारण भीमा नदी में छोड़े जा रहे पानी के डिस्चार्ज में कमी की गई है। उजनी बांध प्रबंधन विभाग के अनुसार, बुधवार (5 अगस्त 2026) सुबह 7 बजे से बांध के स्पिलवे से 1,00,000 क्यूसेक पानी भीमा नदी में छोड़ा जा रहा है। इससे पहले नदी में इससे अधिक मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा था, लेकिन जलप्रवाह घटने के कारण डिस्चार्ज कम करने का निर्णय लिया गया है।

विभाग ने बताया कि अगर आगामी दिनों में उजनी बांध में पानी की आवक और कम होती है, तो भीमा नदी में छोड़े जाने वाले पानी के डिस्चार्ज में आगे भी कमी की जा सकती है। मंगलवार शाम को उजनी बांध से पानी छोड़ने की मात्रा बढ़ाने पंढरपुर, मालशिरस और मंगलवेढा तालुका में भीमा नदी के किनारे रहने वाले किसानों के लिए बाढ़ का खतरा बना गया। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले नागरिकों और किसानों से नदी के जलस्तर को देखते हुए सतर्क रहने की अपील की है। इससे पहले, मानसून की लगातार बारिश के कारण पुणे को पानी सप्लाई करने वाले तीन बड़े डैम (खड़कवासला, पानशेत और वरसगांव) अपनी पूरी क्षमता (100 प्रतिशत) तक भर गए। इसके चलते पानी को नियंत्रित तरीके से छोड़ा जा रहा है।

इस इलाके को पानी सप्लाई करने वाले दूसरे अहम डैम भी अपनी अधिकतम क्षमता के करीब पहुंच रहे हैं। पानी के लेवल को कंट्रोल करने के लिए पवना बांध से भी 5,720 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। वहीं, मुल्शी बांध से भी 6,200 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। अधिकारियों ने मुथा नदी के किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सलाह दी कि वे नदी के तल से दूर रहें और पानी छोड़े जाने के दौरान सरकारी सलाहों का पालन करें।

एआई विकासशील देशों के लिए बन रहा लाइफलाइन, संस्थागत गुणवत्ता में मौजूद कमियों को दूर करना जरूरी : वर्ल्ड बैंक

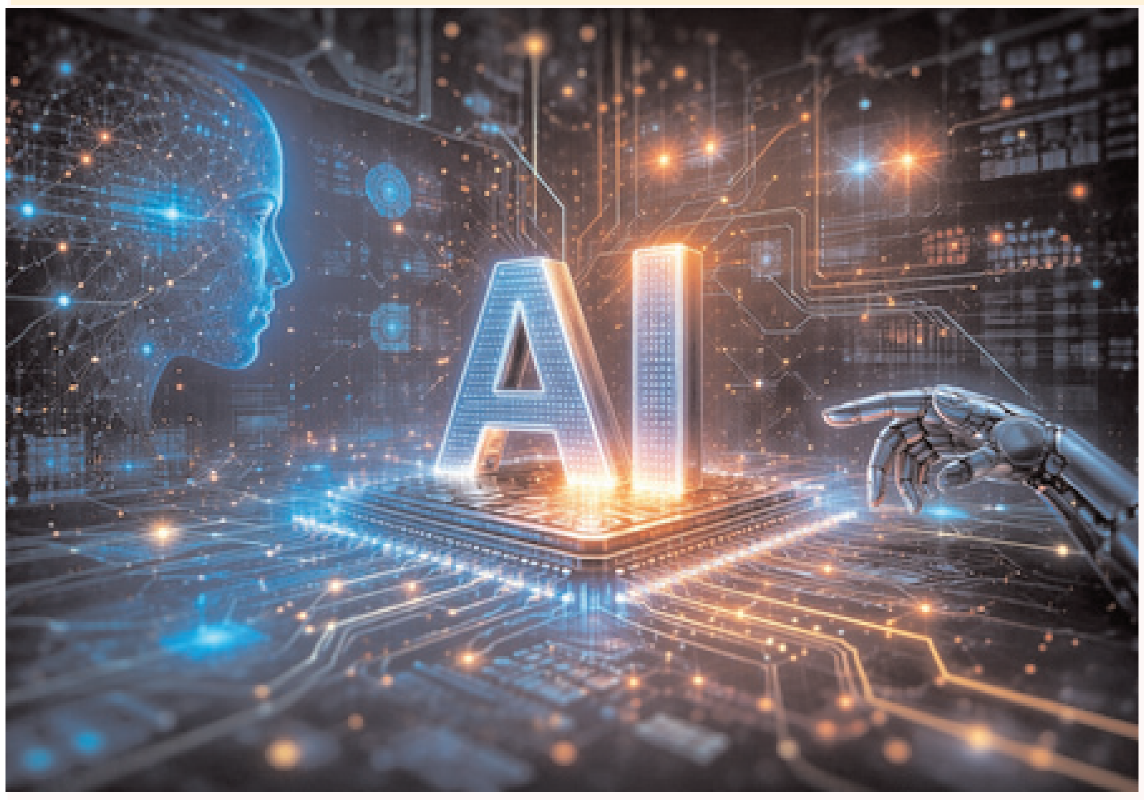

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विकासशील देशों के लिए लाइफलाइन का काम कर रहा है। इससे वे एक दशक में वह हासिल कर सकते हैं जो इसके बिना एक सदी में हासिल हो सकता था, लेकिन यह तभी संभव है जब इन देशों की सरकारें शक्ति, संपर्क, कौशल और संस्थागत गुणवत्ता में मौजूद कमियों को तेजी से दूर करें। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि कम और मध्यम आय वाले देशों की तुलना में, ज्यादा आय वाले देशों में नौकरियों के जेनरेटिव एआई की वजह से ऑटोमेशन के दायरे में आने का खतरा तीन गुना से अधिक है।

कम और मध्यम आय वाले देशों में मौजूदा नौकरियों में से 4.5 प्रतिशत पर ऑटोमेशन का खतरा है, जबकि अधिक आय वाले देशों में यह आंकड़ा 14.2 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया, 'विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में 16.2 प्रतिशत नौकरियों की प्रोडक्टिविटी में एआई से काफी बढ़ोतरी हो सकती है। यह आंकड़ा ज्यादा आय वाले देशों के लिए अनुमानित 18.7 प्रतिशत के करीब है।'

वर्ल्ड बैंक ग्रुप के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और चीफ इकोनॉमिस्ट इंद्रमित गिल ने कहा, 'एआई ने विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को एक नई उम्मीद दी है, और उन्हें इसका फायदा उठाना चाहिए। इसके फायदों के लिए उन्हें बड़े मॉडल या बड़े डेटा सेंटर की जरूरत नहीं है।'

उन्होंने आगे कहा, 'छोटे और सस्ते एआई टूल्स को स्थानीय हालात के हिसाब से ढालकर, वे लाखों लोगों तक बेहतर मेडिकल केयर, शिक्षा, न्यायिक सेवाएं और खेती से जुड़ी मदद पहुंचा सकते हैं। एआई बिजली और इंटरनेट जैसी पहले की आम टेक्नोलॉजी के मुकाबले तेजी से फैल रहा है और ज्यादा खास हालात के हिसाब से काम करता है। 'वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट 2026' दिखाती है कि कैसे विकासशील देश इस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और सफल हो रहे हैं।'

रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि एआई पहले से ही लोगों, व्यवसायों और सरकारों की समस्याओं को हल करने, जानकारी का विश्लेषण करने, अनुमानों को बेहतर बनाने और बड़े पैमाने पर सेवाएं देने में मदद कर रहा है।

ये क्षमताएं उन देशों में खास तौर पर कीमती हैं जहां प्रशिक्षित पेशेवर, भरोसेमंद रिकॉर्ड और सरकारी क्षमता अकसर सीमित होती है। एआई टूल्स डॉक्टरों के लिए मरीजों की बीमारी का पता लगाना, किसानों के लिए फसल से जुड़े फैसले बेहतर करना और व्यवसायों के लिए ज्यादा प्रोडक्टिव बनना आसान बना सकते हैं।

सरकारें टैक्स कलेक्शन, सोशल प्रोग्राम, आपदा के समय मदद, हेल्थ केयर और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल कर सकती हैं।

वर्ल्ड बैंक ने कहा कि विकासशील अर्थव्यवस्थाएं अभी पिछले तीन दशकों में अपनी सबसे कम औसत ग्रोथ पर हैं।

वित्त वर्ष 27 में महंगाई दर 5 प्रतिशत रहने का अनुमान, छोटी अवधि में होगी बढ़ोतरीः आरबीआई

विश्व केसरी ■

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को वित्त वर्ष 27 के लिए खुदरा महंगाई दर 5 प्रतिशत रहने का अनुमान जारी किया है। साथ ही कहा कि वैश्विक अस्थिरता के कारण छोटी अवधि में महंगाई दर में बढ़ोतरी हो सकती है।

आरबीआई एमपीसी के फैसलों का ऐलान करते हुए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि लगातार 16 महीनों तक केंद्रीय बैंक के लक्ष्य 4 प्रतिशत से नीचे रहने के बाद खुदरा महंगाई दर जून में बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो गई है।

उन्होंने बताया कि पहली तिमाही में महंगाई दर आरबीआई के पहले के अनुमान से 30 आधार अंक कम रही, जिससे पता चलता है कि इनपुट लागत के दबाव का असर सीमित रहा।

खाने-पीने की चीजों और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद, कोर महंगाई (जिसमें खाने-पीने की चीजें और ईंधन शामिल नहीं हैं) मई और जून के दौरान 3.9 प्रतिशत पर स्थिर रही।

कीमती धातुओं को छोड़कर, कोर महंगाई और भी कम, यानी 2.3-2.5 प्रतिशत रही, जिससे पता चलता है कि मांग-पक्ष से जुड़ी महंगाई का दबाव कम बना हुआ है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और इसे घरेलू मांग, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर की लगातार गतिविधियों, अच्छे निवेश ट्रेंड और मजबूत निर्यात का सहारा मिल रहा है।

गवर्नर ने कहा कि आरबीआई ने वित्त वर्ष 2027 के लिए खुदरा महंगाई का अनुमान 5 प्रतिशत लगाया है, जिसमें दूसरी तिमाही महंगाई 4.7 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 5.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

वहीं, वित्त वर्ष 2028 की पहली तिमाही के लिए महंगाई का अनुमान 5.3 प्रतिशत है।

मल्होत्रा ??ने कहा कि महंगाई के अनुमान पर जोखिम अभी भी बने हुए हैं, जो बारिश पर अल-नीनो के असर, ग्लोबल कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से जुड़े हैं।

सिर्फ डाइट नहीं, सही आदतें भी हैं जरूरी...ऐसे रखें वजन पर कंट्रोल और रहें लंबे समय तक स्वस्थ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बढ़ता वजन एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। मोटापा सिर्फ शरीर का आकार नहीं बढ़ाता, बल्कि यह कई गंभीर बीमारियों को भी न्योता देता है। टाइप-2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारी और स्ट्रोक जैसी समस्याओं का खतरा मोटापे के साथ काफी बढ़ जाता है।

अक्सर लोग वजन घटाने के लिए खाना कम कर देते हैं या फिर कार्बोहाइड्रेट जैसी चीजें पूरी तरह छोड़ देते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि किसी एक चीज को पूरी तरह छोड़ना सही तरीका नहीं है। शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्वों की जरूरत होती है। इसलिए कोशिश करें कि आपकी थाली में फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, दूध और प्रोटीन से भरपूर चीजें संतुलित मात्रा में शामिल हों।

हर समय कैलोरी गिनना जरूरी नहीं है, लेकिन यह जानना फायदेमंद हो सकता है कि आपके शरीर को रोज कितनी कैलोरी की जरूरत है। यह आपकी उम्र, लंबाई, वजन, लिंग और रोजाना की शारीरिक गतिविधि पर निर्भर करता है। अगर आप जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेते हैं और उतनी ऊर्जा खर्च नहीं करते, तो वजन बढ़ना तय है। अगर आपको लगता है कि आप जरूरत से ज्यादा खा रहे हैं, तो एक आसान तरीका अपनाइए। रोज क्या खाया, क्या पिया और लगभग कितनी मात्रा में लिया, इसे एक डायरी में लिखना शुरू कर दें। पैकेट वाले खाद्य पदार्थों के न्यूट्रिशन लेबल जरूर पढ़ें और सर्विंग साइज पर भी ध्यान दें। कई बार हमें लगता है कि हमने थोड़ा खाया है, लेकिन वास्तव में कैलोरी काफी ज्यादा ले चुके होते हैं। हालांकि स्वस्थ रहने के लिए सिर्फ डाइट ही नहीं, नियमित शारीरिक गतिविधि भी उतनी ही जरूरी है। वयस्कों को सप्ताह में कम से कम 150 मिनट मध्यम तीव्रता वाली एक्सरसाइज करनी चाहिए। यानी रोज करीब 30 मिनट तेज चाल से चलना, साइकिल चलाना या हल्की दौड़ जैसी गतिविधियां काफी फायदेमंद होती हैं। इसके अलावा सप्ताह में कम से कम दो दिन मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाली एक्सरसाइज भी करनी चाहिए। बच्चों और किशोरों के लिए रोज कम से कम 60 मिनट की शारीरिक गतिविधि जरूरी मानी जाती है। वहीं, 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को संतुलन बनाए रखने वाली एक्सरसाइज, जैसे एक पैर पर खड़े होने का अभ्यास, भी करना चाहिए।

यूपीआई पर एमडीआर लागू करने का प्रस्ताव अभी शुरुआती चरण में, लेकिन डिजिटल भुगतान व्यवस्था की लागत किसी को वहन करनी होगीः आरबीआई गवर्नर

विश्व केसरी ■

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) जैसी डिजिटल भुगतान व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए होने वाली लागत का भुगतान किसी न किसी को करना होगा। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका बोझ जरूरी नहीं कि आम उपभोक्ताओं पर ही डाला जाए।

मुंबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनसे यूपीआई ट्रांजेक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) या कमीशन लगाए जाने की संभावनाओं को लेकर सवाल पूछा गया था। इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि इस विषय पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

संजय मल्होत्रा ने कहा, 'इस बारे में अभी कुछ कहना बहुत जल्दबाजी होगी। आने वाले घटनाक्रम का इंतजार करना चाहिए। आखिरकार लागत किसी न किसी को वहन करनी होती है, लेकिन जरूरी नहीं है कि इसका भार आम उपभोक्ताओं पर ही पड़े।'

आरबीआई गवर्नर इससे पहले पिछले महीने भी कह चुके हैं कि डिजिटल भुगतान से जुड़ी आधारभूत संरचना (डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर) को बनाए रखने और विकसित करने की लागत को किसी न किसी रूप में पूरा करना आवश्यक है। हालांकि फिलहाल आम उपभोक्ताओं से शुल्क वसूलने को लेकर कोई औपचारिक प्रस्ताव या ढांचा मौजूद नहीं है।

इस बीच, वित्त मंत्रालय ने भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव रखा है, जिसका उद्देश्य भविष्य में 2,000 रुपए से अधिक मूल्य के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर व्यापारियों से शुल्क लेने की संभावनाओं के लिए कानूनी लचीलापन प्रदान करना है। हालांकि वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, सामान्य उपभोक्ताओं द्वारा किए जाने वाले नियमित यूपीआई भुगतान आगे भी नि:शुल्क बने रहेंगे।

सरकारी अधिकारियों का कहना है कि दूध, सब्जी, किराना और अन्य रोजमर्रा की खरीदारी से जुड़े 90 प्रतिशत से अधिक ट्रांजैक्शन किसी भी संभावित एमडीआर शुल्क के दायरे में नहीं आएंगे। यानी आम लोगों के दैनिक भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क लगने की संभावना बहुत कम है।

वर्तमान में क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड के माध्यम से होने वाले ट्रांजैक्शन पर एमडीआर लागू होता है। हालांकि अधिकांश व्यापारी यह अतिरिक्त लागत सीधे ग्राहकों से नहीं वसूलते और स्वयं वहन करते हैं।

चेन्नई नगर निगम ने रेबीज रोधी टीकाकरण अभियान के तहत दो लाख स्ट्रीट डॉग्स को लक्षित किया

विश्व केसरी ■

चेन्नई । ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन (जीसीसी) अगस्त के दूसरे सप्ताह में शहरव्यापी टीकाकरण अभियान शुरू करेगा, जिसका लक्ष्य लगभग दो लाख आवारा कुत्तों को टीका लगाना है। यह अभियान रेबीज की रोकथाम और पशु कल्याण में सुधार के लिए किए जा रहे गहन प्रयासों का हिस्सा है।

यह अभियान शहर के सभी क्षेत्रों में लागू होगा और पालतू कुत्तों को रेबीज और परजीवी रोधी टीके मुफ्त में उपलब्ध कराएगा। पालतू जानवरों के मालिकों से इस कार्यक्रम का लाभ उठाने और अपने जानवरों को टीका लगवाने का आग्रह किया गया है।

पिछले साल नगर निगम ने लगभग 1.47 लाख आवारा कुत्तों का टीकाकरण किया था, जब चेन्नई में आवारा कुत्तों की आबादी लगभग 1.80 लाख होने का अनुमान था।

तब से कुत्तों की आबादी में वृद्धि होने की आशंका को देखते हुए, जीसीसी ने इस वर्ष टीकाकरण का लक्ष्य बढ़ाकर दो लाख कुत्ते कर दिया है। यह अभियान निगम के पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) बुनियादी ढांचे के विस्तार के साथ-साथ चलाया जा रहा है।

वर्तमान में, चेन्नई में स्थित 15 एबीसी केंद्रों में से 11 चालू हैं। नन्दंबक्कम और पेरंगुडी में दो और केंद्र अगले सप्ताह से काम करना शुरू कर देंगे। अंबत्तूर के अथिपटू और शोलिंगनल्लूर में शेष केंद्र अगस्त के चौथे सप्ताह तक चालू हो जाएंगे।

एक बार सभी 15 सुविधाएं चालू हो जाने के बाद, जीसीसी को उम्मीद है कि नसबंदी प्रक्रियाओं को पूरा करने की उसकी क्षमता में काफी वृद्धि होगी।

मौजूदा केंद्र मिलकर प्रतिदिन लगभग 200 गर्भनिरोधक ऑपरेशन करते हैं। निगम को उम्मीद है कि अतिरिक्त सुविधाओं के साथ यह संख्या दोगुनी होकर लगभग 400 ऑपरेशन प्रतिदिन हो जाएगी।

उंगलियां, कोहनी और घुटने पड़ गए हैं काले तो न करें नजरअंदाज, ये हो सकते हैं संकेत

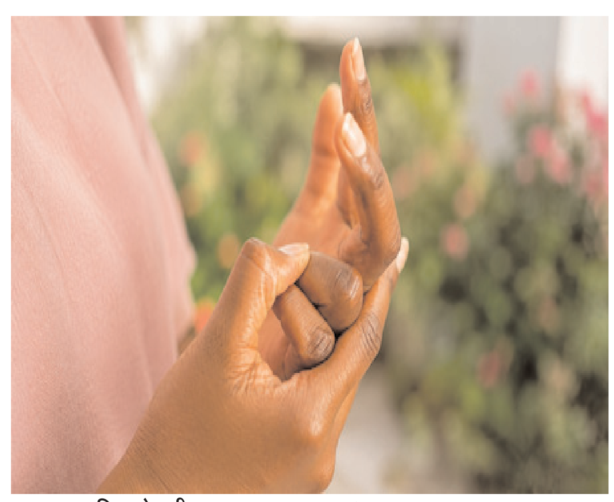

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। चेहरे की देखभाल पर तो ज्यादातर लोग ध्यान देते हैं, लेकिन शरीर के कुछ हिस्से अक्सर नज़रअंदाज़ हो जाते हैं। हाथों की उंगलियों के जोड़, कोहनी और घुटनों पर जमा कालापन खूबसूरती को फीका कर देते हैं। इन हिस्सों के काले होने के पीछे केवल गंदगी या सफाई की कमी नहीं होती, बल्कि शरीर के अंदर कुछ ऐसे बदलाव होते हैं, जो इन हिस्सों को प्रभावित करते हैं।

त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार, नकल्स, कोहनी और घुटनों की त्वचा शरीर के दूसरे हिस्सों की तुलना में थोड़ी मोटी होती है। इन जगहों पर बार-बार दबाव पड़ने से त्वचा की ऊपरी परत में केराटिन नामक प्रोटीन की मात्रा बढ़ने लगती है, जिससे वह हिस्सा गहरे रंग का दिखाई देने लगता है।

कई बार लगातार घर्षण के कारण शरीर उन जगहों पर मेलेनिन का उत्पादन बढ़ा देता है। मेलेनिन हमारी त्वचा के रंग को तय करता है। जब किसी हिस्से पर बार-बार दबाव या चोट जैसी स्थिति बनती है तो शरीर सुरक्षा के तौर पर वहां ज्यादा मेलेनिन बनाने लगता है, जिससे त्वचा का रंग गहरा हो सकता है।

हालांकि, अगर नकल्स, कोहनी या घुटनों का कालापन अचानक बढ़ने लगे, तो इसे केवल बाहरी समस्या मानना सही नहीं है। कई मामलों में यह इंसुलिन रेजिस्टेंस से भी जुड़ा हो सकता है। इस स्थिति में शरीर इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाता और खून में इंसुलिन का स्तर बढ़ने लगता है। इसका असर त्वचा की कोशिकाओं पर भी पड़ सकता है।

कुछ लोगों में विटामिन बी12 की कमी के कारण भी त्वचा पर गहरा रंग दिखाई दे सकता है, खासकर अगर उंगलियों के जोड़ों में ज्यादा कालोपन आ रहा हो, तो यह शरीर में पोषण की कमी का संकेत हो सकता है। इसके अलावा, थायरॉइड की समस्या या एडिसन डिजीज जैसी कुछ स्वास्थ्य समस्याएं भी त्वचा में बदलाव लाती हैं।

ऑफिस में घंटों बैठते हैं? रोज करें पादहस्तासन, तनाव और अकड़न से मिलेगा छुटकारा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ऑफिस में लंबे समय तक डेस्क पर बैठे रहने से कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्या शरीर को जकड़ने लगती हैं। ऐसी स्थिति में रोजाना समयानुसार, नियमित आहार और योगासन शरीर को इन समस्याओं से निजात दिलाने में मददगार है, योग के इन्हीं आसनों में पादहस्तासन श्रेष्ठ बताया गया है, जिसके अभ्यास से शरीर को धीरे-धीरे आराम मिलने लगता है।

पादहस्तासन एक ऐसा योगासन है जो तीन शब्दों से मिलकर बना है, पाद + हस्त + आसन। इस आसन में पांव (पाद) को हाथों (हस्त) से पकडते हैं इसलिए इसे पादहस्तासन या हस्त पादासन कहते हैं।

आधुनिक जीवनशैली में हम जहां ज्यादातर समय मोबाइल या कंप्यूटर के सामने झुके रहते हैं, ऐसे में यह आसन रीढ़ को राहत देता है और पूरे शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाता है।

केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय ने इस आसन को लेकर सुझाव दिए हैं। उनके अनुसार, इस आसन के नियमिस अभ्यास से तनाव, अकड़न, खराब पाचन और कम ऊर्जा जैसी समस्याएं शरीर में धीरे-धीरे जमा होती रहती हैं। इनसे छुटकारा पाने के लिए पादहस्तासन एक ऐसा आसान है, जिसके नियमित अभ्यास से शरीर का लचीलापन बढ़ता है, पाचन तंत्र मजबूत होता है, मन शांत रहता है और आगे की ओर गहरे खिंचाव से शारीरिक तनाव दूर होता है।

इस आसन को करने से सिर की तरफ खून का प्रवाह बढ़ता है, जिससे दिमाग और आंखों को फायदा होता है।

ए. जी. कृपाल सिंहः विरासत में मिला क्रिकेट का खेल, डेब्यू मैच में लगाया जोरदार शतक

एजेंसी ■

नई दिल्ली। क्रिकेट के खेल में डेब्यू मुकाबले में शतकीय पारी खेलना किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं माना जाता है। इस उपलब्धि को ए. जी. कृपाल सिंह ने भी अपने इंटरनेशनल करियर के पहले मैच में हासिल किया। कृपाल सिंह को क्रिकेट का खेल विरासत में मिला था और उनके पिता और भाई भी क्रिकेटर रहे।

कृपाल सिंह का जन्म 6 अगस्त, 1933 को चेन्नई में हुआ था। कृपाल के पिता राम सिंह पूर्व क्रिकेटर रहे और उन्होंने 56 फर्स्ट क्लास और भारत की तरफ से दो अनौपचारिक टेस्ट मैच खेले। कृपाल के बड़े भाई मिल्खा सिंह भी भारत की ओर से 4 टेस्ट मैच खेले। इसी कारण कृपाल का भी शुरुआत से ही क्रिकेट से खास लगाव हो गया। घरेलू क्रिकेट में कृपाल अपनी दमदार बल्लेबाजी और ऑफ स्पिन गेंदबाजी से जल्द ही अपनी पहचान बनाने में सफल रहे। 96 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में कृपाल ने 40 की शानदार औसत से खेलते हुए 4,939 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 10 शतक और 24 अर्धशतक निकले।

घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन का इनाम उन्हें 1955 में मिला, जब कृपाल को पहली बार भारतीय टीम की ओर से खेलने का मौका मिला। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में की पहली ही पारी में कृपाल छाप छोड़ने में सफल रहे और उन्होंने 100 रनों की नाबाद पारी खेली। इस शतकीय पारी ने कृपाल को इंटरनेशनल स्तर पर पहचान दिलाने में मदद की। उन्होंने भारत की ओर से कुल 14 टेस्ट मैच खेले और इस दौरान 28 की औसत से 422 रन बनाए। अपने इंटरनेशनल करियर में उन्होंने एक शतक और 2 अर्धशतक लगाए।

कृपाल सिंह ने साल 1961 में अपने भाई मिल्खा सिंह के साथ भी भारत के लिए एक टेस्ट मैच खेला। यह मुकाबला इंग्लैंड के खिलाफ खेला गया। कृपाल दलीप ट्रॉफी के पहले मैच में कप्तानी करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में से एक रहे। उन्होंने दक्षिण क्षेत्र की अगुवाई की और अपने भाई मिल्खा के शतक के बूते टीम को जीत दिलाने में भी सफल रहे।

1963-64 में खिलाड़ियों के बीमार होने की वजह से परेशान इंग्लैंड टीम मुश्किल से मैदान पर 11 खिलाड़ी उतर सकी थी, लेकिन उन्हें बीच में एक खिलाड़ी की आवश्यकता पड़ रही थे, ऐसे में कृपाल सिंह इंग्लिश टीम की ओर से फील्डिंग करने ग्राउंड पर उतरे थे। हालांकि, कृपाल सिंह का निधन महज 53 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने की वजह से हो गया था।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सीडब्ल्यूजी 2026 में ब्रॉन्ज जीतने वालीं शिल्पा शायला को किया सम्मानित

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शॉट पुट एफ57 स्पर्धा में देश को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने वालीं पैरा एथलीट शिल्पा शायला को बुधवार को केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सम्मानित किया। शिल्पा ने 7.26 मीटर दूर गोला फेंकते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था।

केंद्रीय मंत्री ने शिल्पा के साथ उनके कोच सत्यनारायण और पुष्पा निरंजन प्रसाद को भी सम्मानित किया। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए दी। उन्होंने लिखा, 'आज मैंने कर्नाटक की बेहतरीन पैरा एथलीट शिल्पा के. शायला का स्वागत और सम्मान किया। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के शॉट पुट एफ57 इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की है। मेरे लोकसभा क्षेत्र के के.आर. नगर की रहने वालीं शिल्पा का सफर उनके अटूट संकल्प, लगन और कभी न हार मानने वाले जज्बे का सबूत है। उन्होंने भारी व्यक्तिगत मुश्किलों का सामना करते हुए देश का नाम रोशन किया।'

एचडी कुमारस्वामी ने आगे लिखा, 'शिल्पा की यह ऐतिहासिक उपलब्धि कर्नाटक और पूरे देश के लिए गर्व की बात है और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मैंने उनके कोच सत्यनारायण और पुष्पा निरंजन प्रसाद को भी इस शानदार कामयाबी में उनके अहम योगदान के लिए सम्मानित किया। मैं शिल्पा को दिल से बधाई देता हूं और कामना करता हूं कि वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का मान-सम्मान और बढ़ाती रहें। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शिल्पा ने शर्मिला धनखड़ के साथ पोडियम फिनिश किया था। शर्मिला पैरा एथलेटिक्स में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतने वाले पहली खिलाड़ी रहीं। शर्मिला ने 9.81 मीटर के अपने बेस्ट प्रदर्शन के साथ गोल्ड पर कब्जा जमाया था। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित हुए इस बार के कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का प्रदर्शन यादगार रहा। भारत ने 13 गोल्ड समेत कुल 39 मेडल जीते। भारत के पैरा एथलीट्स ने भी इस यादगार अभियान में अहम भूमिका निभाई और कुल 7 मेडल अपने नाम किए, जिसमें 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे।

डीपीएल 2026: वेस्ट दिल्ली लायंस ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को 5 विकेट से हराया, मयंक गुसैन बने जीत के नायक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के 9वें मैच में वेस्ट दिल्ली लायंस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को 5 विकेट से हराया। वेस्ट दिल्ली ने 161 रनों के लक्ष्य को आसानी से 18.1 ओवर में सिर्फ 5 विकेट खोकर हासिल किया।

हालांकि, लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अंकित कुमार महज 6 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जितेश सिंह 8 रन बनाने के बाद अमन भाटी का शिकार बने। 26 रनों के स्कोर पर 2 विकेट गंवाने के बाद वेस्ट दिल्ली लायंस की पारी को कृष यादव और नीतीश राणा ने संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 58 रनों की अहम साझेदारी निभाई।

कृष ने 36 गेंदों का सामना करते हुए 3 चौके और एक छक्के की मदद से 41 रन बनाए, जबकि नीतीश ने 25 गेंदों में 32 रन बनाए। नीतीश ने अपनी इस पारी में 5 चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान आयुष दोसेजा ने अपनी शानदार फॉर्म को इस मुकाबले में भी जारी रखा और उन्होंने महज 27 गेंदों का सामना करते हुए 44 रन बनाए। अपनी इस पारी में उन्होंने 7 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, मयंक गुसैन ने 10 गेंदों में नाबाद 19 रनों की पारी खेली और टीम को जीत दिलाकर लौटे।

इससे पहले, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज की पूरी टीम 160 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अनमोल शर्मा महज 13 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, प्रणव पंत 10 गेंदों में 16 रन बनाने के बाद आउट हुए। सनत सांगवान बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 15 गेंदों में 26 रन बनाने के बाद आउट हुए। कप्तान आयुष बदोनी 13 गेंदों में 18 रन बनाने के बाद मनन का शिकार बने। करन गर्ग 21 रन बनाकर आउट हुए। तेजस्वी सिंह दहिया सिर्फ 2 रन ही बना सके।

प्रांशु विजयरन 26 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अंकित डब्बास 9 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। अंत के ओवरों में विजन पांचाल ने 12 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 24 रन बनाए।

कलाई की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे अल्काराज

विश्व केसरी ■

ओहायो। विश्व के नंबर 2 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज सिनसिनाटी ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे। स्पेन का यह खिलाड़ी अपनी कलाई की चोट से उबरने में नाकाम रहा है, जिसके चलते उन्होंने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है।

टूर्नामेंट के आयोजक ने बुधवार को अल्काराज के टूर्नामेंट से हटने की पुष्टि की। उन्होंने बताया, 'कार्लोस अल्काराज सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। हमारे 2025 के चैंपियन को ठीक होने के लिए शुभकामनाएं। अगले साल आपका स्वागत करने का इंतजार नहीं कर सकते।' अल्काराज ने आखिरी बार अप्रैल में बार्सिलोना ओपन टूर्नामेंट खेला था। उससे ठीक पहले, अप्रैल की शुरुआत में ही वो मोंटे-कार्लो मास्टर्स के फाइनल तक पहुंचे थे। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार, 23 साल के अल्काराज का इस सीजन में 22-3 का रिकॉर्ड है, और वह एटीपी रैंकिंग में विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी हैं।

अल्काराज ने अपने सीजन की शानदार शुरुआत की थी और ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। मेलबर्न की ट्रॉफी ही आखिरी बड़ी ट्रॉफी थी जो उनके पास नहीं थी। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा और 23 अगस्त तक चलेगा। मई में दुनिया के नंबर 2 खिलाड़ी ने विंबलडन और क्वीन्स क्लब चैंपियनशिप दोनों से नाम वापस ले लिया था, क्योंकि वह अपनी दाहिनी कलाई की लगातार चोट से ठीक हो रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने रोम में हुए इटैलियन ओपन और फ्रेंच ओपन में भी हिस्सा नहीं लिया था। पिछले सीजन अल्काराज ने जानिक सिनर को फाइनल में हराकर फ्रेंच ओपन का खिताब अपने नाम किया था।

इस साल की शुरुआत में लॉरियस अवार्ड्स में अल्काराज को 'स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड मिला था। इवेंट के दौरान अल्काराज अपनी दाहिनी कलाई पर ब्रेस पहने नजर आए थे, जिसके बाद उनके भविष्य में खेलने पर शक और भी बढ़ गया है। अल्काराज ने बाद में पुष्टि की थी कि मेडिकल जांच के कारण उन्हें चोट को और बढ़ने से बचाने के लिए प्रतियोगिता से दूर रहना पड़ा था।

फीफा प्रमुख इन्फेंटिनो ने मोरक्को में सीनियर स्टाफ संग बुलाई संकटकालीन बैठक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। फीफा प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो बुधवार को मोरक्को में एक संकटकालीन बैठक करेंगे। यह बैठक फीफा के कमर्शियल और इवेंट ऑपरेशन्स को बेचने की उनकी योजना की कड़ी आलोचना के बाद बुलाई गई है।

इन्फेंटिनो को 'फीफा फॉरवर्ड एंटरप्राइज' (एफएफई) बनाने की अपनी योजना वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

यह कंपनी फीफा के टूर्नामेंट्स के कमर्शियल और ऑपरेशनल पहलुओं को चलाने के लिए बनाई जानी थी। यूईएफए, कॉनकाकैफ, एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) और कई राष्ट्रीय संघों के साथ-साथ फीफा के अंदर से भी इस योजना का भारी विरोध हुआ था।

'स्काई स्पोर्ट्स' की रिपोर्ट के अनुसार, इन्फेंटिनो ने फुटबॉल की विश्व शासी निकाय (गवर्निंग बॉडी) के सीनियर अधिकारियों को रबात में होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए कहा है। फीफा के ग्लोबल फुटबॉल डेवलपमेंट प्रमुख आर्सेन वेंगर ने विवादित 'फीफा फॉरवर्ड एंटरप्राइज' (एफएफई) प्रस्ताव को वापस लेने के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट को छोड़ना जरूरी और निर्विवाद था और उन्होंने एक स्वतंत्र और पारदर्शी विश्व शासी निकाय में अपना भरोसा फिर से जताया।

डब्ल्यूबीबीएल के 12वें सीजन में होबार्ट हरिकेंस का हिस्सा नहीं होंगी नैट साइवर-ब्रंट, कोच ने की पुष्टि

विश्व केसरी ■

होबार्ट। विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) की मौजूदा चैंपियन होबार्ट हरिकेंस को आगामी सीजन से पहले बड़ा झटका लगा है। हेड कोच जूड कोलमैन ने बुधवार को कन्फर्म किया कि इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट चोट के कारण वर्कलोड को मैनेज करने के लिए आने वाला सीजन नहीं खेलेंगी।

साइवर-ब्रंट ने पिछले सीजन में हरिकेंस को उनका पहला डब्ल्यूबीबीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। वह टीम की मुख्य इंटरनेशनल खिलाड़ी थीं। हालांकि, इंग्लिश समर के दौरान लगातार पिंडली की समस्या से जूझने के बाद उन्होंने टूर्नामेंट से बाहर रहने का फैसला किया है। साइवर-ब्रंट टी20 विश्व कप में भी

बतौर बल्लेबाज ही खेलती हुई नजर आई थीं।

'क्रिकेट.कॉम.एयू' ने एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान कोलमैन के हवाले से कहा, 'हमें नैट साइवर-ब्रंट से पता चला है कि वह इस साल टूर्नामेंट में बिल्कुल भी वापस नहीं आ रही हैं। यह हमारे लिए निराशाजनक है, लेकिन हम पूरी तरह से समझते हैं। इंग्लिश समर में उन्हें चोटों से जूझना पड़ा है। जनवरी में डब्ल्यूपीएल (विमेंस प्रीमियर लीग) भी है, इसलिए यह उनके लिए अपने बेटे और पत्नी के साथ घर पर कुछ समय बिताने का एकमात्र मौका है।'

पिंडली की समस्या से जूझने के कारण साइवर-ब्रंट टी20 वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ सीरीज नहीं खेल पाई थीं। विश्व कप के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था और टीम का खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया था।

साइवर-ब्रंट के न होने के बावजूद, कोलमैन ने कहा कि हरिकेंस अपने मुख्य इंटरनेशनल और घरेलू खिलाड़ियों को बनाए रखने पर फोकस कर रहा है। इस लिस्ट में इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज डैनी वायट-हॉज भी शामिल हैं।

विमेंस बिग बैश लीग की शुरुआत 29 अक्टूबर से होनी है और होबार्ट हरिकेंस अपने खिताब का बचाव करने के इरादे से उतरेगी।

'यह ऐसा प्रदर्शन है, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा', पहली पारी में 6 विकेट लेने पर बोले जोमेल वार्रिकान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वार्रिकान ने क्वींस पार्क ओवल में जारी दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ छह विकेट लेने को बेहद खास बताया है। उन्होंने कहा कि चोटिल कप्तान रोस्टन चेज की गैरमौजूदगी में स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालने से यह प्रदर्शन और भी संतोषजनक हो गया।

तर्जनी उंगली में चोट के कारण चेज पहली पारी में सिर्फ 7 ओवर ही गेंदबाजी कर सके। ऐसे में वार्रिकान ने स्पिन गेंदबाजी का मोर्चा संभाला और 46 ओवर का स्पेल डाला। उन्होंने 112 रन देकर 6 विकेट निकाले और पाकिस्तान को बड़ी बढ़त लेने से रोका। वार्रिकान ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने

के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि यह शायद ऐसा प्रदर्शन है जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा, क्योंकि टीम मुश्किल स्थिति में थी और कप्तान अपनी उंगली की चोट से जूझ रहे थे। मुझे टीम की मदद के लिए कड़ी मेहनत करने और वे सभी अतिरिक्त ओवर फेंकने की जिम्मेदारी लेनी पड़ी। इतने सारे ओवर फेंकने के बाद मिली सफलता और मेहनत का फल मिलने के लिहाज से यह बहुत खास महसूस हुआ।'

यह टेस्ट क्रिकेट में वार्रिकान का तीसरा और घरेलू मैदान पर पहला 'फाइव-विकेट हॉल' (एक पारी में पांच विकेट) रहा। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से घरेलू मैदान पर पांच विकेट लेना चाहता था। यह ऐसी चीज है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा, क्योंकि जब मैं पुराने क्लिप्स के साथ हाइलाइट्स देखता हूं, तो वे हमेशा घरेलू सीरीज के होते हैं। मैं हमेशा ड्रेसिंग रूम में बैठकर खुद को 5 विकेट लेते हुए पुराने क्लिप में देखना चाहता था, और इस मैच में ऐसा हुआ, इसलिए मैं वास्तव में बहुत खुश हूं।

हालांकि, वेस्टइंडीज की हालत दूसरे टेस्ट में खस्ता है। टीम ने दूसरी इनिंग में अपने छह विकेट सिर्फ 103 रन खोकर गंवा दिए हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित

समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415